रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

* *

रांची, शनिवार 14 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 157

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,200
चांदी (किलो)	89,000

ब्रीफ खबरें

राहुल पर अठावले का आया विवादित बयान

मुंबई। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि उनकी पार्टी राहुल गांधी के आरक्षण वाले बयान के खिलाफ देशव्यापी जूते मारो आंदोलन शुरू करेंगे. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पर जूते फेंके जाने चाहिए. अठावले ने कहा, राहुल गांधी एक बेकार आदमी हैं. जब भी वे इंग्लैंड या अमेरिका जाते हैं, तो भारत के खिलाफ बोलते हैं. उनको सबक सिखाना होगा.

अब एक और मोर्चे पर हुई जंग की आहट

मास्को। यूक्रेन संग युद्ध के बीच रूस ने पूर्वी एशिया में एक और मोर्चेपर तनातनी के संकेत दिए हैं. इससे नए मोर्चे पर जंग की आहट सुनाई देने लगी है. रूसी सेना के दो लड़ाकू विमानों ने जापान की वायुसीमा में न केवल प्रवेश किया है, बल्कि जापान के ऊपर चक्कर भी लगाए. रूस की इस हिमाकत के बाद अमेरिका के दोनों मित्र देशों (जापान और दक्षिण कोरिया) को अपने फाइटर प्लेन भेजने पड़े. इसके बाद रूसी सैन्य विमान अपनी सीमा में लौट गए.

मोदी के जन्मदिन पर अजमेर में लगेगा लंगर

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिन पर अजमेर शरीफ दरगाह लंगर लगाने जा रहा है. 17 सितंबर को दरगाह प्रबंधन की ओर से 4000 किलो शाकाहारी खाना परोसा जाएगा. अजमेर शरीफ गद्दी नशीं सैयद अफशान चिश्ती के मुताबिक लंगर में भोजन चावल, शुद्ध घी, ड्राई फ्रूट आदि से बना होगा. यह खाना आस्थावानों और गरीबों में बांटा जाएगा.

पप्पू यादव भी बिहार में निकालेंगे यात्रा

पटना। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव वक्फ संवैधानिक अधिकार यात्रा निकालेंगे. इस यात्रा की 29 सितंबर से बिहार के अररिया से शुरुआत होगी. उन्होंने कहा कि हम वक्फ बोर्ड बिल के खिलाफ हैं. बिहार में यात्रा सत्ता पाने के लिए होती है. कोई भी ऐसा नेता नहीं है, जो कह सकता है कि वह लाठी खाया हो, संघर्ष किया हो. बिहार में ज्यादातर नेता पीछे के दरवाजे से आ गए हैं, जो संविधान के लिए खतरा हैं.

सेंसेक्स, निफ्टी हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई। शेयर बाजार में शुक्रवार के कारोबारी सत्र में एक सीमित दायरे में कारोबार हुआ. बाजार के मुख्य सूचकांक हल्की गिरावट के साथ बंद हुए हैं. कारोबार के अंत में सेंसेक्स 71 अंक या 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82,890 और निफ्टी 32 अंक या 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,356 पर था. व्यापक बाजार का रुझान सकारात्मक था. सत्र की शुरुआत ही गिरावट के साथ हुई थी. - पेज 11 भी देखें

इतना डिजिटल भी नहीं होना था

कराची। पाकिस्तान आए दिन अजीबों-गरीब कारणों से चर्चा में रहता है. अब एक पिता ने अपनी बेटी की सुरक्षा में सारी सीमाएं लांघ दी हैं. पिता ने अपनी बेटी के सिर पर सीसीटीवी कैमरा लगा दिया. हैरानी कि बात यह है कि लड़की को खुद इससे कोई परेशानी नहीं है. एक्स पर वायरल हुए वीडियो में लड़की अपने सिर पर लगे एक बड़े कैमरे के साथ इंटरव्यू देते हुए बताया कि उसके पिता ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखने और उसकी सुरक्षा के लिए इसे लगाया है.

कोलकाता के आरोपी का नार्को टेस्ट नहीं

कोलकाता। कोलकाता रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय ने नार्को टेस्ट करने पर सहमति नहीं दी है. इसे लेकर सीबीआई की याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया. अदालत ने संजय की ओर से इस टेस्ट के लिए सहमति देने से इनकार करने के बाद सीबीआई की मांग खारिज कर दी.

सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट से कोर्ट असंतुष्ट, दोबारा जांच का आदेश

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

34वां राष्ट्रीय खेल घोटाला

- झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने अप्रैल 2022 में इस घोटाले की जांच शुरू की थी

457 करोड़ रुपये का यह घोटाला बताया जाता है

झारखंड में 34वें नेशनल गेम्स घोटाले में सीबीआई की ओर से दाखिल क्लोजर रिपोर्ट को विशेष कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया है. विशेष कोर्ट ने इस मामले की फिर से जांच करने का आदेश दिया है.

यह घोटाला 457 करोड़ रुपए का बताया जाता है. झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने अप्रैल 2022 में इस घोटाले की जांच शुरू की थी. उसने जांच पूरी करने के बाद 7 फरवरी 2024 को ठोस साक्ष्य का अभाव दिखाते हुए क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी. सीबीआई ने कहा था कि घोटाले का कोई पुख्ता आधार नहीं है. इसलिए इस केस को बंद किया जाए. सोशल एक्टिविस्ट पंकज यादव और सूर्य सिंह बेसरा ने इस क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ प्रोटेस्ट याचिका फाइल की. इस पर सुनवाई के बाद सीबीआई की स्पेशल कोर्ट के जज पीके शर्मा ने फिर से जांच का आदेश दिया है. 34वें नेशनल गेम्स का आयोजन झारखंड के रांची, जमशेदपुर और धनबाद में 12 फरवरी 2011 से 26 फरवरी 2011 तक कराया गया था. इसके लिए रांची में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया गया. कॉम्प्लेक्स के निर्माण से लेकर खेल सामग्री तक की खरीदारी में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगे. आयोजन शुरू होने के पहले ही घोटाले को लेकर वर्ष 2010 में झारखंड के एंटी करप्शन ब्यूरो ने एफआईआर दर्ज की. जांच के दौरान पूर्व खेल निदेशक पीसी मिश्रा, आयोजन समिति सचिव एसएम हाशमी आदि को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया. लेकिन, 12 साल बीतने के बाद भी जांच पूरी नहीं हुई. बाद में हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की. इसमें अज्ञात पब्लिक सर्वेंट्स एवं अज्ञात प्राइवेट व्यक्तियों के खिलाफ जांच शुरू हुई, इस संबंध में आरसी 2/2022 के तहत सीबीआई ने प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की थी. मामले में सीबीआई ने गत 8 फरवरी को विशेष कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी.

साल 2011 में रांची में हुए थे 34वें राष्ट्रीय खेल

पंकज ने राष्ट्रीय खेल मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण में अनियमितता समिति के विधानसभा कमेटी के संयोजक सरयू राय और सदस्य राधाकृष्ण किशोर के निष्कर्ष और अनुशंसा पर कार्रवाई करने की मांग करते हुए प्रोटेस्ट दाखिल की थी. कोर्ट में सुनवाई के दौरान पंकज यादव ने अदालत का ध्यान परामर्शी का चयन और तत्कालीन खेल मंत्री द्वारा टेंडर खुल जाने के बाद अपने पसंदीदा सवेंदक को टेंडर दिलाने की ओर आकृष्ट कराया था. साथ ही तत्कालीन मंत्री सुदेश महतो और उनके आप्त सचिव गोपाल जी तिवारी का विदेश भ्रमण का मुद्दा भी उठाया था.

वहीं सूर्य सिंह बेसरा ने विधानसभा कमेटी के सदस्यों से पूछे बगैर क्लोजर रिपोर्ट जमा कर देने पर सीबीआई की मंशा पर सवाल उठाया था. 34वां राष्ट्रीय खेल साल 2011 में रांची में हुआ था. जिसके आयोजन के बाद कई तरह की वित्तीय अनियमितता और करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार के मामला सामने आये थे. इस मामले की जांच सीबीआई ने की है.

मंईयां योजना : सीएम ने जारी की दूसरी किश्त, भाजपा पर किया कड़ा प्रहार

ऐसी पटकनी देंगे कि दोबारा खड़े नहीं हो पाएंगे : हेमंत

कौशल आनंद। रांची/बोकारो

ललपनिया में मांदर पर थाप लगाते सीएम हेमंत सोरेन.

45 लाख से अधिक बहनों को करम पूर्व संध्या पर सीएम ने दी सौगात

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने वादों के अनुरूप मुख्यमंत्री मंईयां योजना की सितंबर की किश्त शुक्रवार को लाभुक बहनों के खाते में भेज दी. बोकारो के ललपनिया स्थित लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरेम की पवित्र भूमि में करम पूर्व संध्या पर ये धनराशि जारी की गई. सीएम ने इसके अतिरिक्त रामगढ़ और बोकारो की योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया. उन्होंने राज्य की 45 लाख लाभुक महिलाओं के बैंक खातों में दूसरी किस्त की राशि भेजी. मौके पर महिला, बाल समाज कल्याण मंत्री बेबी देवी, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, डॉ. इरफान अंसारी, विधायक अनूप सिंह, लंबोदर महतो, सोना राम सिंकू, योंगेद्र प्रसाद, समेत कई लोग मौजूद थे.

इस दौरान मुख्यमंत्री ने भाजपा पर जम कर प्रहार किया. कहा कि हमारी सरकार बनने के वक्त हमारा हुलिया कैसा था और आज कैसा है. बेईमानों ने मुझे कुत्ता, बिल्ली की तरह लुका-छिपी पर मजबूर किया. झूठा आरोप प्रत्यारोप करके इन्होंने बहुत परेशान किया. नहीं सका, तो जेल में डाल दिया. लेकिन जब किसी पर गरीब गुरबा का हाथ होता है, तो उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर पाता है. कहा कि हमारा लक्ष्य है कि आने वाले पांच साल में एक-एक लाख रुपए पहुंचाने का काम करेंगे. पहले विपक्ष वाले लोग सब अपनी जेब में भर लेते थे. हम लोग अधिकार मांगते हैं, तो जेल भेज देते हैं. हम न जेल से डरे हैं, न गोलियों से डरे हैं. यह भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो कान्हू और विनोद बिहारी महतो की धरती है. आपका आशीर्वाद बना रहे, तो हम लोग विजयी होते रहेंगे. ये लोग सरकार गिराने में लगे हुए हैं. कभी विधायक खरीदते हैं, कभी मंत्री खरीदते हैं. विधायक, मंत्री को तो ऐसे खरीदते हैं, जैसे कोई सब्जी-तरकारी खरीदता हो. इनके पास गरीबों को देने के लिए पैसा नहीं है, महिलाओं को देने के लिए पैसा नहीं है, लेकिन बड़े-बड़े व्यापारियों का कर्जा माफ करने का पैसा इनके पास है. ये लोग उड़ कर झारखंड आ रहे. हिंदू-मुस्लिम, अगड़ा पिछड़ा करेंगे. आपस में लड़वा कर राजनीतिक रोटी सेकेंगे. ये लूटने वाले लोग हैं. लेकिन गठबंधन की सरकार ने मजबूती से मोर्चा संभाल रखा है. दो-तीन महीने के बाद फिर ऐसी पटखनी देंगे कि दोबारा झारखंड में ये लोग कभी खड़ा नहीं हो पाएंगे.

बोले सीएम

- सब्जी-तरकारी की तरह ये लोग मंत्री-विधायक खरीदते हैं
- **भगवान बिरसा मुंडा की धरती है, न जेल से डर है, न गोली से**
- ये लोग गरीबों को पैसे नहीं देते, मगर व्यापारियों की कर्ज माफी करते हैं

लुगुबुरू में की पूजा-अर्चना

इससे पूर्व सीएम ने बोकारो जिला अंतर्गत ललपनिया स्थित धार्मिक स्थल लुगुबुरु घांटाबाड़ी धोरोमगाढ़ में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य वासियों की उन्नति, सुख - शांति एवं खुशहाली तथा स्वस्थ जीवन की कामना की.

बोकारो को 302 और रामगढ़ को 431 योजनाओं की मिली सौगात

मुख्यमंत्री ने आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम में बोकारो एवं रामगढ़ जिले को लगभग 753 करोड़ 44 लाख हजार रुपए की 733 योजनाओं का तोहफा दिया है. इसमें रामगढ़ जिला अंतर्गत 40872.20 लाख रुपए की 431 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास शामिल है, जबकि बोकारो जिला अंतर्गत 52594.26 लाख रुपए की 302 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास संपन्न हुआ. वहीं, दोनों जिलों के हज़ारों लाभुकों के बीच लगभग 342 करोड़ 90 लाख रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया.

केजरीवाल को सशर्त जमानत

बाहर आये दिल्ली के सीएम, बोले- जेल की सलाखें मुझे कमजोर नहीं कर सकीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

जेल से बाहर निकलने के बाद समर्थकों का अभिवादन करते केजरीवाल.

शराब घोटाला मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से शुक्रवार को बड़ी राहत मिली है. सुप्रीम कोर्ट ने 156 दिनों बाद सीएम केजरीवाल को बेल दे दी. केजरीवाल शुक्रवार की शाम तिहाड़ जेल से बाहर आ गए. बाहर आने के बाद उन्होंने आम आदमी पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लाखों लोगों ने मेरे लिए दुआ की, उन लोगों की दुआओं की वजह से बाहर आया हूं. जेल की सलाखें केजरीवाल के हौसले के कमजोर नहीं कर सकतीं. मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि जैसे ऊपरवाले ने अभी तक मुझे ताकत दी, ऐसे ही भगवान मुझे रास्ता दिखाता रहे, मैं देश सेवा करता रहूं और जितनी राष्ट्रविरोधी ताकतें हैं, जो देश बांटने और कमजोर करने का काम कर रही हैं, मैं जिंदगी भर उनस लड़ता रहूं. केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल, सांसद संजय सिंह, पंजाब के सीएम भगवंत मान और अन्य नेताओं- कार्यकर्ताओं के साथ तिहाड़ से अपने आवास तक रोड शो भी किया.

इससे पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने सीएम केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए उन्हें सशर्त दे दी. जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्वल भुइयां की बेंच ने शर्तों और 10 लाख के निजी मुचलके पर दिल्ली के सीएम को जमानत दी. केजरीवाल पर वही शर्तें रहेंगी, जो ईडी के केस में मिली बेल के दौरान थीं. इससे पहले शीर्ष अदालत ने सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी को अवैध नहीं माना था, पर कहा कि किसी भी नेता को बहुत दिनों तक जेल में नहीं रखा जा सकता. सीएम केजरीवाल को सरकारी काम और सरकारी फाइलों पर साइन करने से भी मनाही होगी. केजरीवाल को बेल मिलने पर आम आदमी पार्टी के नेताओं में हर्ष का माहौल है. पार्टी नेताओं इसे सत्य की जीत बताया है. पार्टी नेताओं मिठाइयां बांटी और पटाखे भी छोड़े.

हम केजरीवाल को बेल का आदेश देते हैं

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि एफआईआर अगस्त 2022 में दर्ज हुई थी और 4 चार्जशीट दायर की जा चुकी हैं और ट्रायल कोर्ट ने संज्ञान ले लिया है. निकट भविष्य में केस के पूरा होने की संभावना नहीं है. केजरीवाल बेल के लिए तीन शर्तों को पूरा करते हैं और हम बेल का आदेश देते हैं. चार्जशीट दाखिल करना इन परिस्थितियों में एक महत्वपूर्ण है? इस संबंध में, हम अपीलकर्ता को ट्रायल कोर्ट तक सीमित नहीं कर रहे हैं. हम केजरीवाल को 10 लाख रुपए के बेल बांड के अधीन जमानत पर रिहा करने का निर्देश देते हैं.

सीबीआई को फिर पिंजरे का तोता कहा

जस्टिस उज्जल भुइंया ने सीबीआई को जमकर फटकार लगाई. फैसला सुनाते हुए कहा कि ये गिरफ्तारी अनुचित थी. गिरफ्तारी का उद्देश्य केजरीवाल को जेल से बाहर आने से रोकना था. सीबीआई की गिरफ्तारी केवल ईडी के मामले में अर्थहीन बेल देने का उपाय था. सीबीआई को पिंजरे में बंद तोते की धारणा को दूर करना चाहिए. मैं उन शर्तों से गंभीर आपत्ति रखता हूं, जो केजरीवाल को कार्यालय में प्रवेश करने या फाइलों पर हस्ताक्षर करने से रोकती हैं, लेकिन मैं न्यायिक संयम के कारण टिप्पणी नहीं कर रहा हूं क्योंकि यह एक अलग ईडी मामले में था.

ईडी वाली शर्तों के साथ आए बाहर

- केजरीवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने वही शर्तें लगाई हैं, जो उन्हें ईडी के केस में बेल के दौरान मिली थीं.
- **केस की मेरिट पर कोई बयानबाजी नहीं करेंगे.**
- सीएम दफ्तर जाने, सरकारी काम करने, केस पर टिप्पणी करने पर रोक.
- **ऐसे में सरकार के कामकाज में अब भी दिक्कत बनी रहेगी.**
- एनसीसीएसए की बैठक भी नहीं कर पाएंगे.
- **वह दिल्ली शराब नीति से जुड़े मामले में अपनी भूमिका के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं करेंगे.**
- वह किसी भी गवाह से बातचीत नहीं करेंगे या मामले से जुड़ी किसी भी आधिकारिक फाइल तक पहुंच नहीं रखेंगे.

ट्रेंडिंग न्यूज

राहत

बीएसएनएल 5जी का इंतजार खत्म!

नई दिल्ली। बीएसएनएल नेटवर्क की डिमांड में तेजी से उछाल आया है. इस बीच बीएसएनएल ने 5G नेटवर्क रोल आउट करने से लेकर 4जी नेटवर्क का जाल तक बिछाया जा रहा है. बीएसएनएल को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि बहुत जल्द 5जी नेटवर्क की शुरुआत होने वाली है. कंपनी ने इसके लिए टीसीएस से हाथ भी मिलाया है और टाटा की तरफ से नया डेटा सेंटर भी स्थापित किया जा रहा है. बीएसएनएल का 5जी नेटवर्क आने के बाद ग्राहकों को राहत मिलेगी.

मुश्किल

कंगना के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का केस दर्ज

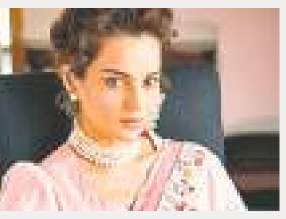

आगरा। फिल्म अभिनेत्री और मंडी से सांसद कंगना रनौत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. आगरा कोर्ट में अधिवक्ता ने कंगना रनौत के किसानों के खिलाफ बयानों को आधार बना कर कोर्ट में वाद दायर किया है. दायर वाद में कहा गया है कि कंगना ने 2021 में दिल्ली बार्डर पर धरने पर बैठे लाखों किसानों पर अभद्र टिप्पणी कर उनको हत्यारा और बलात्कारी होने का आरोप कहा था. कंगना पर एमपी एमएलए कोर्ट में राष्ट्रद्रोह वाद दायर हुआ है.

बदलाव

पोर्ट ब्लेयर का बदल गया नाम

अंडमान। केंद्र सरकार ने पोर्ट ब्लेयर का नाम बदल दिया है. अंडमान-निकोबार द्वीप की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नया नाम श्री विजयपुरम होगा. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट में बताया कि देश को गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति दिलाने के पीएम नरेंद्र मोदी के संकल्प से प्रेरित होकर गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम श्री विजयपुरम करने का निर्णय लिया है. श्री विजयपुरम नाम हमारे स्वाधीनता के संघर्ष और इसमें अंडमान और निकोबार के योगदान को दर्शाता है.

नई पॉलिसी चीन में सरकार बढ़ा रही रिटायरमेंट उम्र, अगले साल से करेगी लागू नया कानून

पेंशन पर टेंशन या बढ़ती बुजुर्ग आबादी का दबाव?

एजेंसी। बीजिंग

चीन की सरकार अपने कर्मचारियों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ा रही. सरकार के अनुसार, नेशनल पीपुल्स कांग्रेस ने शुक्रवार को यह घोषणा की. यह पॉलिसी 15 साल में धीरे-धीरे लागू की जाएगी. इसमें पुरुषों के लिए रिटायरमेंट की एज बढ़ा कर 63 साल की जाएगी. महिलाओं के लिए सेवानिवृत्ति की आयु उनकी भूमिका के आधार पर 55 और 58 साल की जाएगी.

चीन में फिलहाल सेवानिवृत्ति की आयु पुरुषों के लिए 60 और महिलाओं के लिए श्रमिक वर्ग में (ब्लूकॉलर) 50 साल, जबकि ऑफिस में काम करनेवाले वर्ग में (व्हाइट कॉलर) 55 साल है. सेवानिवृत्ति की यह आयु चीन की आबादी और अर्थव्यवस्था में सबसे कम है. चीनी अर्थव्यवस्था व आबादी की स्टडी करनेवाले शिउजियान पेंग ने इसकी वजह बताई है. उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर लोग रिटायर होने की उम्र पर पहुंच रहे हैं. इसलिए पेंशन फंड पर काफी दबाव है. इसलिए मुझे लगता है कि अब इस दिशा में गंभीरता से काम करने का समय आ गया है.

2035 40 करोड़ लोग हो जाएंगे 60 के पार : पिछली बार चीन में रिटायरमेंट उम्र साल 1950 में तय की गई थी. उस वक्त वहां पर लाइफ एक्सपेक्टेंसी करीब 40 साल थी. चीन सरकार की यह पॉलिसी अगले साल से अमल में आ जाएगी. लोगों की जन्मतिथि के आधार पर धीरे-धीरे बदलाव होता रहेगा. पॉलिसी के साथ रिलीज चार्ट में इसका उदाहरण भी दिया गया है. मसलन, अगर कोई व्यक्ति जनवरी 1971 में पैदा हुआ है, तो वह 61 साल और सात महीने की उम्र में अगस्त 2032 में रिटायर होगा. इसी तरह मई 1971 में पैदा हुआ व्यक्ति जनवरी 2033 में 61 साल आठ महीने की उम्र में रिटायर होगा. विशेषज्ञों के मुताबिक उम्रदराज लोगों की बढ़ती जनसंख्या ने चीन के इस फैसले में अहम भूमिका निभाई है. 2024 के अंत तक चीन में 60 साल से अधिक लोगों की संख्या करीब 300 मिलियन (30 करोड़) होगी. वहीं, 2035 तक यह संख्या बढ़ कर 400 मिलियन (40 करोड़) होने का अनुमान है. यह अमेरिका की आबादी से भी ज्यादा होगा.

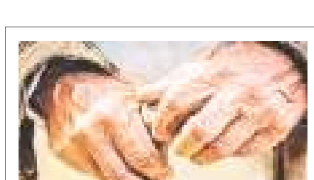

बुजुर्गों की बढ़ती आबादी पूरी दुनिया की चिंता

चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज ने पूर्व में बताया था कि तब तक पब्लिक पेंशन फंड खत्म हो चुके होंगे. काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में वैश्विक स्वास्थ्य के सीनियर फेलो यानझोंग हुआंग ने कहा कि पेंशन और सोशल बेनफिट्स का खत्म होना, केवल चीन की समस्या नहीं है. यह हर जगह हो रहा है. लेकिन चीन में बुजुर्गों की बढ़ती आबादी बहुत बड़ी चुनौती है. चीन में युवा लोग बढ़ती महंगाई का हवाला देकर बच्चे पैदा नहीं कर रहे हैं. इसके चलते वहां पर युवा आबादी में लगातार कमी आ रही है. 2022 में, चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने बताया था कि पहली बार देश में पिछले साल की तुलना में साल के अंत में 850,000 कम लोग थे. 2023 में, जनसंख्या में दो मिलियन की गिरावट और आई.

जमशेदपुर से नई आवास योजना का शुभारंभ करेंगे पीएम मोदी

विशेष संवाददाता। रांची

- दो करोड़ आवासों का करेंगे आवंटन, इसमें झारखंड के भी 20 हजार आवास शामिल

आने वाले 15 सितंबर को पीएम नरेंद्र मोदी जमशेदपुर से दो करोड़ नई आवास आवंटन योजना का शुभारंभ करेंगे. इस मौके पर मोदी झारखंड में आवास योजना के अन्तर्गत झारखंड के 20 हजार लाभार्थियों को जमशेदपुर से स्वीकृति पत्रों का भी वितरण करेंगे. ये बातें झारखंड प्रभारी सह केद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली से एक वीडियो जारी करके दी.

उन्होंने बताया कि झारखंड में थोड़ा काम तेजी से होना चाहिए था. हमने लगातार प्रयत्न किये, क्योंकि 1 लाख 13 हजार से ज्यादा मकान झारखंड में बनने हैं. अभी तक राज्य सरकार ने इतनी ही औपचारिकता पूरी करके स्वीकृति पत्र और मकानों के निर्माण के लिए अकाउंट नंबर डाले हैं. उसकी कुछ औपचारिकता पूरी करनी होती हैं. इसमें राज्य ने धीमी गति से काम किया, इसलिए इतने ही हितग्राहियों को लाभ मिलेगा. लेकिन लक्ष्य 1 लाख 13 हजार 195 का है, उसके लिए 187 करोड़ 79 लाख की राशि झारखंड को जारी की जा चुकी है. शिवराज ने कहा कि 16 सितंबर को पीएम मोदी गुजरात जाएंगे और 17 को भुवनेश्वर में कई योजनाओं का शुभारंभ करेंगे.

रिम्स की रिपोर्ट- एचआईवी (एड्स) पॉजिटिव है, सदर अस्पताल लोहरदगा समेत तीन अन्य लैब की जांच रिपोर्ट- निगेटिव यानी एड्स नहीं है

वो आत्महत्या करने जा रही थी, पति ने हिम्मत दी तो जान बची

संवाददाता । रांची

एचआईवी, यानी एड्स. नाम सुनते ही आंखों के सामने अंधेरा छाने लगता है. दुनिया भर में इसे खतरनाक बीमारी के रूप में जाना जाता है. जिसे हो जाए, उसकी मौत तय है. घर वाले, पास-पड़ोस के लोग सब कटने लगते हैं. शरीर कमजोर पड़ता जाता है और एक दिन वह मर जाता है. यही बीमारी अगर किसी महिला को हो जाए, तो कल्पना कीजिए, उस महिला पर क्या बीतेगी. एक झटके में महिला सबके सामने चरित्रहीन मान ली जाती है. उसकी पूरी जिंदगी नर्क बन जाती है, मामला तब और संगीन हो जाता है, जब वह ग्रामीण इलाके की हो. छह सितंबर की शाम का वक्त लोहरदगा निवासी महिला के लिए मनहूस शाम साबित हुआ था. उसके हाथ में रिम्स की जांच रिपोर्ट थी, रिम्स के नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन का वह परचा, जिसमें लिखा था कि उसे एड्स (एचआईवी पॉजिटिव) है. एक बार तो उसने आत्महत्या करने का मन बना लिया. परचे में एक नंबर अंकित है- जेएचआरएनसी-007-24-1....9. इस जांच रिपोर्ट के मुताबिक महिला के शरीर में एचआईवी (एड्स)-01 मौजूद पाया गया है.

छह सितंबर को रिम्स से जारी रिपोर्ट की कॉपी.

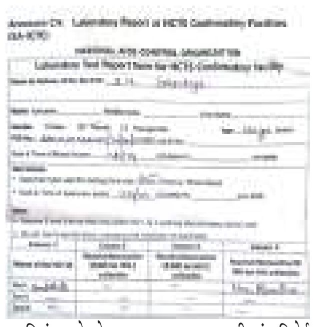
12 सितंबर को लोहरदगा सदर अस्पताल की जांच रिपोर्ट

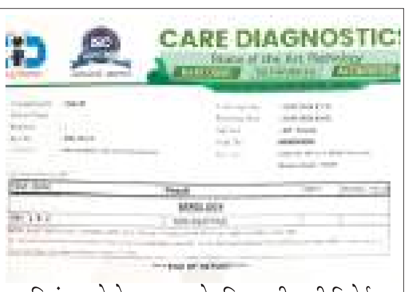

11 सितंबर को केयर डायग्नोसटिक्स की जारी रिपोर्ट.

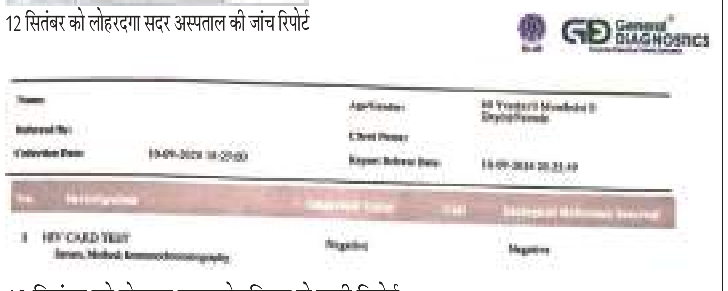

10 सितंबर को जेनरल डायग्नोसटिक्स से जारी रिपोर्ट.

लोहरदगा निवासी महिला की हालत यह हो गयी थी कि वह किसी से नजर नहीं मिला पा रही थी. उसे समझ में नहीं आ रहा था कि यह लाइलाज बीमारी उसके शरीर में कैसे आ गई. उसने खुद को खत्म करने, यानी आत्महत्या कर लेने का फैसला कर लिया. ऐसे कठिन वक्त में महिला के पति ने उसका साथ दिया. जब पति साथ में खड़ा हो गया, तो दूसरे लोग भी हिम्मत देने साथ आए. फिर 10 सितंबर को महिला ने जनरल डाइग्नोस्टिक सेंटर में एड्स की जांच कराई. शाम में रिपोर्ट मिली, जिसमें एड्स निगेटिव बताया गया. इसके बाद महिला ने केयर डायग्नोस्टिक में जांच कराई. 11 सितंबर को मिली रिपोर्ट में एड्स नो रिएक्टिव बताया गया. यानी एड्स निगेटिव. इसके बाद महिला ने 12 सितंबर को एक बार फिर लोहरदगा सदर अस्पताल में अपनी जांच कराई, रिपोर्ट नो रिएक्टिव यानी निगेटिव बताई गई.

दो निजी और एक सरकारी जांच घर की रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद महिला के परिजनों ने रिम्स प्रबंधन से इस बारे में बात की. महिला के परिजनों के मुताबिक रिम्स के एक चिकित्सक ने पहले तो इधर-उधर की बात की. फिर मामले को लेकर चुप रहने की सलाह दी. साथ ही यह भी चेताया कि मीडिया में ना जाएं. महिला के परिजनों का सवाल है कि आखिर इन 12 दिनों तक महिला ने जो मानसिक पीड़ा को झेला है, उसके लिए कौन जिम्मेदार है. अगर महिला ने कुछ कर लिया होता, तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होती. आखिर एड्स जैसी गंभीर बीमारी के मामले में भी राज्य का सबसे बड़ा अस्पताल कैसे इतना लापरवाह हो सकता है. इस खबर को लिखे जाने तक रिम्स प्रबंधन ने इसके जिम्मेदार के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई की है, ऐसी जानकारी नहीं मिली है.

हे राम, ईनका तो ढेरे बउरईनी धईले है, पैरवा धरती पर पड़िए न रहिस है

संजय सिंह

अपने झारखंड में एक से एक कलाकार नेताजी लोगन हैं. तनिका सा पावर का मिलता है, बउरईनी धर लेता है. अब देखिए न एगो दलबदलु नेताजी और हैं. जेने देखिन फायदा ओने ही लपक लिए. हालांकि नेताजी पहिले अकेले ही अपना दम देखा चुके हैं. लेकिन बाद में धड़ाधड़ पाला बदले लगे. एतना पाला बदले कि उनको खुद भी ठीक से याद न रहता है कि कब कौन सा पार्टीया में घुसिया गए थे. नेताजी निर्दलीय जीत गिए, तो बिहार वाली पार्टिया के तीर से निशाने साधे लगे. लेकिन इहां सिर्फ हॉफे-डिप देवे में दिन गुजर जाता रहा. नेताजी को कुछो भेंटा न रहा था, तो तड़पड़ाईल थे. जेने-तेने तांकझांक कईले थे. जुगाड़ में लगल थे कि मौका मिले तो चौका जड़ देंगे. अभी नेताजी अभी तीर-धनुष लेले निशानेवाजी कईले हैं. पहिले तीरे ले के घूमले थे. मौका ताड़े, तो कमल खिलावे लगी चल दिए. फायदे में भी रहे, जीते तो मंत्री भी बन गये. पढ़ावे-लिखावे के साथे -साथ लगे दारुओ बेचे-बेचवाए. उस समय लाले लाल बत्ती गाड़ी का फोकासी था. लाले लाल हो गिये थे नेताजी. अब दारू बेचे-बेचवावे वाला मंत्री जी कमे समय में लाले लाल हो जाएंगे, तो भला ऊ पार्टिया के बड़का नेतवन को पचेगा. भाई जो लोगन लग गिये इनका पतईया गुल करावे में. बेचारे के कुछ पते न चला और कमल छाप के घाघ नेताजी लोगन उनका टिकटवा खा-पचा गिए. बाद में ऊ पार्टिया वाला नेताजी लोगन इनको ऐन चुनावे के मौके पर अईसन साइड धरा दीहिन कि बेचारे लगे हांफे. हंफनी के बेमारी धर लीहिस थी. अब नेताजी मौका के तलाश में जुट गए. उसी समय तीर-धनुषवाली पार्टिया में वेंकेसी को बारे में नेताजी को पता चला. नेताजी ताड़ लीहिन. समझ गिये कि मौका फाइन है, तो धीरे से ढुकिया जाया जाए, नेताजी ढुकियाए तो तीर-धनुष से जीतियो गये. लेकिन अपना लुर-लच्छन के कारण ढेरे दिन तक ई पार्टिया में साइडे धईले रहे. कुछ करेला, कुछ कहे ला कोनो तरह का मौके न मिल रहा था. लेकिन गुटूर-पुटूर कईले रहते थे. एक बार तो ई नेताजी को लाटसाहिब के यहां से बुलावा भी आ गया. नेताजी खुशी से उछले लगे. नेताजी के शपथियाए लगी बुलाहटा था. नेताजी सूट-बूट पहिनले घर से निकल लिए, मन में लड्डुइयां फूटिए रहा था. लेकिन ई का, आधे रास्ते में नेताजी के फोन आ गईस, कहल गया कि अभी रुकिए जाओ. बेचारे नाक धुनलले आधा रास्ता से लौट गये. खूबे खिसियाए. अंडोबंड भी बोले लगे. जाति से लेके धरम-करम तक पर लेक्चर देवे लगे. लेकिन कहते हैं न.. नारयस्य त्रियाचरित्रम पुरुषस्य भाग्याम कोऊ न जानत -कोऊ न जानत... आखिरकार ई नेताजी के किस्मतवा तीर-धनुषवाली पार्टी के बड़का नेताजी लोगन ने पलटवा ही दी. मंत्री बना दीहिस. अब तो बैजू बाबू के बउरईनी धईले है. मंत्री पद बरदाश्ते न हो पा रहा है. अबकियो बैजू बउरनी महोदय के पढ़ाई-लिखाई करावे के साथे दारू बेचे-बेचवावे के जिम्मेवारी मिलल है. नेताजी लगल हैं कि लक्ष्मी मईया उन पर कृपा बरसा दें. लेकिन जइसे ही नेताजी के बड़का जिम्मेवारी मिली है, नेताजी के बउरनी जोर-शोर से धर लीहिस है. नेताजी तो नेताजी, अब तो उनके लाडले को भी हूटर लगी गाड़ीसे सफर करे का बेमारी घर लीहिस है. बेटाजी लोगन भी बाजार पहुंचते हैं, तो हूटर लगल गाड़ी मौहाल बनाइले रहते है. नेताजी का पैरवा पहिले धरातल पर रहा करता था, आजकल बऊराइल हैं, तो चउवे पर चल रहे हैं. ठस्सा मेनटेन कईले हैं. नेता जी एतने नहीं किए हैं, दुनो बेटाजी के भी अपना प्रतिनिधि बना दीहिन है. अब क्या है, बेटा जी लोगन भी खुद के मंत्री से कम न बुझ रहिस है. पूरा फुटानी कईले है. लेकिन ज्यादा इतराए के जरूरत न है. जनता सब देख रहिस है. दो-तीन महीने में कही जनता, जनार्दन हो गई न नेताजी. तो बुझिए लीजिए का होवेवाला है. वईसे इहो चर्चा है कि ई बउरईनी नेताजी फिरो कीचड़ में कमल खिलावे के भी जुगाड़ में जेने-तेने हाथ पैर मारले हैं. अब देखिए, आगे-आगे होता है क्या?

चुनावी चकल्लस

▼ ब्रीफ खबरें

पूजा सिंघल की बेल पर सुनवाई 19 सितंबर को

रांची । सस्पेंडेड आइएएस पूजा सिंघल की जमानत याचिका पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में 19 सितंबर को सुनवाई होगी. शुक्रवार की सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से बहस के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने 19 सितंबर की तारीख निर्धारित की है. ईडी ने पांच मई 2022 को पूजा सिंघल के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी. जिसके बाद ईडी ने पूजा सिंघल और सीए सुमन सिंह को गिरफ्तार किया था. दोनों से हुई पूछताछ में ईडी को बेहिसाब पैसे और अन्य जगहों पर इन्वेस्टमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी. ईडी की छापेमारी के दौरान सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुआ था.

सप्तगिरी उल्का आज और कल झारखंड में रहेंगे

रांची। विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय

सचिव एवं सह प्रभारी सप्तगिरि शंकर उल्का अपने दो दिवसीय दौरे पर 14 सितंबर को रांची आयेंगे. वहीं सह प्रभारी डॉ बेला प्रसाद 15 सितंबर को झारखंड आएंगे. दोनों नेता क्रमशः अपने दो और सात दिवसीय दौरे में मैराथन मीटिंग करेंगे. यह जानकारी देते हुए प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि उल्का 14 सितंबर को सुबह 11 बजे से पूर्वी सिंहभूम एवं तीन बजे से चाईबासा में पश्चिम सिंहभूम, 15 सितंबर को सुबह 11. 30 बजे से सरायकेला खरसावां जिले के कांग्रेस नेताओं अग्रणी संगठन विभाग के नेताओं से बैठक कर विचार विमर्श करेंगे. वहीं सह प्रभारी बेला प्रसाद सात दिवसीय दौरे में 15 सितंबर को रांची आएंगे. 16 सितंबर को रामगढ़, 17 सितंबर को हजारीबाग, 18 सितंबर को कोडरमा, 19 सितंबर को चतरा, 20 सितंबर को गढ़वा और 21 सितंबर को पलामू जिले के नेताओं कार्यकर्ताओं से बैठक एवं अलग-अलग मुलाकात करेंगे.

राजकुमार गुप्ता ने किया था खुलासा, योगेंद्र साव ने बनाया था टाइगर गिरोह

10 साल बाद जेल से बाहर निकला नक्सली संगठन टाइगर का सरगना राजकुमार गुप्ता

विधि संवाददाता । रांची

झारखंड के पूर्व मंत्री योगेंद्र साव द्वारा कथित तौर पर बनाये गये नक्सली संगठन टाइगर का सरगना राजकुमार गुप्ता दस साल बाद जेल से बाहर निकला. राजकुमार गुप्ता को हाईकोर्ट से जमानत मिली थी. वह अपहरण के एक मामले में सजा काट रहा था. जय प्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार, हजारीबाग से वह शुक्रवार को सुबह बाहर आया. साल 2013-14 में राजकुमार गुप्ता को पुलिस ने गिरफ्तार किया था. उसने अपने बयान से खुलासा किया था कि झारखंड के तत्कालीन कृषि मंत्री झारखंड टाइगर ग्रुप के मुख्य संचालनकर्ता हैं. इसके बाद योगेंद्र साव को मंत्री पद से

इस्तीफा देना पड़ा था.

साल 2013-14 में झारखंड टाइगर ग्रुप का पतरातू से लेकर लातेहार तक रंगदरी, लेवी और धमकी का खौफ चलता था. गिद्दी पुलिस द्वारा राजकुमार गुप्ता को पकड़ने के बाद गिरोह के पूरे नेटवर्क, संचालन और सहयोग करने वालों का खुलासा हुआ था. राजकुमार ने अपने बयान में यह स्वीकार किया था कि झारखंड सरकार के तत्कालीन कृषि मंत्री के इशारे पर वह घटनाओं को अंजाम देता है, जिसमें इनके भाई व अन्य रिश्तेदार सहयोग करते हैं. इस खुलासे के बाद तत्कालीन हेमंत सरकार की किरकिरी हुई थी. तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने योगेंद्र साव से इस्तीफा ले लिया था. मामले को लेकर गिद्दी थाना में मामला दर्ज किया गया था. बाद में इसकी जांच अपराध अनुसंधान विभाग ने भी किया था, जिसमें यह इसके बयान की पुष्टि भी हुई थी कि योगेंद्र साव इसके लगातार संपर्क में रहे हैं. मामले का ट्रायल फिलहाल रांची कोर्ट में चल रहा है.

सुप्रीमो दिनेश गोप के सहयोगी निवेश को बेल देने से ईडी कोर्ट का इनकार

संवाददाता। रांची

प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप के सहयोगी निवेश कुमार को बेल देने से रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने इनकार कर दिया है. निवेश पर आरोप है कि वह दिनेश गोप का फंड मैनेज करता था और पीएलएफआई द्वारा लेवी के रूप में वसूली गयी राशि को अलग-अलग जगह इन्वेस्ट करने में मदद करता था. निवेश ने दिनेश गोप को खिलौने वाले हथियार दिखाकर उससे ठगी की थी. जांच में यह बात भी सामने आयी थी कि धुर्वा के निवेश कुमार ने पीएलएफआई को विदेशी हथियार दिलाने के के नाम पर लाखों रुपये ठगे. उसने वीडियो कॉल के माध्यम से दिनेश गोप को नकली विदेशी हथियारों की तस्वीर दिखायी थी. उसे यह कर पैसे ठगे थे कि उसके पास अत्याधुनिक हथियार है. फिलहाल निवेश न्यायिक हिरासत में है.

मनी लॉन्ड्रिंग केस

नीरज मित्तल और रामप्रकाश भाटिया को बेल देने से हाईकोर्ट का इनकार

रांची। सरकारी टेंडर में कमीशन के जरिये करोड़ों रुपये की अवैध कमाई करने और उस कमाई को वैध बनाने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी निलंबित इंजीनियर इन चीफ वीरेंद्र राम के सहयोगी नीरज मित्तल और राम प्रकाश भाटिया की जमानत अर्जी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है. इससे पहले रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट ने भी दोनों को बेल देने से इंकार कर दिया था. वीरेंद्र राम पर अपने पद पर रहते हुए करोड़ों रुपए की अवैध कमाई करने का आरोप है. वहीं नीरज मित्तल और राम प्रकाश भाटिया पर जेल में बंद निलंबित अभियंता प्रमुख वीरेंद्र राम के पैसों के निवेश में सहायता करने का आरोप है. दोनों को ईडी ने दिल्ली से गिरफ्तार किया था. दोनों के खिलाफ ईडी आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है. जिस पर कोर्ट संज्ञान ले चुका है.

हाईकोर्ट ने आठ अभ्यर्थियों के लिए पोस्ट रिजर्व रखने का दिया निर्देश

रांची । झारखंड हाईकोर्ट में लैब असिस्टेंट नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की बेंच ने जेएसएससी को उन आठ अभ्यर्थियों के लिए पोस्ट रिजर्व रखने का निर्देश दिया है, जिन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है. इस संबंध में दिव्यांशु राज और अन्य की ओर से याचिका दाखिल की गयी थी. दरअसल जेएसएसी ने लैब असिस्टेंट के पद पर नियुक्ति निकाली थी. नियुक्ति के लिए जारी विज्ञापन में रखी गयी शर्त और नियुक्ति नियमावली में अंतर था. जिसके खिलाफ आठ लोगों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अधिवक्ता अपराजिता भारद्वाज ने प्रार्थियों की ओर से बहस की.

लैब असिस्टेंट नियुक्ति

कोल लिंकेज से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी इजहार को कोर्ट ने दी बेल

रांची । लिंकेज का 86568 टन कोयला मंडी में बेच कर करोड़ों रुपये की अवैध कमाई करने के आरोपी व हजारीबाग के चर्चित कोयला कारोबारी इजहार अंसारी की बेल पर हाईकोर्ट ने फैसला सुना दिया है. हाईकोर्ट ने उसे कुछ शर्तों के साथ जमानत दी है. इससे पहले रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने इजहार को बेल देने से इनकार करते हुए उसकी याचिका खरीज कर दी थी. जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में अपनी बेल के लिए गुहार लगायी थी. दरअसल, कोल लिंकेज से जुड़े मामले को लेकर ईडी ने इसी वर्ष 16 जनवरी को इजहार अंसारी के ठिकानों पर छापेमारी की थी. छापेमारी के बाद ईडी ने उसे गिरफ्तार कर लिया था. तब से वह न्यायिक हिरासत में हैं.

पीएम के जमशेदपुर दौरे को लेकर बिजली विभाग ने तीन अफसर प्रतिनियुक्त किये

विशेष संवाददाता । रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दिवसीय दौरे पर 15 सितंबर को झारखंड के जमशेदपुर आ रहे हैं. पीएम के आगमन को लेकर बिजली विभाग ने तीन अफसरों की प्रतिनियुक्ति की है. ऊर्जा विभाग, विद्युत निरीक्षणालय रांची सर्कल ने विद्युत निरीक्षक प्रफुल कुमार गुप्ता, सहायक विद्युत निरीक्षक शैलजानंद प्रकाश और अजय कुमार सिंह की प्रतिनियुक्ति की है. तीनों अधिकारी जमशेदपुर के गोपाल मैदान में बिजली व्यवस्था देखेंगे. साथ ही जरूरी दिशा-निर्देश के तहत बिजली व्यवस्था को संचालित करेंगे.

जनसभा और रोड शो भी करेंगे मोदी

बता दें कि 15 सितंबर को जमशेदपुर के गोपाल मैदान में पीएम मोदी जनसभा को संबोधित करेंगे. साथ ही रोड शो भी करेंगे. वे लगभग 21 हजार करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे. वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत भी करेंगे. एक लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों के बीच दो-दो लाख रुपये की राशि भी खाते में भेजी जायेगी.

सभी अस्पतालों में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन लागू होगा

संवाददाता । रांची

राज्य के सभी अस्पतालों में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन लागू होगा. इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है. इसे लेकर शुक्रवार को रांची के सभी प्राइवेट अस्पतालों के प्रबंधन के साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बैठक की. बैठक की अध्यक्षता राज्य अभियान निदेशक पवन कुमार ने किया. उन्होंने अस्पताल प्रबंधनों से इसे लागू करने पर चर्चा की. साथ ही बताया कि दूसरे राज्यों के मुकाबले झारखंड में कम अस्पताल डिजिटल मिशन का इस्तेमाल कर रहे हैं. जो अस्पताल

डिजिटल मिशन के तहत काम कर रहे हैं, उन्हें डिजिटल हेल्थ इंसेंटिव स्कीम के तहत प्रोत्साहन राशि भी मिल रहा है. इसलिए दूसरे अस्पतालों को भी इसके तहत काम करने चाहिए.

डिजिटल मिशन के तहत सभी जिला अस्पतालों में स्कैन एंड शेयर की सुविधा शुरु की जा रही है. इसे सभी निजी अस्पतालों में भी शुरु किया जाना है. सभी निजी अस्पतालों में एबीडीएम लागू किया जायेगा और इसे प्रोत्साहन राशि से जोड़ा जायेगा. आज की बैठक में ऑर्किड हॉस्पिटल, गुरुनानक अस्पताल, लाइफ केयर, रिंची हॉस्पिटल, मेदांता सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, रानी हॉस्पिटल, जगन्नाथ हॉस्पिटल, मां रामप्यारी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल के प्रतिनिधि शामिल हुए. कार्यक्रम में एबीडीएम के संयुक्त निदेशक राजन कुमार, मोनिका राणा के अलावा उनकी टीम के सदस्य उपस्थित थे.

कलह अंतरकलह को चुनाव से पहले कर लिया जाएगा दूर : देवशरण भगत

लोहरदगा आजसू में टूट, चुनाव में कैसे होगा बेड़ा पार!

हुसैन अंसारी । रांची/ लोहरदगा

ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) लोहरदगा में बिखराव की तरफ तेजी से बढ़ रहा है. झारखंड आंदोलन में शामिल रहे पूर्व विधायक कमल किशोर भगत की मृत्यु के बाद से पार्टी के प्रत्याशी लगातार दो बार चुनाव हार चुकी हैं. आजसू ने दोनों बार कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत को प्रत्याशी बनाया था. मान-सम्मान की कमी और दो बार की हार के कारण कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटता चला गया. अब अंदरुनी कलह चरम पर है. यहां तक कि दिवंगत कमल किशोर भगत का भाई अनिल भगत ने भी पार्टी से नाता तोड़ करके झापिपा में ज्वाइन कर लिया है. आजसू के बहुत सारे कार्यकर्ता अनिल भगत के साथ पार्टी छोड़ चुके है. इनमे आजसू पार्टी के प्रधान सचिव विलियम कुजूर , जिला कार्यकारी अध्यक्ष राम नारायण प्रसाद, वरीय उपाध्यक्ष विपिन कुमार सिंह, वरीय उपाध्यक्ष प्रदीप ठाकुर, जिला कोषाध्यक्ष सह पेशरार प्रखंड प्रभारी संजू सिंह, जिला प्रवक्ता रामचंद्र गिरि, महिला नेत्री संगीता साहू, बिंदु देवी, किस्को प्रखंड सचिव मनोज उरांव समेत दर्जनों कार्यकर्ता आजसू पार्टी को छोड़कर झापीपु का दामन थाम लिया.

आजसू एनडीए का महत्वपूर्ण घटक है और उसने लोहरदगा सीट पर अपना दावा कर रखा है. हालांकि अभी तक कोई फैसला नहीं हो पाया है. यह अलग बात है कि एक दशक पहले तक आजसू के लिए सबसे सुरक्षित सीटों में एक माना जाने वाला लोहरदगा विधानसभा अब हाथ से निकलता हुआ नजर आ रहा है.

लोहरदगा में पार्टी की स्थिति पर हमने आजसू के केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत से बात की. उन्होंने कहा कि लोहरदगा में आजसू पार्टी मजबूत है और आगे भी रहेगा. राजनीति में लोगों का इधर-उधर, आना-जाना लगा रहता है, इससे थोड़ा बहुत नुकसान जरूर होता है. उन्होंने कहा कि लोहरदगा में आजसू पार्टी के भीतर जो भी अंदरुनी मामले चल रहे हैं, उसे दूर करने के लिए पार्टी नेतृत्व काम कर रहा है. डॉ भगत को उम्मीद है कि विधानसभा चुनाव से पहले सबकुछ ठीक कर लिया जाएगा. पार्टी के भातर अंतर्कलह को लेकर हमने पार्टी के केंद्रीय महासचिव नीरू शांति भगत से भी बात करने की कोशिश की, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी.

क्लासिफाइड

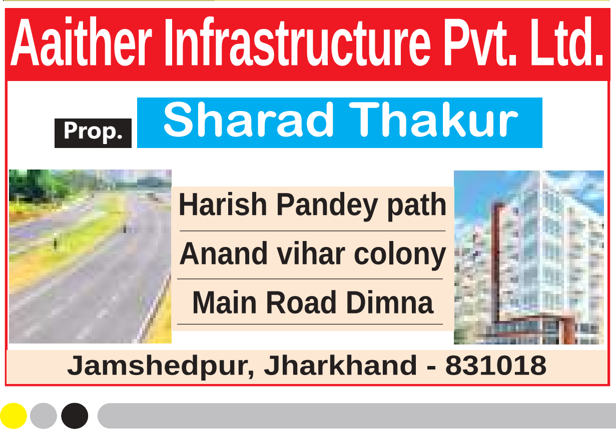

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 14 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 157 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चेन्नई में टीम इंडिया की तैयारी शुरू पेज 10

ब्रीफ खबरें

आलमगीर के ओएसडी को जमानत से इंकार

रांची। टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव लाल की जमानत याचिका पर शुक्रवार को रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने फैसला सुना दिया है. कोर्ट ने जमानत देने से इंकार करते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी है. बता दें कि संजीव लाल को ईडी ने पूछताछ के बाद 11 मई को गिरफ्तार किया था. संजीव लाल के निजी सहायक के ठिकाने से एजेंसी ने 35 करोड़ रुपये से ज्यादा नकद बरामद किए थे. इससे पहले बुधवार को दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत ने जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था.

बहाली में 14 अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ी

रांची। उत्पाद सिपाही भर्ती प्रक्रिया में शुक्रवार को 14 अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ गई. इनमें साहिबगंज जिले में छह और गिरिडीह जिले में आठ अभ्यर्थियों की तबीयत खराब हो गई. इन सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इनका इलाज चल रहा है. बता दें कि उत्पाद सिपाही भर्ती में अब तक 12 अभ्यर्थियों की मौत हो चुकी है. इसके बाद झारखंड सरकार ने भर्ती परीक्षा को कुछ दिनों के लिए स्थगित कर दिया था. हालांकि तैयारी का जायजा लेने के बाद पुनः उत्पाद सिपाही भर्ती शुरू की गई थी.

भंडरा में किशोरी ने फांसी लगा दी जान

भंडरा। जिले के भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत भौरो गांव के मलंग टोली में शुक्रवार की सुबह 16 वर्षीय नाबालिग लड़की ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली. घटना की सूचना पर भंडरा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मृत किशोरी के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेज दिया. पुलिस ने मृतका के परिजनों से भही पूछताछ की. लेकिन, परिजनों ने किशोरी द्वारा खुदकुशी करने के पीछे की कोई वजह नहीं बताई है. पुलिस मामले की जांच और अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई है.

किशोरी अपहरणकांड में आरोपी गिरफ्तार

किस्को/लोहरदगा। किस्को थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव से नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान थाना क्षेत्र की पाखर पठारी क्षेत्र पंचायत के सलैया काशीटांड़ निवासी विशाल नायक (19) के रूप में हुई है. मामले में किस्को थाना प्रभारी हर्षवर्धन कुमार सिंह ने बताया कि किशोरी के परिजनों ने किस्को थाना में आरोपी के खिलाफ अपहरण के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. पुलिस ने आरोपी विशाल नायक को गिरफ्तार कर न्यशयिक हिरासत में भेज दिया है.

बढ़ती महंगाई पर केंद्र सरकार का मरहम, बफर स्टॉक के प्याज को सस्ते दरों पर बेचने का निर्देश

रांची में आठ जगहों पर 35 रुपये प्रति किलो मिल रहा प्याज

शुभम किशोर।रांची

आम से लेकर खास लोगों की रसोई में आलू और प्याज बेहद जरूरी खाद्य पदार्थों में से एक है. अगर इनकी कीमत बढ़ती है, लोगों का बजट बिगड़ जाता है. वर्तमान में प्याज के भाव आसमान छू रहे हैं. ऐसे में केंद्र सरकार प्याज की कीमत को नियंत्रित रखने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है. केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बढ़ते हुए मूल्य

पर नियंत्रण के लिए बफर स्टॉक के प्याज को सस्ते दरों पर बेचने का निर्देश दिया है.

इस क्रम में रांची सहित आधा दर्जन बड़े शहरों में 35 रुपये प्रति किलो की दर पर प्याज की बिक्री शुरू की गई है. झारखंड की राजधानी रांची में नेफेड और एनसीसीएफ की तरफ से आठ स्थल चिह्नित किए गए हैं, जहां मोबाइल वैन लगाकर किफायती दरों पर प्याज की बिक्री शुरू की गई है. आमलोगों के लिए कांके रोड (स्पीकर निवास के पास), पिस्का मोड़, मोरहाबादी, चांदनी चौक (कांके), लालपुर चौक, बिरला मैदान, बहु बजार और बरियातू में मोबाइल वैन के माध्यम से 35 रुपये प्रति किलो की दर से प्याज की बिक्री की जा रही है.

- आधा दर्जन बड़े शहरों में सस्ती कीमत पर बिक रहा प्याज
- अन्य शहरों में भी सस्ती कीमत पर प्याज की बिक्री जल्द

निधि खरे, केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव.

देशभर में प्याज की कोई कमी नहीं है : निधि खरे

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि नेफेड और एनसीसीएफ के मोबाइल वैन के अलावे विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, सफल आउटलेट और केंद्रीय भंडार पर भी कम कीमत पर प्याज खरीदा जा सकता है. देश में प्याज की कोई कमी नहीं है. बफर स्टॉक के तहत 4.7 लाख टन प्याज की खरीद की गई थी. किसानों और व्यापारियों के पास भी पर्याप्त प्याज का भंडारण है. सरकार ने प्याज की कीमतों पर नजर रखने के लिए 550 केंद्रों पर निगरानी रखी है. निधि खरे ने बताया कि रांची के अलावे दिल्ली-एनसीआर में 50, मुंबई में 50, चेन्नई में 19, गुवाहटी में 11 और भुवनेश्वर में 10 जगहों पर मोबाइल वैन के माध्यम से किफायदी दर पर प्याज बेचे जा रहे हैं. अगले कुछ दिनों में देश के अन्य शहरों में भी सस्ती कीमत पर प्याज की बिक्री शुरू की जाएगी.

विस चुनाव: कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व का फोकस सीटिंग सीट को जीतने पर

18 सीटिंग सीट हर हाल में अपनी झोली में डालना चाहती है कांग्रेस

- 18 के बाद और सीटें जीतने पर भी बनाई जा रही है रणनीति
- कई विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को अपनों से ही ज्यादा खतरा

कौशन आनंद।रांची

नया प्रदेश अध्यक्ष मिलते ही कांग्रेस पार्टी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर रेस हो गई है. पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी 18 सीटिंग सीट को हर हाल में अपनी झोली में डालने की रणनीति बनायी है. ये सीट कैसे फिर से पार्टी के खाते में आए, इसपर गहन चिंतन-मनन चल रहा है. कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने भी प्रदेश नेतृत्व को साफ शब्दों में कह दिया है कि पार्टी का फोकस पहले सीटिंग सीट को जीतने पर हो. इसके बाद ही अन्य सीटों पर ध्यान दिया जाए. नए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी इसी दिशा में काम करना शुरू कर चुके हैं. इसको लेकर पार्टी के सांसदों, मंत्रियों और विधायकों समेत जिला कमेटियों को स्पष्ट दिशा निर्देश दिया गया है. सांसद, मंत्री और विधायक भी अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय हो गए हैं.

अभी कांग्रेस के खाते में हैं ये सीटें : कांग्रेस के पास फिलहाल पाकुड़, जामताड़ा, पोड़ैयाहाट, महागामा, जरमुंडी, बरही, बेरमो, झरिया, बड़कागांव, मांडू, मांडर, खिजरी, जमशेदपुर पश्चिमी, जगरनाथपुर, कोलेबिरा, सिमडेगा, मनिका और लोहरदगा विधानसभा सीट है. इसे सीटों पर पार्टी पुनः जीत हासिल करना चाहती है. वहीं एक सीट रामगढ़, जहां से कांग्रेस की ममता देवी विधायक थीं, मगर उनके जेल जाने के बाद हुए उपचुनाव में आजसू पार्टी ने इस सीट को अपने खाते में झटक लिया. कांग्रेस ने इस सीट को आगामी विधानसभा चुनाव में अपने खाते में करने के लिए पूरा जोर लगा दिया है.

केशव महतो कमलेश, प्रदेश अध्यक्ष.

लोहरदगा में अंदरुनी अंतर्कलह कहीं न कर दे खेला

कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण सीटिंग सीट लोहरदगा में चुनाव बहुत ही रोचक होने जा रहा है. इस सीट से कांग्रेस विधायक दल के नेता और हेमंत सरकार में मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव विधायक हैं. वहीं लोहरदगा लोकसभा सीट से कांग्रेस के ही सुखदेव भगत सांसद हैं. मगर, जिस तरह से हमेशा ही दोनों नेताओं और उनके समर्थकों के बीच अपासी अंतर्कलह चल रहा है, उससे इस सीट पर खेला होने की उम्मीद है. लोहरदगा विधानसभा सीट से सुखेदव भगत ने अपने पुत्र का नाम आगे किया है. वहीं, सीटिंग विधायक व मंत्री की दावेदारी लाजमी है. अब पार्टी किसे टिकट देती है, यह देखने वाली बात होगी. मगर कोई भी मैदान में उतरे, मुकाबला काफी रोचक होने की उम्मीद है. वैसे पीछले बार भाजपा और आजसू अलग-अगल चुनाव लड़े थे, जिसका सीधा फायदा गठबंधन के प्रत्याशी डॉ रामेश्वर उरांव को हुआ था. मगर इस बार भाजपा और आजसू मिल कर चुनाव लड़ेंगे. ऐसे में कांग्रेस के लिए इस सीट से जीत की राह आसान नहीं होगी.

जरमुंडी सीट को बचाना भी पार्टी के लिए कड़ी चुनौती से कम नहीं

जरमुंडी विधानसभा से कांग्रेस के सीटिंग विधायक और पूर्व कृषि मंत्री बादल पत्रलेख की सीटिंग सीट को बचाना पार्टी के लिए इस बार इतना आसान नहीं होगा. 2019 में एनडीए में बिखराव था और यूपीए एकजुट. मगर इस बार एनडीए भी एकजुट है. ऊपर से लोकसभा चुनाव में पत्रलेख का पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनाने में खराब प्रदर्शन भी टेंशन का बड़ा कारण है. इसके कारण ही बादल पत्रलेख को मंत्री पद गंवानी पड़ी. उस पर से यह चर्चा भी जोरों पर है कि इस बार वे भाजपा में जा सकते हैं. अगर ऐसा हुआ, तो नए चेहरे के साथ जरमुंडी सीट का बचाना कांग्रेस के लिए कड़ी चुनौती से कम नहीं होगी.

बड़कागांव विधानसभा की डगर भी इस बार आसान नहीं होगी

हजारीबाग लोकसभा में एक विधानसभा सीट बड़कागांव, कांग्रेस का सबसे सुरक्षित सीट मानी जाती है. पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के जेल जाने के बाद पार्टी ने उनकी पुत्री अंबा प्रसाद को मैदान में उतारा और वह जीत का परचम लहराने में कामयाब रहीं. मगर इसके पीछे 2019 के विस चुनाव में एनडीए का बिखराव भी कांग्रेस प्रत्याशी की जीत का बड़ा कारण था. इसबार इस सीट से पिता और पुत्री, दोनों ने अपनी-अपनी दोवदारी प्रस्तुत कर दी है. निश्चित ही कांग्रेस पार्टी किसी एक को ही चुनाव मैदान में उतारेगी, मगर उसे एनडीए से इस बार कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है.

लोस चुनाव में खिजरी से लीड, पर राह आसान नहीं

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस राजेश कच्छप के सहारे खिजरी सीट को भाजपा से छीनने में सफल हुई थी. इस बार के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को खिजरी से लीड मिली. यानी कि राजेश कच्छप की अपनी सीट पर पकड़ ढीक-ढाक है. इसका फायदा उन्हें मिलेगा. टिकट भी करीब-करीब पक्का माना जा रहा है. मगर इस बार उनके लिए अपनी सीट को बचाना इतना आसान भी नहीं होगा. 2019 में उन्हें महज 5469 वोटों के अंतर से जीत मिली थी. उसका कारण भी एनडीए का बिखराव और झाविमो के भी चुनाव मैदान में होना रहा था.

सिमडेगा विस सीट काफी कम वोटों के अंतर से जीती थी कांग्रेस पार्टी

सिमडेगा सीट की बात करें, तो इस सीट पर भी कांग्रेस प्रत्याशी भूषण बाड़ा केवल 285 वोटों से ही जीते थे. यहां भी वही कहानी दुहराई गई थी. एनडीए में बिखराव और झाविमो के चुनाव मैदान में होने के फायदा कांग्रेस को मिला. मगर काफी कम अंतर से बाड़ा ने जीत दर्ज की थी. वहीं, इस बार की कहानी बदली-बदली नजर आ रही है.

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की लोहरदगा में 26 को जनसभा

लोहरदगा में पार्टी कार्यालय में बैठक करते भाजपा के पदाधिकारी.

संवाददाता।लोहरदगा

- परिवर्तन संकल्प रथ को रवाना करेंगे योगी आदित्यनाथ
- तैयारी में जुटे भाजपाई व्यवस्था प्रमुखों का चयन

लोहरदगा विधानसभा में आगामी 26 सितंबर को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम प्रस्तावित है. यहां योगी विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और परिवर्तन संकल्प रथ को रवाना करेंगे. कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी शामिल होंगे. यूपी के सीएम के कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को भाजपा जिला अध्यक्ष मनीर उरांव की अध्यक्षता में पार्टी पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सदस्यों की जिला कार्यालय में बैठक हुई.

बैठक में मुख्य रूप से दक्षिणी प्रमंडल प्रभारी सह प्रदेश भाजपा मंत्री गणेश मिश्र शामिल थे. इस दौरान योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम की तैयारी पर चर्चा की गई. इस क्रम में व्यवस्था प्रमुखों का चयन किया गया. साथ ही साथ परिवर्तन संकल्प रथ का स्वागत सेन्हा, राणा चौक, गुदरी बाजार, पावरगंज चौक और साइडिंग में करने का निर्णय लिया गया. गणेश मिश्रा ने कहा कि झारखंड की गठबंधन सरकार के प्रति जनता में आक्रोश है. दोबारा यह सरकार सत्ता में नहीं आने वाली नहीं है. बता दें कि भाजपा दक्षिणी प्रमंडल में 22 सितंबर से परिवर्तन संकल्प यात्रा निकाली जाएगी, जो 30 सितंबर तक 986 किलोमीटर की यात्रा तय करेगी. इस दौरान लोगों के बीच सत्ता परिवर्तन को लेकर जनजागरूकता फैलाया जाएगा.

पीएम के दौरे को लेकर तैयारी अंतिम चरण में

जमशेदपुर। पीएम नरेंद्र मोदी के जमशेदपुर आगमन को लेकर पुलिस-प्रशासन तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है. सारी तैयारी एसपीजी की निगरानी में चल रही है. जानकारी के अनुसार पीएम के सोनारी एयरपोर्ट पहुंचने के बाद एवं उनके यहां से लौटने तक पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को पूरी तत्परता के साथ अपने काम पर डटे रहने के लिए कहा गया है. दूसरी ओर देर शाम तक उपायुक्त, एसएसपी एवं अन्य अधिकारी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की तैनाती को लेकर मंथन करते रहे.

कोयल नदी से अज्ञात महिला का शव बरामद

सेन्हा/लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत चितरी घाघ मेला स्थल के समीप दक्षिणी कोयल नदी से अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है. गांव के लोगों ने नहाने के क्रम में शव को चट्टान में फंसा देखा. सूचना मिलने पर सेन्हा थाना प्रभारी अजीत कुमार दल-बल के मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकलवाने के बाद आगे की कार्रवाई में जुट गए. शव को देखने से यह प्रतीत होता है कि महिला की मौत दो-चार दिन पूर्व हुई होगी. आशंका जताई जा रही है कि कहीं से बह कर शव आया होगा.

डीवीसी कोडरमा में लगाएगी 1600 मेगवाट का नया पावर प्लांट

विशेष संवाददाता।रांची

- डीवीसी का अल्ट्रा क्रिटिकल सुपर थर्मल पावर प्लांट होगा
- 2027 तक प्लांट की दोनों यूनिट को पूरा करने का लक्ष्य

सेंट्रल पावर सेक्टर की कंपनी दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) अपनी पावर उत्पादन क्षमता को बढ़ाने जा रही है. डीवीसी, कोडरमा में दूसरे चरण के तहत 1600 मेगावाट का पावर प्लांट लगाएगी. पूर्व से यहां 500-500 मेगावाट की दो यूनिट है. दूसरे चरण में यहां 800-800 मेगावाट का दो यूनिट बनाया जाना है. दोनों यूनिट का निर्माण वर्ष 2027 तक पूरा करना है. इसके शुरू होने से डीवीसी के कोडरमा प्लांट की कुल क्षमता 2600 मेगावाट की हो जाएगी.

एसबीआई ने 10,050 करोड़ का लोन मंजूर किया : कोडरमा प्लांट के लिए एसबीआई ने 10,050 करोड़ रुपये के लोन की स्वीकृति दी है. इस प्लांट को कुल 14 हजार करोड़ की लागत से बनाना है. यह अल्ट्रा क्रिटिकल सुपर थर्मल प्लांट पावर प्लांट होगा. बताया गया कि इस प्लांट से झारखंड जितनी बिजली लेना चाहेगा, उतनी दी जाएगी. इसके लिए पहले से ही पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) करना होगा. नई दिल्ली में कोडरमा प्लांट के लिए डीवीसी और एसबीआई के अधिकारियों के बीच हस्ताक्षर किए गए.

जमशेदपुर को इंडस्ट्रियल टाउन बनाये जाने के निर्णय को चुनौती

विधि संवाददाता।रांची

झारखंड सरकार द्वारा पूरे जमशेदपुर को इंडस्ट्रियल टाउन बनाए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने बताया कि इसी तरह के एक मामले में जवाहरलाल शर्मा द्वारा जमशेदपुर को नगर निगम बनाने और इंडस्ट्रियल टाउन नहीं बनने को लेकर वर्ष 2018 में ही सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दाखिल की गई है. मामला शीर्ष अदालत में लंबित है.

एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की खंडपीठ को महाधिवक्ता ने बताया कि इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर सहमति भी जताई है कि राज्य सरकार चाहे तो जमशेदपुर को इंडस्ट्रियल टाउन बनाया जा सकता है. राज्य सरकार का पक्ष सुनने के बाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में जवाहरलाल शर्मा बनाम झारखंड सरकार की रिट याचिका निष्पादित होने के बाद निर्धारित की है. बता दें कि झारखंड हाईकोर्ट में इस मामले को लेकर सौरभ विष्णु की ओर से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता रोहित सिन्हा ने पैरवी की.

जमशेदपुर टाउन (फाइल फोटो).

- झारखंड हाईकोर्ट ने फिलहाल सरकार के निर्णय पर रोक लगाने से इंकार किया
- सुप्रीम कोर्ट में भी चल रहा एक मामला निष्पादन के बाद अगली सुनवाई करेगा हाईकोर्ट

बृहद शहरी इलाके को नगर निगम बनाने का आग्रह : झारखंड हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में झारखंड सरकार द्वारा 23 दिसंबर 2023 के नोटिफिकेशन के तहत पूरे जमशेदपुर की 15460 एकड़ जमीन को मिला कर इंडस्ट्रियल टाउन बनाये जाने के निर्णय को चुनौती दी गई है. इसमें टाटा स्टील की फैक्ट्री और उसकी कॉलोनी के साथ-साथ जमशेदपुर नोटिफाइड एरिया कमेटी भी शामिल है. प्रार्थी ने झारखंड सरकार के इस नोटिफिकेशन को रद्द करने का आग्रह किया है. साथ ही साथ जमशेदपुर के बृहद शहरी इलाके में संविधान के अनुच्छेद 243 के तहत नगर निगम बनाने का निर्देश जारी करने का का आग्रह किया है. प्रार्थी सौरभ विष्णु का कहना है कि जमशेदपुर के इंडस्ट्रियल टाउन बनने से वहां की देखरेख की जिम्मेदारी जमशेदपुर डीसी की अध्यक्षता में टाटा स्टील के पास है. इससे इंडस्ट्रियल टाउन पूरी तरह टाटा स्टील के हाथों में चली गई है. पूरे जमशेदपुर को इंडस्ट्रियल टाउन बनाने से म्युनिसिपल कमिश्नर की पोस्टिंग और मेयर के चुनाव से जनता वंचित हो जाएगी.

गोलबंदी बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ 16 को पाकुड़ में होगी आदिवासी ग्राम प्रधानों की बैठक

रेत में सिर गाड़ लेने से सच्चाई नहीं बदल जाती : चंपाई

विशेष संवाददाता।रांची

झारखंड के संथालपरगना प्रमंडल में बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा गरमा गया है. पाकुड़ जिले के कुछ गांवों में हाल में आदिवासियों और हिंदुओं पर हमले की घटनाओं के बाद लोगों में आक्रोश हैं. आदिवासी समाज के लोग अब घुसपैठ के खिलाफ आंदोलन के लिए गोलबंद हो रहे हैं. आदिवासी समाज ने इस मुद्दे पर 16 सितंबर को पाकुड़ जिले के हिरणपुर में पारंपरिक आदिवासी स्वशासन व्यवस्था के तहत ग्राम प्रधानों का महासम्मेलन बुलाया है. 'मांझी परगना महासम्मेलन' के नाम से होने वाले इस आयोजन में झारखंड के पूर्व सीएम और भाजपा नेता चंपाई सोरेन खास तौर पर शिरकत करेंगे.

- मांझी परगना महासम्मेलन में शामिल होंगे चंपाई सोरेन
- ग्राम प्रधान के अलावा कई आदिवासी अगुवा हिस्सा लेंगे

पाकुड़ में अल्पसंख्यक हो चुका है आदिवासी समाज : चंपाई ने कहा है कि इस महासम्मेलन में समाज के पारंपरिक ग्राम प्रधानों एवं अन्य मार्गदर्शकों के साथ बैठ कर हम लोग घुसपैठ और अपनी ही जमीन से बेदखल होते आदिवासियों की समस्या का कारण समझने तथा समाधान तलाशने पर मंथन करेंगे. इसी दिन बाबा तिलका मांझी और वीर सिदो कान्हू के संघर्ष से प्रेरणा लेकर आदिवासी समाज अपने अस्तित्व और माताओं, बहनों व बेटियों की अस्मत बचाने के लिए सामाजिक जन आंदोलन शुरू करेगा. चंपाई ने कहा कि पाकुड़ ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ विद्रोह करने वाले वीर शहीदों की धरती है. आज उसी पाकुड़ में हमारा आदिवासी समाज अल्पसंख्यक हो चुका है. अब इसी धरती से पूरे संथालपरगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ संघर्ष का ऐलान होगा.

वोट बैंक के आंकड़े छिपा रहे हैं कुछ राजनीतिक दल

भाजपा में शामिल होने के बाद से ही बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर चंपाई सोरेन सख्त तेवर अपनाए हुए हैं. बांग्लादेशी घुसपैठ को गंभीर समस्या बताते हुए उन्होंने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक लंबा पोस्ट किया. उन्होंने नाम लिये बिना पूर्व सीएम पर निशाना साधा. कहा, वोट बैंक के लिए कुछ राजनीतिक दल भले ही आंकड़े छिपाने का प्रयास करें, लेकिन शुतुरमुर्ग की तरह रेत में सिर गाड़ लेने से सच्चाई नहीं बदल जाती. वोटर लिस्ट पर नजर डालने से ही यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारी माटी, हमारी जन्मभूमि से हमें ही बेदखल करने में बांग्लादेशी घुसपैठिए काफी हद तक सफल हो गए हैं.

संथाली टोला में आदिम जनजाति का अस्तित्व खत्म

पाकुड़ के जिकरहट्टी स्थित संथाली टोला और मालपहाड़िया गांव का उदाहरण देते हुए चंपाई ने कहा कि यहां अब आदिम जनजाति का कोई सदस्य नहीं बचा है. आखिर वहां के भूमिपुत्र कहां गए? उनकी जमीनों, उनके घरों पर अब किसका कब्जा है? इसके साथ-साथ वहां के दर्जनों अन्य गांवों-टोलों को जमाई टोला में कौन बदल रहा है? अगर वे स्थानीय हैं, तो फिर उनका अपना घर कहां है? वे लोग जमाई टोलों में क्यों रहते हैं? किस के संरक्षण में यह गोरखधंधा चल रहा है? चंपई सोरेन ने पाकुड़ या आसपास के लोगों से इस बदलाव का हिस्सा बनने की अपील की है.

ब्रीफ खबरें

सरकारी योजनाओं का लाभ लें ग्रामीण

लातेहार। जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निर्देश पर स्थानीय स्वर संगम म्यूजिकल ग्रुप, लातेहार के द्वारा सदर प्रखंड के हेठपोचारा पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का प्रचार प्रसार किया गया और योजनाओं की जानकारी दी गयी. बता दें कि इस पंचायत में 14 सितंबर को आपकी योजना, आपकी सरकार व आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा. मौके पर मुखिया रामजी सिंह ने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील ग्रामीणों से की. उन्होंने कहा कि इस शिविर में प्रखंड के अधिकारी भाग लेंगे.

कुश्ती के खिलाड़ियों ने लातेहार का मान बढ़ाया

लातेहार। 14 वीं राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता 2024 में नवोदय विद्यालय समिति पटना संभाग के 24 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था. इसमें एक स्वर्ण, दो रजत और 10 कांस्य कुल 13 पदक प्राप्त किया. पटना संभाग के जवाहर नवोदय विद्यालय लातेहार के खिलाड़ी कुमार सूर्यकृत ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया. शौर्य प्रकाश ने रजत पदक प्राप्त किया तथा बसंत कुमार, अमरेश उरांव, आयुष्मान एवं कृष्णा कुमार ने कांस्य पदक प्राप्त किया. संभाग स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता जवाहर नवोदय विद्यालय लातेहार में आयोजित किया गया था.

हथियों के उत्पात से हलकान रहा बालूमाथ

बालूमाथ (लातेहार)। जंगली हाथियों के उत्पात का सिलसिला जारी है. लगातार बालूमाथ के रिहायशी इलाकों में जंगली हाथियों का आने का विचरण हो रहा है. गुरुवार की रात एक बार फिर जंगली हाथियों ने बालूमाथ के टमटमटोला के निकट स्थित फैक्ट्री में घुसकर जमकर उत्पात मचाया. हाथियों ने इस दौरान फैक्ट्री की बाउंड्री को तोड़ दिया. फैक्ट्री परिसर में खड़ी वातानुकूलित बस को भी भारी नुकसान पहुंचाया. इसके अलावे एक पानी के टैंकर और ट्रैक्टर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया. हाथियों ने फैक्ट्री के बाहर ग्रामीणों के लगभग दो एकड़ भूमि में लगी मकई की फसल को भी काफी नुकसान पहुंचाया है.

पंचायत सचिवों की हड़ताल खत्म

मेदिनीनगर। राज्य सरकार से गरुवार की शाम हुई वार्ता के बाद पंचायत सचिवों की चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त हो गयी है. सभी पंचायत सचिव अपने-अपने कार्यालयों में योगदान कर काम पर लौट गए हैं. समझौता वार्ता के उपरांत सरकार की ओर से पंचायती राज विभाग के उपनिदेशक डॉ. शिशिर कुमार सिंह द्वारा पत्र जारी करते हुए मांगों के संदर्भ में कहा गया है कि पूरी करने की आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गयी है. पलामू जिला पंचायत सचिव संघ के मुख्य संरक्षक सह सेवानिवृत पंचायत सचिव मनु प्रसाद तिवारी ने बताया कि सरकार से हुई समझौता वार्ता की रविवार को समीक्षा की जायेगी.

बीड़ी पत्ता के 49 बोरे के साथ आरोपी गिरफ्तार

मेदिनीनगर। सदर थाना पुलिस ने चोरी के 49 बोरा बीड़ी पत्ता के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी देवघर जिला के मधुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत लालगढ़ गांव निवासी असरफ हुसैन(40) पिता मकबुल शेख है. पुलिस ने 49 बोड़ा बीड़ी पत्ता व कांड में उपयोग में किया गया एक मोबाईल भी बरामद किया है. इस संबंध में सदर थाना प्रभारी ने बताया कि कांड के वादी दो नंबर टाउन ओल्ड इनकम टैक्स रोड निवासी अमन जमाल पिता मो. जमालुद्दीन के लिखित आवेदन के आधार पर अज्ञात चोर के विरूद्ध 10 सितंबर को कांड सं0-81/2024 दर्ज किया गया था.

10 सितंबर को त्वरित न्याय दिलाने के लिए लगाए गए शिविर का उपहास उड़ रहा है

रैयतों को बिना मुआवजा दिए एनएचएआई ने शुरू किया काम

कुमार राज । सतबरवा (पलामू)

कार्य स्थल व बैठक करते रैयत.

बिना रैयतों का मुआवजा दिये भारत वाणिज्यिक प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा बा जबरदस्ती एन एच सड़क निर्माण के लिए काम लगा दिया गया है. इसके विरोध में 50 रैयतों ने बैठक कर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है. रैयतों ने कहा वाकई आज 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है.

सीओ, एसपी, डीसी के पास फरियाद का कोई असर नहीं हुआ. इंटक के झारखंड प्रदेश महासचिव सह रैयत विवेका त्रिपाठी ने कहा कि लहलहे से शंखा तक फोर लेन सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है. हम सभी रैयतों ने जमीन का कागजात सीओ से लेकर एसपी, डीसी व सड़क निर्माता भारत वाणिज्यिक प्राइवेट लिमिटेड को सौंप दी गई है, बावजूद बिना पेमेंट किये काम लगा दिया गया. सवालिया लहजे में त्रिपाठी ने कहा कि पूरी ईमानदारी ,नियम, कानून का पालन करते हुए हम सभी रैयतों ने अपने सभी कागजात के साथ उच्च अधिकारियों को अपनी बात से अवगत कराया है. अब अगर बिना रैयतों को मुआवजा दिये काम कराया गया ,तोउग्र आंदोलन करने के शिवा कोई रास्ता शेष नहीं रह गया है. हम कहां जाएं, क्या करें, आखिर प्रशासन इतना निर्दई क्यों हो गया है ? झारखंड सरकार ने 10 सितंबर को झारखंड वासियों को तत्काल न्याय दिलाने के लिए जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, उस कार्यक्रम में भी बिना रैयतों को मुआवजा दिये एन एच ए आई द्वारा जबरन काम लगाने संबंधित शिकायत कर, मुआवजा के बाद ही काम लगाने का आवेदन दिया था,जिसका कोई फलाफल नहीं निकला, काम लगातार जारी है. उमेशचंद्र झा ने कहा कि अभी मेरे जमीन में मेरे सामने ही निर्माण कार्य चल रहा. सभी कागजात हैं,पर बिना मुआवजा भुगतान किए काम लगा दिया गया है, कोई फरियाद सुनने वाला नहीं है. आंखों में आंसू,दिल में गुस्सा, प्रशासन के प्रति नफ़रत के सिवा कुछ नहीं है. बस थोड़ा इंतजार कर ले रहें हैं,इसके बाद हम उग्र आंदोलन करने को लेकर बाध्य होंगे. महिमा तिवारी, संतोष पाण्डेय,अनुप तिवारी, रविंद्र नाथ उर्फ गांधी जी ने कहा कि काम नहीं रुका, मुआवजा नहीं मिला, तो अंतिम हथियार उग्र आंदोलन ही होगा,जिसकी सारी जवाब देही जिला प्रशासन व सरकार की होगी. बैठक में सभी रैयत मौजूद थे. इस विषय पर भारत वणिज्यिक प्राइवेट लिमिटेड के सुपरवाइजर सुंदरेश्वर शर्मा ने कहा कि उपर के आदेशानुसार हम काम कराते हैं. बाकी मैं कुछ नहीं जानता.

समाहरणालय के सभागार में कार्यशाला का हुआ आयोजन

17 से 2 अक्टूबर तक चलेगा कचरा मुक्त भारत अभियान

संवाददाता । मेदिनीनगर

कार्यशाला में शामिल डीसी व अन्य पदाधिकारी.

खास बातें

- स्वच्छता कर्मियों के लिए लगेगा हेल्थ चेकअप शिविर
- दीवाल लेखन व चित्रण, स्वच्छता चौपाल का आयोजन

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की ओर से शुक्रवार को उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला में स्वच्छता के प्रति शपथ दिलाकर उपायुक्त ने जिले में "स्वछता ही सेवा,कचरा मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की. अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जिले के सभी प्रखंडों में चलेगा.

अभियान के दौरान ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम, गांव एवं सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई,स्वच्छता कर्मियों के लिए हेल्थ चेकअप शिविर,दीवाल लेखन एवं चित्रण,स्वच्छता चौपाल आदि गतिविधियों का संचालन किया जायेगा. इसके साथ ही समुदाय को अपने गांव को ओडीएफ प्लस मॉडल बनाने के लिए जन भागीदारी, अपशिष्ट प्रबंधन के उपायों को अपनाने एवं उपयोगिता शुल्क संग्रहण के प्रति विशेष रूप से उत्प्रेरित किया जाएगा. इस वर्ष स्वभाव स्वच्छ्ता,संस्कार स्वच्छ्ता को थीम बनाया गया है. इसके तहत सभी सार्वजनिक स्थलों, स्कूलों, विभिन्न कार्यालय में अलग-अलग तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे. इस अभियान में सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति पर विशेष रूप से जोर दिया जाएगा. स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत गांव में कूड़ा-कचरा को हटाने, प्लास्टिक अपशिष्ट को साफ करने, नालियों की साफ-सफाई,नदी पोखर, पईन एवं अन्य जलस्रोतों को स्वच्छ बनाने हेतु सफाई अभियान का संचालन किया जाएगा. जहां ज्यादा आवागमन वाले स्थलों यथा-बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन,सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों,हाट-बाजारों पर भी साफ-सफाई अभियान का संचालन किया जाएगा. इस अवसर पर उपायुक्त श्री रंजन ने सभी विभागों को आपस में समन्वय स्थापित कर इस अभियान को सफल बनाने की बात कही.मौके पर मेदिनीनगर नगर आयुक्त जावेद हुसैन, डीडीसी शब्बीर अहमद, डीएसओ प्रीति किस्कु,सिविल सर्जन डॉ अनिल,एनडीसी,पेयजल विभाग के विभिन्न सहायक अभियंता, स्वच्छ भारत मिशन के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर धर्मेंद्र दुबे व मनोज राम समेत अन्य उपस्थित रहे.

नपं कर्मियों की हड़ताल खत्म , सफाई कार्य में तेजी

हुसैनाबाद(पलामू)। नगर पंचायत कर्मियों की हड़ताल खत्म होने के बाद शहर की सफाई शुरू हो गई है. 20 दिनो चली हड़ताल से शहर के सभी चौक चौराहों सड़कों में गंदगी का अंबार लग गया है. हड़ताल से लौटे नगर पंचायत कर्मी लगातार शहर की साफ सफाई में जुट गए है. संघ के अध्यक्ष ओमेंद्र ठाकुर ने बताया कि सरकार के आश्वाशन के बाद कर्मियों ने हड़ताल समाप्त कर दिया है. उम्मीद है सरकार उनकी मांगों को पूरा करेगी. उन्होंने कहा कि हड़ताल के दौरान आम लोगों को परेशानी होने के बाद भी कर्मियों का सपोर्ट किया इसके लिए संघ के सभी पदाधिकारी व सदस्य उनका आभार जताते हैं. उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के अंदर हुसैनाबाद शहर को चकाचक कर दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी शहर की साफ सफाई में युद्धस्तर पर जुटे हैं. इस संबंध में हुसैनाबाद कार्यपालक पदाधिकारी तरनीश कुमार हंश ने बताया कि सभी हड़ताल पर गए कर्मी अपने अपने कार्य पर लौट गए हैं. उन्होंने कहा कि पुनः सभी कार्य सुचारू रूप से प्रारंभ कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि शहर में लगे जगह जगह गंदगी का अंबार को साफ करने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है. उन्होंने कहा कि सभी कार्य पूर्व की तरह प्रारंभ है. सफाई कर्मियों के सहयोग से शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी.

दुष्कर्म के आरोपी को 40 वर्ष की कठोर सजा

लातेहार। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय (पोक्सो एक्ट) की अदालत ने दुष्कर्म करने के आरोपी को दो अलग अलग धाराओं में कुल 40 साल की कठोर सजा सुनाई है. स्पेशल लोक अभियोजक अशोक कुमार दास ने बताया कि अदालत ने स्पेशल पॉक्सो 05/23 की सुनवाई के दौरान आरोपी तुलसी सिंह (पिता जमुना सिंह, गारी टोला बगाई, थाना छिपादोहर, लातेहार) को दुष्कर्म करने का दोषी पाया और उक्त सजा सुनाया है. श्री दास के अनुसार पीड़िता ट्यूशन पढ़ कर अपनी सहली के साथ आ रही थी और छिपादोहर ब्रिज के पास खड़ी हो कर टेंपो का इंतजार कर रही थी. इस दौरान अभियुक्त तुलसी सिंह वहां आया और पीड़िता को जबरदस्ती अपनी बाइक में बैठा कर झाड़ियों मे ले जा कर उसके साथ दुष्कर्म किया. इस संबंध में छिपादोहर थाना में कांड संख्या 35/22 दिनांक 14/10/22 दर्ज किया गया था. इस मामले मे अभियोजन पक्ष की ओर से कुल नौ गवाहों को प्रस्तुत किया गया था. श्री दास ने बताया कि न्यायालय के द्वारा अभियुक्त को 376(3) भादवि के तहत बीस वर्ष कठोर सजा और पांच लाख रूपया जुर्माना की सजा सुनाया है.

आज का शिविर स्थगित

लातेहार। नगर पंचायत, लातेहार के वार्ड संख्या 12,13 और 14 के लिए अमावाटीकर स्कूल में 14 सितंबर को लगने वाली आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों से रद्द किया गया है. इस आशय की जानकारी नगर प्रबंधक राज कुमार वर्मा ने दी. उन्होंने बताया की उक्त कार्यक्रम अब 23 सितंबर को आयोजित किया जाएगा.

जोगा पंचायत में लगा शिविर आवेदन देने के लिए उमड़ी भीड़

शिविर में आवेदन देने के लिए जुटी भीड़.

उंटारी रोड।(पलामू)

प्रखंड के जोगा पंचायत के उच्च विद्यालय के प्रांगण में शुक्रवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर लगा. कार्यक्रम की शुरूआत पोषण अभियान के जिला कॉर्डिनेटर जिशान अंसारी, बीडीओ सह सीओ आशा साहु,मुखिया कमला देवी व अन्य कर्मी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. शिविर में सबसे ज्यादा अबुआ आवास योजना से संबंधित आवेदन जमा किए गए. मुखिया श्री मति देवी ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार में प्राप्त किए गए आवेदन का निष्पादन ससमय हो व ज्यादा से ज्यादा लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिले इसके लिए वे प्रयासरत है. शिविर में उपमुखिया रूपेश सिंह, पंसस प्रतिनिधि काशीनाथ चौधरी, आवास कॉर्डिनेटर बिमलेश कुमार, राजस्व कर्मचारी खिरोधर रविदास सहित प्रखंड सह अंचल कर्मी मुख्य रूप से उपस्थित थे.शिविर का आयोजन उच्च विद्यालय जोगा के प्रांगण में किया गया था.

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर औरंगाबाद सर्किट हाउस में हुई उच्च स्तरीय समन्वय बैठक

संवाददाता । हुसैनाबाद (पलामू)

बैठक में मौजूद अधिकारी.

झारखंड में होने वाली आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर औरंगाबाद सर्किट हाउस में उच्च स्तरीय अंतरराज्जीय अधिकारियों की बैठक हुई. जिसमें औरंगाबाद डीएम श्रीकांत शास्त्री, पुलिस अधीक्षक स्वप्नाजी मेश्राम, पलामू के डीसी शशि रंजन व एसपी रिष्मा रमेशन हुसैनाबाद एसडीपीओ

मुकेश कुमार महतो समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए. बैठक में सभी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए दोनों सीमावर्ती राज्यों की पुलिस के बीच समन्वय स्थापित करने पर व्यापक विचार विमर्श हुआ. बैठक में अपराधियों की अंतरराज्यीय कनेक्शन और स्टेट बॉर्डर से आवाजाही की गतिविधियों को रोकने के लिए कई नाका चेकपोस्ट को सक्रिय करने पर बल दिया गया. दोनों राज्यों की सीमा पर स्थित पुलिस अपराधियों के बारे में सूचनाओं के आदान-प्रदान में पर्याप्त दक्षता के साथ काम करेगी. दोनों राज्यों की सीमा पर कई चौकियां हैं. कुटुंबा में अंबा व कुटुंबा थाना नबीनगर प्रखंड में नबीनगर व टंडवा थाना बॉर्डर से जुड़े हुए हैं. दोनों राज्यों के बॉर्डर पर कई स्थाई तथा अस्थाई चेक पोस्ट भी बनाए गए है. साथ ही चेक पोस्ट पर भी सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया गया है.यह भी कहा कि किसी भी हाल में किसी प्रकार का गैर कानूनी सामान ना उधर से आना चाहिए ना इधर से जाना चाहिए. बैठक में एसपी स्वप्ना जी मेश्राम ने कहा कि दोनों राज्यों की पुलिस अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने को लेकर आपसी संबंध में बनाकर कार्य करेंगे. अपराधियों के बॉर्डर क्रॉस करते ही एक दूसरे के साथ सूचना का आदान-प्रदान करेंगे. इस मौके पर औरंगाबाद एसडीपीओ संजय कुमार पांडेय, हुसैनाबाद एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो, नबीनगर सर्किल इंस्पेक्टर विमल कुमार,पुलिस निरीक्षक द्वारिका राम,अंबा थानाध्यक्ष राहुल राज, कुटुंबा थाना अध्यक्ष अक्षयवर सिंह, हुसैनाबाद थानाध्यक्ष संजय कुमार यादव, पिपरा थानाध्यक्ष, छतरपुर थानाध्यक्ष व हरिहरगंज थानाध्यक्ष समेत पलामू व औरंगाबाद जिले के कई पुलिस पदाधिकारी शामिल रहे.

न्यूज अपडेट

सभी को साथ लेकर करेंगे पांकी का विकासः विनोद

पांकी(पलामू)। पांकी विधानसभा क्षेत्र में बगैर किसी भेदभाव के सभी जाति व धर्म के लोगों को उचित मान सम्मान देकर उनकी समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा. जन जन तक विकास की रौशनी पहुंचाना पहली प्राथमिकता होगी . उक्त बातें पांकी विधानसभा क्षेत्र भावी प्रत्याशी बिनोद सिन्हा ने पांकी में चुनावी जनसंपर्क अभियान में कहीं. उन्होंने कहा कि झारखंड का सबसे चर्चित विधानसभा क्षेत्र आज भी विकास के मामले में काफी दूर है. इस क्षेत्र से एक परिवार का लंबे समय तक राजनीति में सत्ता का प्रभाव रहा है उसके बावजूद भी क्षेत्र का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया. अगर जनता का आशिर्वाद मिला तो पांकी विधानसभा क्षेत्र को विकास के मामले आगे रहेगा . मौके पर शैलेन्द्र कुमार ,बबलू भुइंया, अरुण कुमार, रोहित कुमार, दिलीप, विजय पासवान सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

लोगों का जुड़ाव आजाद समाज पार्टी से हो रहा है

पांकी(पलामू)। पांकी विधानसभा क्षेत्र में अत्याचार जुल्म के खिलाफ जनता आजाद समाज पार्टी से लगातार जुड़ रहे हैं. समाज में अमन शांति का माहौल बने इस दिशा में विकास और जन विश्वास की रक्षा के लिए पूरी सक्रियता के साथ लोगों से जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है. उक्त बातें पांकी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सह आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मुमताज खान ने अम्बाबार गांव में आयोजित पंचायत कार्यकर्ता सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान विधायक नफरत की राजनीति कर रहे हैं . वहीं इस क्षेत्र के पूर्व विधायक अपने ठेकेदारी प्रथा को कायम करने के लिए भोले भाले जनता को दिग्भ्रमित करने में लगे हुए हैं.

बिश्रामपुर को केवल लूटा गया : रामाशीष यादव

बिश्रामपुर(पलामू) । बिश्रामपुर की जनता ने यहां के जनप्रतिनिधियों को अपना पूरा समर्थन दिया. भारी मतों से उनकी जीत सुनिश्चित की. इस आस में कि अब यहाँ का विकास होगा. बच्चों के लिए शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी, स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति बेहतर होगी, पलायन थमेगा, क्षेत्र में खुशहाली आएगी. परंतु ये सभी सपने धरे के धरे रह गए. यहां की जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया गया. उनके साथ विश्वासघात किया गया. उक्त बातें जनसम्पर्क के दौरान भाजपा युवा नेता रामाशीष यादव ने कही. उन्होंने आगे कहा कि यहां का विकास करने के बजाय सक्षम अधिकारियों ने उलटा लूटने का काम किया है. भ्रष्टाचार इस कदर हावी है कि बिना पैसा लगाए सरकारी कार्यालयों में किसी की फाइल आगे नहीं बढ़ती.

स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक, अमृत ने दिखायी ताकत

विश्रामपुर(पलामू)। मेदिनीनगर के बैरिया स्तिथ चंद्रा रेसिडेंसी में कांग्रेस पाटी की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई. जहां पलामू जिला के विभिन्न विधान सभा में प्रत्याशी के नामों का मंथन किया गया. बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोडंकर , सदस्य प्रकाश जोशी व पूनम पासवान थे. इसी क्रम मे विश्रामपूर विधानसभा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अमृत शुक्ला ने आगंतुक पर्यवेक्षक से मुलाकात कर आनेवाले चुनाव मे रणनीति पर चर्चा किया.अमृत शुक्ला और उनके साथ भारी संख्या में आए लोगों ने पार्टी पदाधिकारियों को आश्वस्त कराया की पार्टी टिकट देती है तो विश्रामपुर विधानसभा को जीत कर वे प्रदेश में कांग्रेस के हाथ को मजबूत करेंगे .

राजेश सिंह अध्यक्ष और बबन मांझी महामंत्री बने

लातेहार। मानस भवन, लातेहार में भारतीय किसान संघ का जिला सम्मेलन का आयोजन किया गया. बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष जयकुमार सिंह ने कहा कि किसान देश हित के लिए लगातार मेहनत करते है, लेकिन उन्हे उनका हक नही मिल पा रहा है. उन्होंने कहा कि किसानो को उनका हक दिलाने के लिए संघ लगातार प्रयास कर रही है. किसानों को उनकी समस्या से निजात तभी मिल सकता है जब किसान संगठित होंगे. उन्होने कहा कि राज्य के सभी जिलों में संगठन को सशक्त बनाना होगा. सम्मेलन मे निर्वाचन पदाधिकारी मनधीरण महतो ने जिला के नये पदाधिकारी की घोषणा की. राजेश कुमार सिंह को जिला अध्यक्ष बनाया गया. बबन मांझी को जिला महामंत्री, मनीष कुमार पांडे को कोषाध्यक्ष, सुरजमनी देवी को महिला प्रमुख, सोनी देवी को सह महिला प्रमुख का दायित्व सौंपा गया है.

10 दिवसीय वार्षिक दक्षता वर्ग का समापन

लातेहार। एकल अभियान, लातेहार अंचल के तत्वावधान मे श्री हरि कथा प्रसार योजना के तहत आयोजित दस दिवसीय वार्षिक व्यास दक्षता वर्ग का समापन शुक्रवार को हुआ. काली मंदिर सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि राजमणि प्रसाद, राजधनी प्रसाद यादव, जय कुमार सिंह, राजू लाल, राजेंद्र प्रसाद और गजेन्द्र प्रसाद जी उपस्थित थे. मौके पर लातेहार अंचल समिति के अध्यक्ष अभिनंदन प्रसाद ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक ब्यास संच (प्रखंड) को गांव - गांव में जाकर श्री राम कथा के माध्यम से अपने समाज को संस्कारित और जागृत करना है. उन्होने कहा कि प्रत्येक ग्रामवासियों मे समरसता आए, इसके लिए समाज को एक सूत्र में बांधना आवश्यक है. उन्होने कहा कि एकता के सूत्र बंधन से ही समाज व राष्ट्र को मजबूती प्रदान किया जा सकता है.

आक्रोश — सरकार के इस उदासीन रवैया से संघ के पदाधिकारी हतोत्साहित हैं

झासा के अधिकारियों ने काला बिल्ला लगा किया कार्य

संवाददाता । लातेहार

झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ के बैनर तले लातेहार में झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी 12 सितंबर से काला बिल्ला लगाकर कार्य कर रहे हैं. 13 सितंबर को भी उन्होंने काला बिल्ला लगाकर कार्य किया. लातेहार संघ के अध्यक्ष सह उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह ने कहा कि संघ ने लंबित मुद्दों को समय-समय पर राज्य सरकार के समक्ष रखा, लेकिन अब तक कुछ मांगों को छोड़कर प्रमुख मांगों पर आश्वासन ही प्राप्त हुआ. सरकार के इस उदासीन रवैया से संघ के पदाधिकारी हतोत्साहित हैं और उनमें सरकार के प्रति आक्रोश है.

झारखंड प्रशासनिक सेवा का हो पुनर्गठन पर बिहार मॉडल मंजूर नहीं संघ का कहना है कि झारखंड प्रशासनिक सेवा के पुनर्गठन के नाम पर बिहार प्रशासनिक सेवा का हू ब हू मॉडल थोपा जा रहा है. संघ झारखंड प्रशासनिक सेवा का पुनर्गठन चाहती है, लेकिन बिहार मॉडल पर आधारित सेवा पुनर्गठन उन्हें मंजूर नहीं. सेवा संरचना को सुधार कर उसे बेहतर बनाने के स्थान पर राज्य सरकार द्वारा गैर राज्य असैनिक सेवा के पदाधिकारी को भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नति देने की अर्हता को क्षांत किया गया है. संघ इसका पुरजोर विरोध करता है और कैबिनेट के निर्णय को निरस्त करने की मांग भी करती है. इन सेवाओं के पदाधिकारी अब मात्र 17 वर्ष में भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नत हो पाएंगे जबकि राज्य प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी को यह मुकाम पाने में 25 वर्षों से भी अधिक का समय लग जाता है। इन परिस्थितियों से सेवा के पदाधिकारी स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं.

मांगों पर ठोस प्रगति नहीं हुआ तो चरणबद्ध आंदोलन की है तैयारी : सुरजीत सिंह ने कहा कि 12 और 13 सितंबर 2024 को सरकार के उदासीन रवैया के खिलाफ काला बिल्ला लगाकर कार्य किया. तब तक मांगों के प्रति कोई ठोस प्रगति नहीं होने पर संघ के पदाधिकारी चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य हो जाएंगे. संघ के उपाध्यक्ष सह परियोजना निदेशक आई टी डी ए प्रवीण गगराई , सचिव सह अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक सहित सभी झारखंड प्रशासनिक सेवा से संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी और बीडीओ अंचल अधिकारियों ने काला बिल्ला लगाकर कार्य किया.

100 ट्रैक्टर डंप बालू को प्रशासन ने किया जब्त

हुसैनाबाद(पलामू)। हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी पीयूष सिन्हा के निर्देश पर अंचल अधिकारी हुसैनाबाद पंकज कुमार ने सोन नदी के समीप बुधुआ व बड़ेपुर गांव के आस पास से लगभग 100 ट्रैक्टर डंप किया गया बालू को जब्त किया है.इस कार्रवाई में देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार पुलिस बल के साथ शामिल थे. इस संबंध में अंचल अधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि निर्देशानुसार हुसैनाबाद अंचल क्षेत्र के बुधुआ व बड़ेपुर गांव के पास डंप कर रखें करीब 100 ट्रैक्टर बालू को जब्त किया गया है, जिसको तहसील कचहरी में अभिरक्षित कर रखा गया है, अग्रतर कार्रवाई हेतु जब्त के संबंध में जिला खनन पदाधिकारी एवं उपायुक्त महोदय को लिखा जा रहा है, जब्त बालू को निगरानी व सुरक्षा हेतु स्थानीय चौकीदार व मुखिया को सौपा गया है.

जेपीएससी परीक्षा कदाचार मुक्त हो, प्रशासनिक तैयारियां पूरी : उपायुक्त

संवाददाता। लोहरदगा

अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व होगी जांच : एसपी

बैठक की अध्यक्षता करते उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण.

जेपीएससी की 21 व 22 सितंबर को आयोजित होने वाली परीक्षा झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 को कदाचार मुक्त संपन्न कराए जाने को लेकर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में बैठक शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में हुई. बैठक में ऑब्जर्वर, सभी पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, इनविजीलेटर, सेंटर सुपरिटेंडेंट आदि को अपने-अपने कार्यों के दायित्वों से अवगत कराया गया. संबंधित पदाधिकारियों को विभिन्न चरणों में वीडियोग्राफी कराने का निदेश दिया गया. परीक्षा सीसीटीवी की निगरानी में होगी. जिला शिक्षा पदाधिकारी को सभी सीसीटीवी कैमरों की जांच कर सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया. पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने कहा कि सभी पुलिस पदाधिकारियों को परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों के प्रवेश के समय अच्छी तरह जांच करने का निदेश दिया गया है. एसपी हारिस बिन जमां ने कहा कि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. बैठक में कहा गया कि परीक्षा के दौरान मोबाईल, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाने की सख्त मनाही होगी.

जिले में बनाए गए हैं 20 परीक्षा केंद्र

जेएसएससी की परीक्षा के लिए लोहरदगा जिला में कुल 20 परीक्षा केंद्र निर्धारित किये गये हैं. जिनमें राजकीयकृत प्लस टू चुन्नही लाल उच्च विद्यालय, जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय नदिया हिंदू, कस्तूरबा मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बालिका, उसुलाईन कॉन्वेंट बालिका उच्च विद्यालय, उर्सुलाईन कॉन्वेंट बालिका मध्य विद्यालय, राजकीयकृत बालिका उच्च विद्यालय, मंजूरमति उच्च विद्यालय, संत अन्ना बालिका उच्च विद्यालय कैमो, लुथेरन उच्च विद्यालय, मधुसूदन लाल अग्रवाल इंटर महिला महाविद्यालय, संत स्तानिसलास उच्च विद्यालय कैमो, शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर, बलदेव साहू महाविद्यालय, लिवेंस अकादमी, ग्रेटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल सेन्हा, एमबीडीएवी पब्लिक स्कूल, राजकीयकृत कस्तूरबा बालिका मध्य विद्यालय, राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुजरा, केजीबीवी मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय और एकलव्य मॉडल बालिका आवासीय विद्यालय कुजरा शामिल है. इन परीक्षा केंद्रों में दो दिन मिला कर कुल 11592 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे. परीक्षा तीन पालियों में होगी. पहली पाली सुबह 8.30 बजे से 10.30 बजे तक, दूसरी पाली 11.30 बजे से 1.30 बजे तक और तीसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगी. बैठक में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, डीएसपी मुख्यालय समीर कुमार तिर्की, जिला शिक्षा पदाधिकारी, सभी पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट, सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सभी केंद्राधीक्षक समेत अन्य उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

जीटीपीएस स्कूल में हिंदी दिवस धूमधाम से मनाया गया

लोहरदगा। ग्रेटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल लोहरदगा में हिंदी दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया. इस अवसर पर कला शिक्षक शिवम सिंह के मार्ग दर्शन में एक से बढ़कर एक स्लोगन पोस्टर में आकर्षक ढंग से लिखे गए. एवं कविता पाठ की गई. हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष सुनीता चित्तौड़ा एवं वरीय शिक्षक रामचंद्र गिरि ने अपने उद्बोधन में हिंदी विषय का महत्व एवं विकास पर विस्तार से छात्रों को बताया. इन्होंने कहा कि हिंदी हिंदुस्तान की शान और हम हिंदुस्तानियों की पहचान है. इसे और ऊंची मुकाम पर ले जाते हुए विश्व की सबसे लोकप्रिय भाषा बनाने का हम सबको संकल्प करना चाहिए. उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा हमें हिन्दुस्तानी होने का गौरव महसूस करता है. कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे.

करमा पूजा की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन

चंदवा (लातेहार)। कृषि फार्म के प्रांगण में गुरुवार को युवा सरना समिती के बैनर तले करम पूर्व संध्या समारोह का भव्य रूप से आयोजन किया गया. इस अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्र से नृत्य मंडली के साथ पहुंच कर अपना अपना मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया और शांति के साथ रहकर प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया. समारोह में मुख्य अतिथि आईटीडीए निदेशक प्रवीण गगराई उपस्थित थे. उन्होने अपने संबोधन में कहा कि करम पर्व आदिवासियों का एक प्रमुख पर्व है. इसे खेती बारी लगाने से निकलने के बाद प्रकृति को धन्यवाद देते हैं.

ग्रामीणों का सर्वांगीण विकास सरकार का लक्ष्य

सिमडेगा। ठेठाईटांगर प्रखंड अंतर्गत कोलमेंजरा पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम हुआ. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रखण्ड प्रमुख विपिन पंकज मिंज, जिप सदस्य अजय एक्का, विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद कारू, बीस सूत्री सदस्य अशफाक आलम, जेएमएम सदस्त मोहम्मद शाहिद, अंचल अधिकारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की.मौके पर प्रमुख विपिन पंकज मिंज ने अपने संबोधन में कहा कि महागठबंधन की सरकार जनता की समस्याओं को लेकर गम्भीर है. हमारी जनता को सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए सरकारी कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए स्वंय चलकर ग्रामीणों तक पहुंच रही है. इस शिविर के माध्यम से सरकार लोगों के द्वार तक खुद चलकर पहुंच रही है. ताकि ग्रामीणों की सभी जरूरतें पूरा किया जा सके.

फुटबाल टूर्नामेंट में पुसो की टीम हुई चैंपियन लक्ष्य: प्रमुख

लोहरदगा। नवयुवक संघ चुरकू महुआ टोली सेन्हा के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट का फाइनल मैच फुटबॉल क्लब पूसो बनाम एचडीएफसी ईचाक के बीच खेला गया. जिसमें पूसो की टीम 2-0 से चैंपियन हुआ. इस समापन समारोह के मुख्य अतिथि लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व थाना प्रभारी जगरनाथ उरांव थे कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अतिथियों का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया. इस बीच फाइनल मैच प्रारंभ होने से पूर्व मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया गया. मौके मौके पर कांग्रेस नेता आलोक कुमार साहू, फूलदेव उरांव ,वीरेंद्र उरांव, अरविंद उरांव सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

पुलिस ने हथियार के साथ दो को किया गिरफ्तार

केतार। गुप्त सूचना के आधार पर केतार पुलिस ने शुक्रवार को चटनिया डैम के समीप हथियार के साथ घूम रहे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया. चटनिया डैम के पास सशस्त्र बल के साथ थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी पहुंचे. एक व्यक्ति जो संदिग्ध अवस्था में था, वह जैसे ही पुलिस की गाड़ी देखा भगाने का प्रयास करने लगा. जिसे सशस्त्र बल के सहयोग से पकड़ लिया गया. पकड़े गए व्यक्ति ने नाम पता पूछने पर अपना नाम महबूब अंसारी उम्र करीब 38 वर्ष पिता बदरुद्दीन अंसारी ग्राम नावाडीह थाना केतार जिला गढ़वा बताया. तलाशी के क्रम में उसके पास एक छह चक्रीय देसी अवैध रिवाल्वर बरामद हुआ. जिसके बारे में पूछे जाने पर उसने बताया कि इसी थाना क्षेत्र के ग्राम बत्तोकल के रहने वाले राजकुमार विश्वकर्मा के आस से पैसा से मुहैया कराया गया है. थाना प्रभारी ने बताया कि राजकुमार विश्वकर्मा द्वारा हथियार बनाने और बिक्री करने का काम पूर्व में भी किया जाता रहा है.

ब्रीफ खबरें

आदिवासी प्रकृति पूजक होते हैं : रामचंद्र गिरि

लोहरदगा। करमा पूजा पूर्व संध्या महोत्सव धूमधाम के साथ ग्रेटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल में मनाया गया. इस अवसर पर सर्वप्रथम करम देवता की पूजा-अर्चना और प्रार्थना के साथ नाच-गान का भव्य आयोजन किया गया, जहां विद्यालय के सभी छात्र एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने नाचते- गाते हुए पर्व का आनंद उठाया. विद्यालय के शिक्षक रामचंद्र गिरि ने करम पूजा और आदिवासी संस्कृति पर विशेष व्याख्यान देते हुए कहा कि आदिवासी संस्कृति बहुत पुरातन संस्कृति है. यह द्रविड़ समुदाय और प्रोटो ऑस्ट्रिया जनजाति से संबंध रखता है. उन्होंने कहा कि आदिवासियों के भगवान महादेव (शिव) हैं जिन्हें धर्मेश कहा जाता है और आदिशक्ति हीं वनदेवी चाला आयो हैं.

लचड़ागढ़ में आज होगी करम पूजा

सिमडेगा। विवेकानन्द शिशु-विद्या मंदिर लचरागढ़ में 14 सितंबर को संध्या 08:00 बजे प्रकृति का महापर्व करम पूजा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा.विद्यालय में सात स्थानों पर फ़ुलचन्द पुजार द्वारा पूजा अर्चना कर करम डाली गाड़ा जाएगा और पूजा समाप्ति के पश्चात रात भर गायन वादन और नृत्य होगा. दूसरे दिन प्रातः 8:30 बजे विसर्जन जुलूस निकलेगा जो लचड़ागढ़ प्रिंस चौक तक जाएगा. फिर देवनदी में प्रवाह किया जाएगा.सिमडेगा ज़िला के लिए लचरागढ़ का करम पूजा महोत्सव ऐतिहासिक होगा. इस अवसर पर कला एवम संस्कृति के संरक्षण संवर्द्धन करने वाले गायकों,वादकों नर्तकों को सम्मानित भी किया जाएगा.

जाटा मुखिया उदय कुशवाहा सहित कई गांवों के 500 से अधिक लोग झामुमो में शामिल

लोकतंत्र की चाबी जनता के हाथ में है : मिथिलेश ठाकुर

संवाददाता। गढ़वा

पार्टी में शामिल मुखिया के साथ मंत्री मिथिलेश ठाकुर.

राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही जनहित की योजनाओं एवं गढ़वा में हो रहे ऐतिहासिक विकास कार्यां से प्रभावित होकर प्रतिदिन दूसरे राजनीतिक दलों को छोड़कर लोगों को झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल होने का सिलसिला जारी है. गढ़वा प्रखंड के जाटा पंचायत के मुखिया उदय कुशवाहा सहित विभिन्न गावों के 500 से अधिक लोगों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की. गुरूवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकुद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के आवास पर गढ़वा प्रखंड के गांगी, गढ़वा, प्रतापपुर, मेढ़ना, बेलचंपा, करूआ, बाएं, बनपुरवा आदि गावों के 200 से अधिक लोगों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की. जबकि जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान जाटा पंचायत के मुखिया उदय कुशवाहा, रंका के उंचरी में बसपा छोड़कर 200 से अधिक लोगों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की.

मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को माला व पार्टी का पट्टा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर पार्टी में शामिल किया. पार्टी में शामिल होने वालो ने आगामी विधानसभा चुनाव में मंत्री श्री ठाकुर को ऐतिहासिक जीत दिलाने एवं राज्य में महागठबंधन की सरकार बनाने का संकल्प लिया.

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि लोकतंत्र की चाभी जनता के हाथ में होती है. जनता जिसे चाहे उसे अपना प्रतिनिधित्व सौंप सकती है. उन्होंने कहा कि राज्य में चलायी जा रही जनहित के कार्यां से जनता प्रभावित है. पूरे राज्य में लोगों ने पुनः हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनाने का ठान लिया है. उन्होंने कहा कि जनता अच्छी तरह से समझ चुकी है कि राज्य का भला कौन कर सकता है. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार जब अपने बलबूते पर काफी तेजी से राज्य का चौतरफा विकास करने लगी, राज्य की जनता को उनका हक एवं अधिकार देने लगी तब भाजपाईयों ने साजिश के तहत उन्हें जेल भेज दिया. परंतु जनता की ताकत एवं न्यायपालिका के बदौलत हेमंत सोरेन ने पुनः जनता के बीच पहुंचकर विकास विरोधियों को शिकस्त दे दी.

पार्टी में आवास पर शामिल होने वालों में मुख्य रूप से भास्कर द्विवेदी, शुभम दुबे, हिमांशु पांडेय, आदित्य दुबे, दीपू चंद्रवंशी, अभिषेक पांडेय, पवन विश्वकर्मा, अभिषेक विश्वकर्मा, नवल किशोरधर दुबे, दिलीप तिवारी, अश्विनी सिंह, अनंत सिंह, बिट्टू सिंह, अंकित साह, पवन चंद्रवंशी, राहुल पाठक, प्रियांशु कुशवाहा, मंटू यादव, सूरज ठाकुर, आशीष चंद्रवंशी, राजा गुप्ता, नीतेश सोनी, दीपक प्रजापति, रंका के ऊंचरी में प्रेम राम, शिव नारायण राम, शंभू राम, अजीत कुमार रवि, संगीता देवी, मीना देवी, मुन्नी देवी, सोनी देवी, ममता देवी, कुमारी देवी, सरजू राम, उर्मिला देवी, जोखन भुईयां सहित 500 से अधिक लोगों का नाम शामिल है.

नशीले पदार्थों की खरीद व बिक्री पर लगाये अंकुश: डीसी

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में शुक्रवार को एनकोर्ड नेशनल नार्कोटिक्स कोर्डिनेशन की बैठक हुई. बैठक में जिला में नशे की गिरफ्त से बच्चों, किशोरों व युवाओं को दूर रखने पर विस्तृत चर्चा हुई. इसमें नशा करने वालों द्वारा नशे के विभिन्न तरीकों के इस्तेमाल व उनकी उपलब्धता पर चर्चा की गई और नशीली चीजों पर रोक लगाने हेतु आवश्यक अभियान चलाये जाने का निदेश पुलिस विभाग को दिया गया. नशीली वस्तुओं के बिक्री पर नियंत्रण लगाने हेतु आवश्यक निदेश सिविल सर्जन, लोहरदगा व ड्रग इंस्पेक्टर को दिये गये. बैठक में एसपी हारिस बिन जमां, डीएफओ अभिषेक कुमार, डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, डालसा सचिव राजेश कुमार, सामान्य शाखा प्रभारी पदाधिकारी अभिनीत सूरज समेत अन्य संबंधित पदाधिकारीगण उपस्थित थे.

वरिष्ठ भाजपा नेता के परिजनों से मिले : मुनेश्वर तिर्की

कोलेबिरा। भाजपा एसटी मोर्चा जिला महामंत्री मुनेश्वर तिर्की भाजपा के वरिष्ठ नेता के परिवार वालों से मिलने उनके घर पहुंचे. उन्होंने बताया कि फोन के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई थी, चैतन्य सिंह के माता-पिता दोनों की काफी दिनों से तबियत खराब चल रहा है. क्षेत्र भ्रमण के दौरान बरस्लोया पंचायत के भिंजपुर ग्राम जाकर चैतन्य सिंह के मां बाबा से मिले और दुख सुख की बात हुई. ,उनका कुशलक्षेम जाना, चैतन्य सिंह ने बताया कि उनके माता-पिता दोनों का तबियत बहुत दिनों से ठीक नहीं है,मौके पर कोलेबिरा मंडल उपाध्यक्ष रूपलाल महतो, भाजयुमो मंडल महामंत्री महेश सिंह,एस टी मोर्चा मंडल महामंत्री श्रवन लोहरा उपस्थित थे.

डीएमएफटी फंड से होगा विकास कार्यों में आयेगी तेजी: उपायुक्त

संवाददाता। लातेहार

वज्रगृह का निरीक्षण करतीं उपायुक्त

उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गयी. बैठक में कुल 10 योजनाओं को प्रबंधकीय समिति में अनुमोदन किया गया. प्रभारी पदाधिकारी, डीएमएफटी समीर कुल्लू ने बताया गया कि एक करोड़ से अधिक एवं पांच करोड रुपए तक की डीएमएफटी के प्रबंधकीय समिति के द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति ग्राम सभा से पारित योजनाओं का डीएमएफटी के प्रबंधकीय समिति में अनुमोदन हेतु प्रस्तावित उच्च प्राथमिकताओं में लातेहार जिला के जिला खेल स्टेडियम लातेहार के पास बस स्टैंड पब्लिक का अधिष्ठापन, पब्लिक लाइब्रेरी का अधिष्ठापन एवं पुस्तकों का क्रय, उच्च विद्यालय धनकारा 10 अतिरिक्त कक्षा का निर्माण, सभी दिव्यांग जनों के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटी का क्रय एवं आपूर्ति, सभी प्रखंडों के आंगनबाड़ी केंद्रों में प्री स्कूल एजुकेशन किट एंड चाइल्ड फ्रेंडली बुक का क्रय, लातेहार आंगनबाड़ी केंद्रों में सप्लाई इंस्टॉलेशन ऑफ एंटेनेटल केयर चेक अप किट एंड एएनसी कॉर्नर फर्नीचर आइटम का क्रय, बालूमाथ आंगनबाड़ी केंद्रों में सप्लाई इंस्टॉलेशन ऑफ एंटेनाटल केयर चेक अप किट एंड एएनसी कॉर्नर फर्नीचर आइटम का क्रय, सद्गुरु सदाफल देव आदर्श गौशाला लुकैया, प्रखंड- चंदवा में गौशाला एवं पीसीसी पहुंच पथ का निर्माण, लातेहार जिले में विभिन्न ट्रेडों के तहत युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण, जिला अंतर्गत सुरक्षा के लिए ड्रोन की आपूर्ति एवं क्रय शामिल है.

शहीद स्थल का सर्वांगीण विकास प्राथमिकता: दिलीप

- अपनी संस्कृति को जीवंत रखना सबसे जरूरी : अवधेश उरांव

संवाददाता। कुडू/लोहरदगा

करम पूर्व संध्या कार्यक्रम को संबोधित करते दिलीप टोप्पो.

जिले के कुड़ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हलधर गिरिधर शहीद स्थल टीको में आयोजित करम पूर्व संध्या कार्यक्रम में कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो बतौर मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के तौर पर आदिवासी छात्र संघ के लोहरदगा जिलाध्यक्ष अवधेश उरांव शामिल हुए. अतिथियों का आयोजन समिति ने आदिवासी रीति-रिवाज के साथ ढोल नगाड़े की धून पर स्वागत करते हुए मंच पर ले जाया गया, जहां पर अंगवस्त्र और बुके भेंट कर सम्मानित किया गया. टीको में आयोजित करम पूर्व संध्या कार्यक्रम में शिरकत किए कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो ने अपने संबोधन में कहा कि हमारा शुरू से लोहरदगा जिला में अवस्थित सभी शहीद स्थलों को विकसित करना उद्देश्य रहा है. उन्होंने कहा कि शहीद हलधर गिरिधर स्थल टीको का जो विकास हुआ है इसमें हमारा सकारात्मक प्रयास रहा था. दिलीप कुमार टोप्पो ने कहा कि लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में अवस्थित सभी वीर योद्धाओं के स्मारक स्थल का समुचित विकास हेतु सकारात्मक भूमिका निभाने का कार्य किया जाएगा. उन्होंने कहा कि करम पूर्व संध्या कार्यक्रम से हम सभी को अनेकता में एकता को मजबूत बनाता है. कांग्रेसी नेता दिलीप कुमार टोप्पो ने कहा कि मां सरना की असीम कृपा रहा तो लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हेतु व्यापक तरीके से विकास कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा.

आवासीय विद्यालय में करम पूर्व संध्या का आयोजन

आदिवासी समाज प्रकृति के पूजक हैं: सांसद

संवाददाता। किस्को/लोहरदगा

करम पूर्व संध्या कार्यक्रम में शामिल सांसद सुखदेव भगत व अन्य.

नौरपूंप ट्रस्ट के द्वारा किस्को प्रखंड के बोंगा गांव में स्थित आवासीय विद्यालय में करम पूर्व मिलन समारोह सह लरकुड़िया कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व थाना प्रभारी जगरनाथ उरांव शामिल थे. कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर मुख्य अतिथि सांसद सुखदेव भगत एवं विशिष्ट अतिथि जगरनाथ उरांव को आदिवासी परंपरा के अनुसार उनका पैर धोकर स्वागत किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि पूर्वजों की हमारी परंपरा और धरोहर को संजोकर रखना है. भले ही हमारे पूर्वज उस समय शिक्षित नहीं होंगे लेकिन उन्होंने करम पेड़ की महत्ता को समझा था. यह पेड़ 24 घंटा ऑक्सीजन देता है, आज इससे पूरे दुनिया के लोग लाभान्वित हो रहे हैं. करम पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण की प्रेरणा देता है. आदिवासी होने का हम सब लोगों को गर्व करना चाहिए. सांसद श्री भगत ने कहा कि आदिवासी समाज ना नास्तिक है और ना ही आस्तिक वह वास्तविक है क्योंकि वह साक्षात स्थित प्रकृति के पूजा करते हैं .उन्होंने मौके पर सभी को करमा पर्व की बधाई दिए. विशिष्ट अतिथि जगरनाथ उरांव ने कहा कि हमारे समाज को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा पर ध्यान देना होगा और नशा पान से दूर रहना होगा .नौरपुंप ट्रस्ट के द्वारा बोंगा गांव में आवासीय स्कूल खोलकर आदिवासियों बच्चों को अपनी रीति-रिवाज परंपरा के साथ पढ़ाई कराने के लिए वह संस्था को बधाई दिए. मौके पर संजीव उरांव ,सुनीता उरांव,संतोष उरांव ,संजय महली, महेंद्र उरांव ,रवि तिग्गा ,पंडित उरांव ,आलोक कुमार साहू, फूलदेव उरांव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

तैयारी जिला कार्यालय में 22 से प्रारंभ होने वाले परिवर्तन संकल्प रथयात्रा को लेकर बैठक

परिवर्तन संकल्प रथयात्रा से सरकार की पोल खोलेगी भाजपा: विनय

संवाददाता। सिमडेगा

भाजपा जिला कार्यालय में 22 सितंबर से प्रारंभ होने वाले परिवर्तन संकल्प रथयात्रा के निमित्त बैठक हुई, बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक ने कहा कि पूरे प्रदेश को छह ज़ोन में बांटकर संगठन द्वारा परिवर्तन संकल्प यात्रा निकाली जा रही है .जो खूंटी के उलिहातू से प्रारंभ होकर रांची में संपन्न होगी. बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश मंत्री सह विधानसभा प्रभारी मुनेश्वर साहू ने कहा की परिवर्तन संकल्प यात्रा में कार्यकर्ता बढ़ चढ़कर हिस्सा लें एवं कार्यक्रम को सफल बनाएं और झारखंड से भ्रष्टाचारी सरकार को उतार फेंकने का संकल्प लें.

बैठक को संबोधित करते हुए दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडलीय परिवर्तन संकल्प यात्रा प्रभारी विनय लाल ने कहा कि पूरे झारखंड में परिवर्तन की लहर चल पड़ी है लोग इस भ्रष्ट सरकार से तंग आ चुके हैं और झारखंड में परिवर्तन का मन बना चुके हैं इसी के निमित्त भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन संकल्प यात्रा 22 सितंबर से पूरे झारखंड को छः ज़ोन में बांटकर चलाया जाएगा, परिवर्तन संकल्प यात्रा 22 सितंबर को खूंटी के उलिहातू से प्रारंभ होकर बानो कोलेबिरा सिमडेगा ठेठईटांगर बोलबा केरसई कुरडेग पालकोट होते हुए गुमला लोहरदगा से 30 सितंबर को राँची में सम्पन्न होगी। मंच संचालन महामंत्री दीपक पुरी ने किया मौके पर पूर्व मंत्री विमला प्रधान पूर्व विधायक निर्मल कुमार बेसरा प्रदेश का समिति सदस्य दुर्ग विजय सिंह देव आमंत्रित सदस्य अमरनाथ बामलिया महामंत्री मुकेश श्रीवास्तव अनूप प्रसाद श्रीलाल साहू मानोज साय प्रणव कुमार श्रद्धानंद बेसरा सुजान मुंडा रवि गुप्ता नरेंद्र बड़ाईक नवीन सिंह घनश्याम सिंह घनश्याम केसरी मोर्चा अध्यक्ष द्वय सुषमा देवी शंभू भगत अनिरुद्ध सिंह सभी मोर्चा के महामंत्री मंडल अध्यक्ष मंडल प्रभारी और सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित थे

खास बातें

- परिवर्तन संकल्प यात्रा 22 को उलिहातू से प्रारंभ होगा
- परिवर्तन संकल्प यात्रा 30 को रांची में संपन्न होगी

स्वच्छ भारत अभियान के सहभागी बनें आमजन : श्रद्धानंद

सिमडेगा। भाजपा नेता श्रद्धानंद बेसरा प्रातः कालीन भ्रमण में,नगर परिषद क्षेत्र वार्ड नंबर 2 बकरी टोली बस्ती पहुंचे एवं बस्ती वालों से मुलाकात किया. बस्ती वालों ने श्री बेसरा को बताया कि बस्ती में जलमिनार से विसर्जित जल का जमाव से मच्छर का प्रकोप हो सकता है . स्वच्छता दृष्टिकोण से सोखता खड्डा का निर्माण कर जल जमाव करवाने की कृपा करें. श्री बेसरा ने निराकरण के लिए आश्वासन दिए एवं तुरंत स्वच्छ भारत मिशन के अधिकारी से संपर्क कर किया एवं दुषित जलजमाव के निराकरण हेतु आग्रह किए. मौके पर श्रद्धानन्द बेसरा ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान चलाया है . मौके पर अनेक महिला पुरुष उपस्थित थे.

कैरो में करम पूर्व संध्या कार्यक्रम आयोजित

अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने में हमेशा कृतसंकल्पित रहेंगे: अनिल

संवाददाता लोहरदगा

आदिवासियों की प्रकृति आस्था और भाई बहन के अटूट प्रेम का पवित्र पर्व करमा पूजा को लेकर लोहरदगा जिला के सभी प्रखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में करम पूर्व संध्या कार्यक्रम आयोजित कर समाज के लोग एक-दूसरे को त्योहार की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए दिखाई दे रहे हैं. इसी निमित्त लोहरदगा जिला अंतर्गत कैरो में आयोजित करम पूर्व संध्या कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए झारखंड आंदोलनकारी नेता सह पूर्व विधायक स्व कमल किशोर भगत के छोटे भाई झापीपा के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार भगत ने प्रकृति का पर्व करमा पूजा की लोगों को बधाई दी. कहा कि करमा पूजा हमें पूर्वजों के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देती है. उन्होंने कहा कि भाई-बहन के अटूट प्रेम व स्नेह प्यार का पवित्र पर्व करमा पूजा अनेकता में एकता को मजबूत प्रदान करता है. अनिल कुमार भगत ने कहा कि करमा पूजा से हमें असत्य को त्याग कर सत्य की राह पर चलने और भाई बहन के बीच आपसी प्रेम को प्रगाढ़ करने का प्रतीक है.

ब्रीफ खबरें

प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

रामगढ़। सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र द्वारा चल रहे सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को राज बल्लभ प्लस-टू उच्च विद्यालय सांडी में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता का विषय सत्यनिष्ठा के पथ पर बढ़ता हुआ भारत तथा स्वभाव में सत्यनिष्ठा" था, जिसमें कुल 32 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. वहीं सभी प्रतिभागियों को सत्यनिष्ठा की शपथ भी दिलाई गई. प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने रचनात्मकता के साथ-साथ अपने पोस्टर्स के माध्यम से सत्यनिष्ठा और नैतिकता के महत्व को प्रदर्शित किया, जिसमें प्रथम पुरस्कार नंदिनी कुमारी को दिया गया.

अंतरराज्यीय ठग सुजीत साव गिरफ्तार

चरही। थाना क्षेत्र के चरही थाना समेत अन्य कई थानों में एवं दूसरे राज्यों में नामजद आरोपी एवं फरार वारंटी सुजीत कुमार को गुरुवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा. थाना प्रभारी गौतम कुमार ने बताया कि अजय साव का कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं. वह एक दशक से फरार चल रहा था. उस पर चरही थाना कांड संख्या 16/18 दि. 03.02.18 धारा 323/406/भा. दा. स. चरही थाना कांड संख्या 96/23 दि.25.11.23 धारा - 379/414 भा. दा. स. 30(11) कोल माइंस एक्ट कटकमदाग थाना कांड संख्या 110/24 दि. 17.06.24 धारा 323/406/420 भा. दा. स. कतरास थाने मामले दर्ज हैं.

सड़क हादसों एक महिला सहित पांच घायल

चौपारण। विभिन्न सड़क हादसों में चार युवक और एक महिला घायल हो गई. एक युवक को गंभीर स्थिति में चिकित्सकों ने रेफर कर दिया.चौपारण पेट्रोल पंप के पास दो बाइकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई. इसमें बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए. घायलों की पहचान पवन कुमार, ग्राम राजपुर, चतरा, अशोक भुइयां ग्राम राजपुर, चतरा और सुजीत कुमार, शेरघाटी, बिहार के रूप में हुई. वहीं दनुवा घाटी के हथिया बाबा के पास एक ट्रक ने आगे चल रही एक बाइक को पीछे से धक्का मार दिया, जिससे बाइक सवार सड़क के किनारे फेंका गया. वहीं एक महिला कुंती देवी अपने पति के साथ गया जाने के क्रम में दानुवा घाटी में गिर कर घायल हो गई.

झील में व्याप्त गंदगी को लेकर कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के स्टेट कोऑर्डिनेटर ने उपायुक्त को लिखा पत्र

एक सप्ताह में हो झील की सफाई, नहीं तो होगा जल सत्याग्रह

संवाददाता। हजारीबाग

शहर की हृदय स्थली कहे जाने वाली झील में व्याप्त गंदगी को लेकर कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के स्टेट कोऑर्डिनेटर सुरजीत नागवाला ने उपायुक्त को पत्र लिख कर एक सप्ताह के अंदर झील की सफाई करने का अल्टीमेटम देते हुए ऐसा नहीं होने पर कांग्रेसजनों द्वारा जल सत्याग्रह करने ऐलान किया है. पत्र के माध्यम से उन्होंने कहा है कि हजारीबाग की झील में व्याप्त गंदगी के कारण लोगों को दूषित हवा और प्रदूषण का सामना करना पड़ता है.

हजारीबाग में जब लोगों के परिजन बाहर से आते हैं तो उनको घुमाने के लिए झील ले जाते हैं. इसके साथ ही सैकड़ों लोग स्वास्थ्य लाभ हेतु सुबह शाम झील में भ्रमण भी करते हैं, लेकिन यहां जो गंदगी की स्थिति है, प्रदूषण की जो स्थिति है, इससे यहां के लोग प्रभावित हो ही रहे हैं. साथ-साथ जलीय जीव भी मरने को मजबूर हैं. पूर्व में हम लोगों के द्वारा जल सत्याग्रह किया गया था, जिसके फलस्वरूप झील की सफाई हुई थी. अब तो करोड़ों रुपये की मशीन की खरीदारी भी की गई है, लेकिन झील की साफ सफाई आज भी उस तरह नहीं हो पा रही है. इस बाबत उपायुक्त से सहानुभूति पूर्वक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है. कांग्रेस नेता ने पत्र के माध्यम से कहा है कि अगर एक सप्ताह के भीतर झील की साफ-सफाई नहीं हुई तो सभी कांग्रेस जन जल सत्याग्रह करेंगे, जिसकी सारी जवाब दे ही जिला प्रशासन की होगी. इस आवेदन की कॉपी झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के साथ नगर निगम के कमिश्नर और अनुमंडल पदाधिकारी हजारीबाग को भी भेजी गई है. झील परिसर में उनके साथ राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के जिला महासचिव कजरू साव भी उपस्थित थे.

राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी का जोरदार स्वागत

संवाददाता। हजारीबाग

रांची से इटखोरी जाने के क्रम में झारखंड बीजेपी के प्रभारी राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेई का हजारीबाग भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया. इस अवसर पर वाजपेई एवं सिंह ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया.

स्वागत करने वालों में भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव, किसान मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष टोनी जैन, प्रदेश कार्य समिति सदस्य बटेश्वर मेहता, जिला महामंत्री सुमन सिन्हा, जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, जिला उपाध्यक्ष रेणुका साहू जिला उपाध्यक्ष सुनील साहू, हर्ष अजमेर, जिला मंत्री कुणाल दुबे, जय नारायण कुशवाहा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राजकरण पांडेय, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष साक्षी राणा, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष इंद्र नारायण कुशवाहा, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष तनवीर अहमद, जिला मीडिया प्रभारी नंदकुमार नंदू, जिला आईटी सेल संयोजक सुमित लाहेरी, सोशल मीडिया प्रभारी हितेश रंजन शामिल आदि रहे.

झारखंड विधानसभा चुनाव : टिकट का आस बनी गले की फांस

मौसमी नेताओं ने उड़ाई जमीन पर काम करनेवालों की नींद

- विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही खुद को आम जनता का मसीहा बताने की होड़
- जो पांच साल नज़र नहीं आते थे वे आज हर जगह दे रहे हैं भाषण

प्रमोद उपाध्याय। हज़ारीबाग़

विधानसभा चुनाव को देखते हुए टिकट की आस में बैठे नेता मैदान में उतर आए हैं. कोई दिल्ली की दौड़ लगा रहा है, तो कोई रायशुमारी करवा रहा है, कोई लगातार भाषणबाज़ी कर जनता को लुभाने में लगा हुआ है. कुछ एक ऐसे भी है जो पिछले चार पांच साल से हज़ारीबाग़ ज़िले में कही भी नज़र में नहीं आते थे, लेकिन चुनाव की आहट होते ही हर जगह अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं. एक रोड का मुद्दा उछला नहीं कि क्रेडिट लेने की होड़ में सारी की सारी पार्टियों के नेता वहां पहुंच जाते हैं, धरना प्रदर्शन शुरू हो जाता है ताकि किसी भी तरह से पार्टी का टिकट मिल जाए. अभी दो राष्ट्रीय पार्टी के हवा हवाई नेता ज़िले में हर जगह दिखाई दे रहे हैं. एक ने कृष्णा जन्मआष्टमी में दही हांडी कार्यक्रम का आयोजन करवाया तो इसके जवाब में दूसरी पार्टी के टिकट के दावेदार ने करमा पूजा का आयोजन करवा दिया. सबसे बड़ी बात है कि इन नेताओं के कारण वे नेता जो ज़मीन से जुड़े रहे हैं, जनता के बीच रहे हैं, वे जैसे गायब हो गए हैं. ऐसा लग रहा है मानो काम करने वाले नेता ये मान बैठे हैं कि टिकट के दौड़ में वे काफी पिछड़ गए हैं और मौसमी नेता का टिकट कन्फर्म हो चुका है. वैसे भी बताया जाता है कि भाजपा हो या कांग्रेस दोनों पार्टियों में संघर्ष करने वाले नेताओं की पूछ नहीं होती. कमोबेश यही हाल हर पार्टी का बताया जाता है. सवाल ये हैं कि ऐसे में उन नेताओं का क्या होगा जो टिकट की आस में अपनी पार्टी का झंडा वर्षों से ढो रहे हैं. क्या ऐसे नेता जीवन भर झोला टांगते ही रह जायेंगे या इनकी ईमानदारी का इनाम भी इन्हें मिलेगा? ऐसे सवालों का जवाब तो आने वाले विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण से ही मिल पाएगा.

जमीन से जुड़े नेताओं को इनाम नहीं देतीं पार्टियां : इस संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि हजारीबाग शहर में ऐसे ऐसे नेता हैं जो जमीन पर काम करते हैं, जनता के साथ रह कर बरसों से पार्टी के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन पार्टी ऐसे नेता को इनाम नहीं दे रही है, बल्कि वैसे लोगों को पसंद करती है जो आम जनता के बीच कभी नहीं रहते. ऐसे मौसमी नेता विधायक बनने का सपना देख रहे हैं और क्षेत्र का भ्रमण कर रहे हैं, अपनी पहुंच दिल्ली तक बता रहे हैं और वह पार्टी से टिकट पर दावा कर रहे हैं. वहीं सदर विधानसभा क्षेत्र के लखन यादव, मिनहाज अंसारी, कबीरूद्दीन अंसारी, सरिता देवी, नागेश्वर यादव ने बताया कि दुख के वक्त एक भी नेता आम जनता के बीच नहीं आते थे. यहां तक कि कोरोनाकाल में गरीबों को मिलने वाली सामग्री भी वह खुद डकार जाते थे और जिंदा रहने वाली दवा को भी वह अपने परिजनों और रिश्तेदारों तक पहुंचा रहे थे. आज जब चुनाव आया है तो वह खुद को आम जनता का मसीहा बता रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हजारीबाग शहर के कई ऐसे जमीनी नेता हैं जो कोविड के समय भी गरीब लोगों को भोजन, दवाई दे रहे थे. यहां तक कि पशु को भी वह भोजन उपलब्ध करा रहे थे. ऐसे नेता को पार्टी पसंद नहीं करती जो बरसों से पार्टी के लिए काम कर रहे हैं.

प्रमंडलीय आयुक्त ने लिया मतदान केंद्रों पर सुविधाओं का जायजा

संवाददाता। हजारीबाग

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा ने मांडू विधानसभा एवं हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया. इस दौरान इन्होंने मांडू विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चुरचू प्रखंड के बूथ संख्या 11, प्राथमिक विद्यालय डूमर, बूथ संख्या 13, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बूथ संख्या 16, बूथ संख्या 17 एवं बूथ संख्या 18 का भौतिक रूप से जायजा लिया. वहीं हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बूथ संख्या 452, 453, 454 मध्य विद्यालय मोरंगी एवं 455 उत्क्रमित मध्य विद्यालय डेमोटांड का भी जायजा लिया. आयुक्त ने चुनाव आयोग के निर्देश के आलोक में मतदान केंद्रों में दिव्यांग मतदाताओं एवं 85 वर्ष या अधिक के वरिष्ठ मतदाताओं के लिए समुचित व्यवस्था बहाल किए जाने के बाबत संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए.

इस दौरान उन्होंने दृष्टिगत दिव्यांग, बुजुर्ग और 85 से अधिक वरिष्ठ मतदाताओं के लिए बूथों में चुनावी प्रक्रिया को सुगम बनाने के निमित्त उन्हें उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया. साथ ही इस हेतु की जानी वाली गतिविधियों यथा इनके निबंधन, मतदान दिवस पर परिवहन की सुविधा, मतदान केंद्रों की संरचना, मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर, चेयर की व्यवस्था आदि सुविधाओं का भी जायजा लिया. मौके पर आयुक्त के सचिव, सदर ईआरओ एवं एईआरओ, चुरचू ईआरओ एवं एईआरओ, बीएलओ सुपरवाईजर, बीएलओ संग अन्य उपस्थित रहे.

सुलोचना ड्रेसेस नामक प्रतिष्ठान का उद्घाटन

रामगढ़। चितरपुर स्थित रजरप्पा मोड़ के समीप शुक्रवार को सुलोचना ड्रेसेस नामक प्रतिष्ठान का उद्घाटन मुख्य अतिथि रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी व विशिष्ट अतिथि रामगढ़ जिप अध्यक्ष सुधा देवी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि चितरपुर जैसे छोटी जगह में इस तरह का प्रतिष्ठान खुलने से ग्राहकों को काफी फायदा मिलेगा. अब उन्हें ड्रेस संबंधित किसी भी चीज की खरीदारी के लिए रामगढ़ या रांची नहीं जाना पड़ेगा.

माया टुंगरी में करम महोत्सव की तैयारी पूरी, समिति का किया गठन

संवाददाता। रामगढ़

माया टुंगरी में किसान सहयोग समिति रामगढ़ द्वारा विशाल करम महोत्सव भव्य तरीके से मनाया जायेगा. कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के झूमर सम्राट नरहरि महतो की टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया जायेगा. झूमर प्रतियोगिता एवं जावा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जायेगा, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले झूमर टीम एवं जावा टीम को किसान सहयोग समिति के द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा. इस करम महोत्सव को मनाने के लिए आयोजन कमेटी का गठन किया गया, जिसमें मुख्य संरक्षक दामोदर महतो, संरक्षक सदस्य झलकदेव महतो, चिंतामनी पटेल, योगेंद्र कुमार(झरी महतो), मनोज (नारायण) महतो, पवन कुमार महतो, सुदर्शन महतो, सुरेश महतो एवं मुरलीधर कोठारी शामिल है.

आजसू महिला मोर्चा ने किया करमा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

मांदर की थाप पर झूमे गिरिडीह सांसद व रामगढ़ विधायक

संवाददाता। रामगढ़

चितरपुर प्रखण्ड के सांडी गांव स्थित डीएवी रजरप्पा मैदान में आजसू महिला मोर्चा द्वारा करमा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया. इस दौरान पारंपरिक विधि से सामूहिक करमा पर्व मनाया गया, जिसमें मांदर की थाप पर लोग झूमते नजर आए. करमा महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी, सम्मानित अतिथि रामगढ़ जिप अध्यक्ष सुधा देवी, रामगढ़ पार्षद धनेश्वर महतो, पूर्व पार्षद गोपाल चौधरी, अमृतलाल मुंडा शामिल हुई.

मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि हम चाहते हैं कि राज्य सरकार भी इस करमा पर्व की तरफ ध्यान केंद्रित करे. साथ ही लगातार उपवास करने वाली हमारी माताओं और बहनों को तीन दिन तक अवकाश देने का काम करें ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में महिलाएं इस कार्यक्रम में हिस्सा ले सकें. कहा कि प्रकृति-संस्कृति का जीवंत दर्शन है करम त्योहार. वहीं विशिष्ट अतिथि रामगढ़ विधायक ने कहा कि यह हमारे झारखंड का प्राकृतिक पर्व है. इसे लोग भूल न जाएं इस कारण आजसू पार्टी इस तरह का कार्यक्रम हर साल आयोजित करती है. कार्यक्रम का संचालन आजसू के केंद्रीय सचिव अमृतलाल मुंडा ने किया. आयोजित करमा महोत्सव के दौरान सभी लोग मांदर की थाप पर जमकर झूमे. मौके पर गिरिडीह जिलाध्यक्ष गुड्डू यादव, बड़कीपोना मुखिया अरविंद सिंह, सामजसेवी मुकेश सिन्हा, किरण कुमारी, सुनीता देवी, भानुप्रकाश महतो, दिवाकर नायक, मलेश्वर नायक, टुशील देवी, मनोरमा देवी, शांति महतो, रेणु देवी, लक्ष्मी देवी, नीलम देवी, रजनी राज, लाली महतो, सुशीला देवी, देवंती देवी, सतीश मुंडा, ओमप्रकाश चौधरी, सुराली महतो, रंजीत महतो, अनुराग भारद्वाज, सुबिन तिवारी, राज गिरी आदि थे.

आजसू की बैठक में चूल्हा प्रमुखों के सम्मेलन पर चर्चा

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड कार्यालय में आजसू पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक हुई, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रोशन लाल चौधरी उपस्थित हुए. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष वैद्यनाथ महतो ने की, जबकि संचालन जिला प्रवक्ता रविशंकर जायसवाल ने किया. बैठक में मुख्य रूप से 22/सितंबर को बड़कागांव गांव विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुखों का 2 हाई स्कूल मैदान में होने वाले सम्मेलन सह संकल्प सभा पर विशेष रूप से चर्चा की गई. चौधरी ने कहा कि कार्यक्रम में हजारों की संख्या में चूल्हा प्रमुख भाग लेंगे, जो बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में जीत सुनिश्चित करेंगे. सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, गोमिया विधायक लामोदर महतो उपस्थित रहेंगे. वहीं प्रखंड अध्यक्ष वैद्यनाथ महतो ने कहा कि केरेडारी प्रखंड से 5000 चूल्हा प्रमुख संकल्प सभा में भाग लेंगे. इसके लिए सभी सभी पंचायत में पंचायत प्रभारियों की नियुक्ति कर दी गई है. मौके पर मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य पंकज साहा, भोला महतो, अनिल राम, लीलाधन साव, चट्टी बरियातू पंचायत मुखिया झारीलाल महतो, जिला प्रवक्ता रविशंकर जायसवाल, प्रखंड सचिव मोहन कुमार, महिला प्रखंड अध्यक्ष राधा देवी आदि उपस्थित थे.

कांग्रेस पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी से की औपचारिक मुलाकात

मुन्ना सिंह ने हजारीबाग सदर से अपनी दावेदारी पेश की

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य गिरीश चोड़नकर, प्रकाश जोशी और पूनम पासवान हजारीबाग पहुंचे, जिनसे वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने सर्किट हाउस में औपचारिक मुलाकात की और सदर विधानसभा सीट से अपनी दावेदारी पेश की. मुन्ना सिंह ने कमेटी के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हजारीबाग के विकास के लिए मेरा संकल्प अडिग है और मैं अपने सभी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और वरिष्ठ नेताओं का भी आभार प्रकट करता हूं जो मेरे साथ मजबूती से खड़े हैं. आपके समर्थन से ही मैं इस क्षेत्र को विकास की दिशा में आगे ले जा पाऊंगा.

मुन्ना सिंह ने बताया कि वह विगत एक दशक से अधिक समय से हजारीबाग में एक समाजसेवी के रूप में सक्रिय हैं और जनता के बीच उनकी लोकप्रियता विशेषकर युवाओं के बीच काफी है. आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए संगठन की मजबूती और निष्ठा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. मुन्ना सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आगामी चुनाव में हजारीबाग सदर विधानसभा सीट पर जीत हासिल करेगी और इसके लिए हर स्तर पर संगठन को मजबूत किया जा रहा है. उन्होंने जनता के कल्याण के लिए कई परियोजनाओं को बढ़ावा दिया है और अपने जमीनी कार्यों के लिए जाने जाते हैं. उनके समर्थन में आज सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक सर्किट हाउस पहुंचे, जिससे उनकी दावेदारी को और मजबूती मिली. इस मौके पर युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव कोमल राज, युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष पप्पू यादव, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अभिषेक राज, कांग्रेस पार्टी के कटकमसाड़ी प्रखंड अध्यक्ष नागरसिंह प्रजापति, सदर प्रखंड अध्यक्ष अजीत सिंह, कटकमदाग प्रखंड अध्यक्ष गोवर्धन गंझु आदि उपस्थित रहे.

गड़बड़ाला छत की सीलिंग में प्लास्टर कराये बगैर करा दिया पेंट

केरेडारी हेल्थ यूनिट भवन निर्माण में अनियमितता

संवाददाता। केरेडारी

सीएचसी परिसर में बने हेल्थ यूनिट भवन निर्माण में संवेदक द्वारा घोर अनियमितता बरती गई है. संवेदक भवन की सीलिंग में बिना प्लास्टर कराये पेंट करा कर पूरी राशि निकालने की तैयारी में जुट गया है. इसके अलावे दीवारों में दरार पड़ने लगी है. वहीं सीएचसी प्रबंधन ने गुणवत्ता युक्त कार्य कराने पर ही भवन को हैंड ओवर लेने की बात कही है. सीएचसी प्रभारी नफीस अंजुम ने कहा कि भवन निर्माण के दौरान संवेदक द्वारा काफी अनियमितता बरती गई है. सीलिंग को बिना प्लास्टर किये रंग दिया गया है. 2 हजार लीटर की टंकी की जगह मात्र 1 हजार लीटर की टंकी लगाई गई है. दरवाजा भी मजबूत नहीं लगाया गया है. खिड़की में खानापूर्ति के लिए बाहर से कील पर जाली लगाई गई है. उन्होंने उपायुक्त से कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है.

49 लाख की लागत से बनाया जा रहा है भवन : केरेडारी सीएचसी हेल्थ यूनिट भवन का निर्माण कार्य डीएमएफटी मद से लगभग 49 लाख रुपये की लागत से संजय कंस्ट्रक्शन द्वारा किया जा रहा है. योजना में लगभग आधी से अधिक राशि की निकासी कर ली गई है. छत की सीलिंग में प्लास्टर नहीं करने के संबंध में संवेदक संजय कुमार ने कहा कि सीलिंग का प्लास्टर जल्द ही उखड़ने लगता है. वहीं योजना में राशि 20 प्रतिशत घटाकर मिली है, जिससे काफी नुकसान हुआ है.

योजना की गुणवत्ता की जांच कराएंगे : आशीष आनंद

भवन निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने पर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर आशीष आनंद ने कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने की सूचना मिली हैं. संवेदक के कार्यों की बारीकी से जांच की जायेगी. काम में लापरवाही बरतने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी.

अधिकारियों ने कहा- यथासंभव अपना कार्यालयीन कार्य राजभाषा हिंदी में करने का प्रयास करें

दामोदर घाटी निगम में हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन

संवाददाता। हजारीबाग

दामोदर घाटी निगम में हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन करते अतिथि.

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए दामोदर घाटी निगम, हजारीबाग में हिंदी पखवाड़ा समारोह 13 से 30 सितंबर तक मनाया जा रहा है. इस दौरान दामोदर घाटी निगम के हजारीबाग परियोजना में चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है. सभी प्रतियोगिताओं को हिंदी भाषी वर्ग और हिंदीतर भाषी वर्ग में रखकर आयोजन किया जा रहा है. पखवाड़ा के दौरान निबंध, टिप्पण-आलेखन, भावपल्लवन एवं कम्प्यूटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. शुक्रवार को हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन मुख्य अतिथि संजय कुमार, निदेशक व परियोजना प्रमुख एवं विशिष्ट अतिथि अमित कुमार शील, वरिष्ठ महाप्रबंधक (विद्युत) के साथ शम्भुख वर्णवाल, दीपक कुमार, विकास कुमार, राहुल रंजन द्वारा किया गया.

संजय कुमार ने अपने संदेश में सभी कर्मियों से आह्वान किया कि वरिष्ठ अधिकारी यथासंभव अपना कार्यालयीन कार्य राजभाषा हिंदी में करें. इसके साथ-साथ उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि ज्यादा से ज्यादा प्रतियोगिता में भाग लेकर हिंदी पखवाड़ा को सफल बनायें. शील ने कहा कि परियोजना में कार्यालयीन कार्य शतप्रतिशत हिंदी में किया जा रहा है तथा इसे आगे भी बरकरार रखा जाए. उन्होंने सभी कार्मिकों से आग्रह किया कि हिंदी पखवाड़ा के दौरान सभी प्रकार के ई-मेल एवं ई-ऑफिस में अपना-अपना नोट सिर्फ हिंदी या हिंदी-अग्रेजी द्विभाषी रूप में ही भेजें. मंच का संचालन राहुल रंजन, उप प्रबंधक (मासं) ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन सुनील कुमार ने किया. कार्यक्रम में धीरज कुमर, अरूण कुमार सिन्हा, दीपक कुमार राणा, जीतु राम, सुबोध कुमार बागदी, पप्पु एवं गणेश बाबा ने कुशलतापूर्वक सहयोग दिया.

हिंदी दिवस विशेष

हिंदी की अनिवार्यता, उपादेयता और स्वीकार्यता : एक विस्तृत अध्ययन

डॉ आशुतोष प्रसाद
वरिष्ठ राजभाषा विशेषज्ञ

भारत में भाषा का प्रश्न सदैव ही संवेदनशील और विचारणीय रहा है. एक बहुभाषी देश होने के नाते यहां विभिन्न भाषाओं की बहुलता है, जो हमारी सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है. हिंदी, जो भारत की राजभाषा है, न केवल उत्तर भारत बल्कि देश के कई हिस्सों में संचार, शिक्षा, प्रशासन और साहित्यिक अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम बनी हुई है. इसके बावजूद हिंदी की अनिवार्यता, उपादेयता और स्वीकार्यता पर आज भी बहस जारी है. आइए, आज इन्हीं पक्षों पर करें बात...

हिंदी की अनिवार्यता : हिंदी की अनिवार्यता भारतीय संदर्भ में कई कारणों से महत्वपूर्ण है

1. राष्ट्रीय एकता का माध्यम : हिंदी भाषा को एकीकृत भारत का प्रतीक माना जाता है. भारत में भाषा और संस्कृति के संदर्भ में भिन्नता है, लेकिन हिंदी ने एक राष्ट्रीय भाषा के रूप में सभी को जोड़ने का काम किया है. हिंदी का सामान्य ज्ञान होने से एक व्यक्ति देश के किसी भी कोने में जाकर आसानी से संवाद कर सकता है.

2. राजकीय कार्यों में हिंदी की भूमिका : भारत के संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया है. संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार, हिंदी संघ की आधिकारिक भाषा है. केंद्रीय सरकार और कई राज्य सरकारों में प्रशासनिक कामकाज और दस्तावेज़ीकरण हिंदी में होता है. कई विभागों में हिंदी का प्रयोग सरकारी कार्यों में अनिवार्य किया गया है.

3. शिक्षा क्षेत्र में हिंदी का महत्व : प्राथमिक शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक हिंदी का एक महत्वपूर्ण स्थान है. विशेष रूप से हिंदी भाषी क्षेत्रों में, यह भाषा प्राथमिक माध्यम के रूप में उपयोग होती है, और कई प्रतियोगी परीक्षाओं में हिंदी में सवाल-जवाब का विकल्प होता है.

हिंदी की उपादेयता : हिंदी की उपादेयता को हम विभिन्न क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से देख सकते हैं

1. व्यापार और संचार : भारत की बड़ी आबादी हिंदी भाषी है. व्यापारिक दृष्टिकोण से हिंदी का ज्ञान न केवल उत्तर भारत बल्कि मध्य वपश्चिमी भारत में आवश्यक है. बाजार में सफलतापूर्वक कारोबार करने के लिए हिंदी का इस्तेमाल आवश्यक है. विज्ञापन और जनसंपर्क में हिंदी का प्रयोग अधिक होता है.

2. मीडिया और मनोरंजन : हिंदी ने भारतीय मीडिया, विशेषकर फिल्म और टेलीविजन उद्योग में महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है. बॉलीवुड, जो कि विश्व का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है, हिंदी फिल्मों से व्यापक पहुंच बनाए हुए है. हिंदी समाचार चैनल, रेडियो, और समाचार पत्र भी लोगों तक सूचनाएं पहुंचाने के प्रमुख साधन हैं.

3. डिजिटल युग में प्रासंगिकता : इंटरनेट के माध्यम से हिंदी में विभिन्न सामग्री उपलब्ध है, जिससे शिक्षा, सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स में हिंदी का प्रयोग बढ़ा है. आज, कई टेक कंपनियां अपने उत्पादों को हिंदी में लॉन्च कर रही हैं, जिससे इंटरनेट यूजर्स के लिए हिंदी का महत्व बढ़ गया है.

भविष्य में हिंदी की संभावनाएं

चुनौतियों के बावजूद हिंदी अपनी सरलता, व्यापकता और संपर्क की क्षमता के कारण निरंतर बढ़ रही है. डिजिटल प्लेटफार्मों, मोबाइल ऐप्स और सोशल मीडिया ने हिंदी को पुनर्जीवित किया है. सरकार द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उठाए गए कदम इसके भविष्य को और भी उज्ज्वल बना रहे हैं.

हिंदी की स्वीकार्यता : हिंदी बहुसंख्यक के बोलने की भाषा है. फिर भी स्वीकार्यता की चुनौतियां हैं

1. बहुभाषी देश में हिंदी की भूमिका : कुछ राज्य हिंदी की जगह स्थानीय भाषाओं को प्राथमिकता देते हैं. दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में, हिंदी के प्रति अस्वीकार्यता का माहौल है. यहां हिंदी को सरकारी कार्यों या शिक्षा के माध्यम के रूप में अपनाने का विरोध किया जाता है.

2. अंग्रेजी का बढ़ता प्रभाव : शहरी इलाकों में अंग्रेजी को अधिक प्रतिष्ठा और व्यावहारिकता के आधार पर प्राथमिकता दी जाती है. सरकारी और निजी क्षेत्रों की कई नौकरियों में अंग्रेजी भाषा का ज्ञान अनिवार्य होता जा रहा है, जिससे हिंदी भाषियों को पिछड़ने का खतरा बढ़ जाता है.

3. प्रवासी भारतीयों में हिंदी की स्थिति : कई देशों में हिंदी भाषी प्रवासी अपनी भाषा को बचाए रखने के लिए विभिन्न संगठनों के माध्यम से प्रयासरत हैं. फिर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की स्वीकार्यता सीमित है.

सुगम पथ बनाती एवं चुनौतियों से जूझती हिंदी

डॉ. कमल कुमार बोस
शिक्षाविद्, संस्कृतिकर्मी

हिंदी का विश्वव्यापी विराट रूप हम सबके लिए गौरव का विषय है. यह हिन्दी के अनवरत संघर्ष का ही परिणाम है कि लोकल से ग्लोबल बनने की दिशा में हिन्दी के बढ़ते कदम अति सराहनीय है. वैश्विक मानचित्र पर भारत का निरन्तर बढ़ता वर्चस्व भी इसका प्रमुख कारण है. पश्चिम में विकास से अघाए एवं अतिसंतृप्त मन को भारत में मौजूद विकास की अनन्त सम्भावनाएं आकर्षित कर रही हैं. भारत से दूर विदेशों में बसे अनेक भारतीयों के अन्तस में यह इच्छा भी बढ़ती जा रही है कि उनके बच्चे हिन्दी भाषा जरूर सीखें. भारत विश्व का बड़ा और आकर्षक बाजार है. भारत के विस्तृत आर्थिक परिदृश्य से विदेशी कम्पनियां प्रभावित हैं. उन्हें शिद्दत से यह महसूस हो रहा है कि भारत में कदम जमाने के लिए हिन्दी ज्ञान जरूरी है. प्रबल आवश्यकता इस बात की है कि विश्व भर में हिन्दी प्रचारित-प्रसारित हो एतदर्थ हिन्दी शिक्षण-प्रशिक्षण की दिशा में नई प्रविधि एवं शोध किया जाय. इसके लिए मानक पाठ्यक्रम के निर्माण पर भी जोर दिया जा रहा है.

शास्त्रीय बंधन से मुक्त हो

विश्व के मानचित्र पर एवं वैश्विक जनमानस में हिन्दी की छवि मूर्त हो सके, इसलिए यह भी जरूरी है कि हिंदी को शास्त्रीय बंधन से मुक्त किया जाय, भाषिक आडंबर से भी हिंदी भाषा मुक्त हो, हिन्दी की सभी शैलियों को खुली हवा में सांस लेने की छूट दी जाय, बनावटी और आडम्बरपूर्ण भाषा से बचने की जरूरत है. अरबी-फारसी के अल्फाज हिंदी के दुश्मन हैं- इस गलतफहमी से बचने की नितान्त आवश्यकता है. प्रान्तीय बोलियों भी हिन्दी के साथ चले. हिन्दी हमेशा परम्परा व प्राचीनता रूपी दादी की पोशाक पहनी रहे, यह भी जरूरी नहीं.

हावी है ग्लोबल सोच

सभी प्रायोजनिक क्षेत्रों में हिंदी ने शब्द-संग्रह और शब्द-निर्मिति से लेकर भाषिक संरचना तक सबका निरन्तर विकास किया है. इतने प्रकार की हिन्दी हमारे आस पास के दैनिक व्यवहार में हैं कि भाषा चिन्तक भी विस्मित और विचलित हैं. इंटरनेट से लेकर टेलीविजन तक कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक अमृतसर से लेकर ऐजल तक, फेसबुक से लेकर मिनीबुक तक हिन्दी की प्रयुक्तियों इतनी बहुआयामी हैं कि इक्कीसवी सदी की हिंदी के सामने नित नई चुनौतियां उभर रही हैं. एक चुनौती तो हिन्दी भाषा के परिसर में सब ओर व्याप्त भूमण्डलीकरण, उत्तर आधुनिकता, उत्तर उपनिवेशवाद बाजार-वाद आदि की आंधी तो है ही, जिसने सोच विचार कर सारे प्रच लित और स्वीकृत मानकों को अपदस्थ करने की ठान ली है. स्वभावतः हम हिंदी के बारे में जो वैश्विक परिपेक्ष्य में बातचीत के अभ्यासी हो गए हैं और हिंदी का कोई भी पक्षधर इक्कीसवी सदी की दहलीज पार करने बाद ग्लोबल सोच से इतर नहीं सोचता.

आत्ममुग्धता से बाहर निकले हिंदी

आज हिन्दी में पोर्टल, ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग, ई-मेल भेजने और पाने की सुविधा इंटरनेट पर उपलब्ध है. तमाम इलेक्ट्रॉनिक श्रव्य दृश्य माध्यमों और पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से हिंदी नए क्षेत्रों में विकसित हो रही है. लेकिन आज भी अंग्रेजी में डीटीपी तकनीक जितनी विस्तृत और सुलभ है उतनी हिन्दी में होना अभी बाकी है. विश्वमंच पर खड़ी हिन्दी के सामने यह बहुत बड़ी चुनौती है कि वह सायबर स्पेस की दुनिया में अपने को पूरी सशक्तता के साथ स्थापित करे, अपनी क्षमता प्रदर्शित करे. हिन्दी की अभिव्यक्ति को बेहतर और ताजा बनाये रखने के लिए आत्ममुग्धतता की लक्ष्मण रेखा से बाहर निकलकर पाचनशक्ति की विशालता का परिचय देना होगा. जैसे- हिन्दी में तिथि, दिनांक, तारीख और समानार्थी हैं. लेकिन उनकी प्रयुक्ति उन्हें विशिष्ट अर्थवत्ता प्रदान करती है. इसी आधार पर पुण्यतिथि को पुण्य तारीख नहीं लिखी जा सकती है. अदालतें तिथि नहीं, तारीख तय करती है. कोई लड़की डेट पर जाय तो तो उसे तिथि या तारीख पर भेजना उचित नहीं होगा. इसलिए अब हिन्दी में तिथि के साथ ही साथ तारीख और डेट को भी अपनाना होगा. हिन्दी शब्द भण्डार में किसी भी भाषा और बोली के शब्दों को स्वीकार लेना इस सदी की चुनौती ही है. मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, गायना की हिन्दी तो और भी भिन्न है. इन सारी भाषिक और लोकप्रचलित व्यवहारों की विविधता के बीच हिन्दी को को योग्य बनना होगा. तभी हिन्दी हिंग्लिश और हिन्ग्रेजी के बीच से अपनी सही राह का संधान कर सकेगी. आइए, हम इन चुनौतियों से जूझ रही एक समर्थ भाषा, एक जीवंत भाषा के प्रति अपनी सोधेश्य प्रतिबधिता साकार करें. हिन्दी का रथ आगे बढ़ चुका है, इसे कोई रोक नहीं सकता. विश्वशक्ति और महाशक्ति बनने की दिशा में आगे कदम बढ़ा चुके भारत के मुंह में उसकी अपनी जुबान होगी, अपनी जिह्वा होगी, अपनी हिन्दी होगी. इसमें कोई संदेह नहीं.

कविता

स्वाभिमान है हिंदी

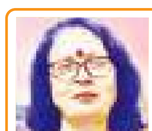

डॉ संगीता नाथ
शिक्षाविद्, साहित्यकार

हमारी शान है हिंदी,
प्रखर दिनमान है हिंदी.
करे हल प्रश्न दर्शन के,
अतुल प्रज्ञान है हिंदी.

रही गुंजित सदा उर में,
मधुर बन कर वो स्पंदन.
किशन की बांसुरी बन कर,
करे झंकृत हृदय कानन.
गगन धरती हो आह्लादित,
करे जड़ को भी स्पंदित.
भुला अंतर युगों के सब,
करे समभाव प्रज्ञापित.
अमन का गान मनभावन,
प्रणय की वेदिका पावन.
अमिय रस शांति का जग में,
सतत आह्वान है हिंदी.

बिहारी देव पद्माकर,
कबीरा सूर वरदायी.
सवैया छंद मीरा के,
कहीं मानस की चौपाई.

सरल सुंदर सहज भाषा,
सुगंधित नेह परिभाषा.
बहाते श्वेद खेतों में,
कृषक श्रमिक की अभिलाषा.
सजे शब्दों के आभूषण,
समाहित वांङमय दर्शन,
कहीं केशव कहीं भूषण,
कहीं रसखान है हिंदी.

नहीं हिंदी महज भाषा,
मधुर रिश्तों की है कुंजी,
यही बलिदान मानवता,
दया औ त्याग की पूंजी.
सुता संस्कृत ब्रह्मज्ञानी,
पराक्रम शौर्य की वाणी.
विरह औ हास का संगम,
नयन का है यही पानी.
स्वयंभू की कहानी है,
सुभद्रा की रवानी है.
धरोहर चिर सनातन की,
नवल निर्माण है हिंदी.

लघुकथा

हैप्पी वर्ल्ड हिंदी डे

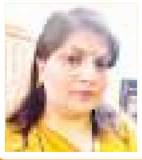

रश्मि सिंह
साहित्यकार

तालियों की गड़गड़ाहट लगातार जारी थी. राघवेन्द्र जी को "हिंदी साहित्य सजग प्रहरी" सम्मान से नवाज़ा जा रहा था. हिंदी कविता और कहानियों की उनकी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी थी. ऐसे साहित्य पुरोधाओं को आज विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री जी द्वारा सम्मानित किया जा रहा है. सम्मान पत्र, शॉल, स्मृति चिन्ह आदि से लदे फदे पत्रकारों के सवालों का जवाब देते अपनी गाड़ी में बैठकर घर रवाना हो जाते हैं. मोबाइल निकाल कर फेसबुक पर आज की उपलब्धि तस्वीर सहित डालने में लगे ही थे कि छोटे पोते का फोन आ गया... दादाजी आज मुझे हिंदी दिवस पर निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला है...."

एक्सेलेंट माई चाइल्ड कॉन्ग्रेच्युलेशन ,बट योर ग्रैंडपा टोल्ड यू दैट यू शुड टॉक इन इंग्लिश, आफ्टरऑल यू आर स्टडिंग इन अ रेप्युटेड स्कूल माई चाइल्ड......"राघवेन्द्र जी ने पोते को समझाते हुए कहा.

झारखंड

अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत

कोडरमा । जिले में हुए अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई. पहली घटना में बीती रात चंदवारा थाना अंतर्गत टोल टैक्स के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से ट्रेलर वाहन चालक की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान गया निवासी रविंद्र कुमार (35) के रूप में हुई है. दूसरी घटना तिलैया थाना क्षेत्र के महतो अहरा के समीप हुई है. बीती रात साइकिल से अपने घर जा रहे उमेश यादव (40) को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया, जिसमें उनकी मौत हो गई.

बालू के अवैध भंडारण के खिलाफ चला अभियान

चतरा । एनजीटी के नियमों की अवहेलना कर बालू का अवैध भंडारण करने के खिलाफ जिला प्रशासन ने शुक्रवार को कार्रवाई की है. यह कार्रवाई शिवपुर-कठौतिया रेल लाइन निर्माण कार्य में जुड़ी कंपनी के साइट पर की गई है. सिमरिया एसडीएम सन्नी राज व सीओ टंडवा विजय दास ने रेलवे निर्माण में लगी रॉयल इंफ्रा लिमिटेड कंपनी के निर्माण साइट से एक लाख टन अवैध रूप से जमा किया गया बालू को जब्त किया है.

किसान बिजली और बारिश की दगाबाजी से परेशान : प्रसाद

संवाददाता। बिश्रामपुर (पलामू)

कांडी प्रखंड में पिछले एक पखवारे से बारिश नहीं होने से यहां के किसान चिंतित हो उठे हैं. दूसरी तरफ पिछले एक माह से अधिक समय से बिजली की अनियमित आपूर्ति से कई किसानों की बिजली मोटर भी बेकार साबित हो रही है. यानी सुदूर प्रखंड के अधिकतर किसान दोहरी मार झेलने को अभिशप्त हैं. इसकी चिंता जतायी है ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद ने. श्री प्रसाद का कहना है कि वैसे तो पलामू प्रमंडल अकाल के लिए जाना जाता है, लेकिन सिंचाई परियोजना की बदहाल स्थिति इसके लिए पूर्णतया जिम्मेवार है. कई सुदूर प्रखंडों का लंबे समय से यही हाल है. इसपर राज्य की सभी सरकारों ने कभी इसपर ध्यान देना मुनासिब नहीं समझा. किसानों ने सुनाई बीडी प्रसाद को अपनी व्यथा

श्री प्रसाद ने शुक्रवार को अपने कार्यालय से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि खेतों में लगी मकई सहित अन्य फसलें पटवन के अभाव में सूखने लगी हैं. खेतों में दरारें दिखने लगी हैं. किसानों को भारी नुकसान का डर सताने लगा है. श्री प्रसाद से मंच के कार्यालय में मिलने आए कांडी के कई किसानों ने उन्हें बताया कि प्रखंड में बिजली की बदतर हालत और बारिश की दगाबाजी से ऊपरी क्षेत्र के धान की फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है. वहीं सिंचाई के समुचित साधन नहीं होने से खेतों में दरारें पड़ने लगी हैं. किसानों की बातें सुनने के बाद श्री प्रसाद ने बहुत जल्द बिजली विभाग और जिला कृषि पदाधिकारी से बात करने का आश्वासन दिया है. बीडी प्रसाद से मिलने आए कांडी के किसानों में प्रमुख रूप से अयोध्या केशरी, सुखदेव यादव, नवल किशोर विश्वकर्मा, रहमान कुरैशी, राम नारायण राम, कौशल चौधरी, रूपलाल कसेरा आदि शामिल थे.

जानकारी देते बीडी प्रसाद

निजीकरण और झारखंड का रोजगार संकट के सवाल पर छात्र-युवा कन्वेंशन

झारखंड में तेजी से बढ़ रहा निजीकरण : दीपंकर

- सार्वजनिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों में कटौती, रोजगार के अवसर भी घट रहे

संवाददाता। रांची

पुराने विधानसभा हॉल में आइसा और इंकलाबी नौजवान सभा द्वारा छात्र-युवा कन्वेंशन का आयोजन शुक्रवार को किया गया. इसकी अध्यक्षता आरवाईए के राज्य अध्यक्ष संदीप जायसवाल ने की. मुखय वक्ता के रूप में शामिल भाकपा (माले) के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने निजीकरण के बढ़ते प्रभावों पर चिंता व्यक्त की. उन्होंने बताया कि निजीकरण विशेषकर झारखंड में तीव्र गति से बढ़ रहा है, जिससे सार्वजनिक क्षेत्रों और शैक्षणिक संस्थानों में कटौती हो रही है और रोजगार के अवसर घट रहे हैं. उन्होंने धार्मिक कट्टरवाद के प्रसार और आरक्षण के मुद्दों पर भी चर्चा की. उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में आदिवासी, दलित और पिछड़े समुदाय के छात्रों को आरक्षण के खिलाफ हमलों का सामना करना पड़ रहा है, और रोजगार के अवसरों की कमी के कारण पलायन बढ़ रहा है, उन्होंने सम्मानजनक रोजगार गारंटी की मांग की.

आइसा इन मुद्दों पर लगातार आंदोलन करती रहेगी : आइसा के नेशनल प्रेसिडेंट नीलाशीष बोस ने शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों पर हो रहे हमलों की चर्चा की, उन्होंने कहा कि छात्रहित की बात करने वाले कार्यकर्ताओं को परेशान किया जा रहा है और नई शिक्षा नीति के नाम पर फीस में वृद्धि और अनुदान राशि में कटौती की जा रही है. उन्होंने आश्वस्त किया कि आइसा इन मुद्दों पर लगातार आंदोलन करती रहेगी. कन्वेंशन में आइसा और आरवाईए (इंकलाबी नौजवान सभा) के अविनाश रंजन, विभा, दिव्या भगत, रंजित सिंह, गुड्डू भुइयां, संजना मेहता,जयबीर हसदा, सोनू, शिव समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल थे. संचालन आइसा के राज्य सचिव त्रिलोकीनाथ ने किया.

केंद्र राज्य में मिलने वाली सहायता में कर रही कटौती : विनोद

बगोदर विधानसभा के विधायक विनोद सिंह ने राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करने में बाधाएं उत्पन्न की जा रही है. इसके साथ ही अतिरिक्त, केंद्र सरकार द्वारा राज्य को मिलने वाली सहायता में कटौती की जा रही है.

सऊदी अरब में फंसे झारखंड के 14 मजदूरों की घर वापसी

- 31 मजदूर अब भी फंसे, वापसी का प्रयास जारी

संवाददाता। रांची

सऊदी अरब में पिछले कई महीनों से फंसे झारखंड के 45 मजदूरों में से 14 की घर वापसी हो गई है. बाकी 31 मजदूरों की वापसी का प्रयास जारी है. ये सभी लोग हजारीबाग, गिरिडीह और बोकारो जिले के रहने वाले हैं. इन्हें केरल के एजेंटों ने अलग-अलग कंपनियों में मजदूरी के लिए भेजा था. मजदूरों से वहां कठिन परिस्थितियों में न सिर्फ जबरन काम कराया जा रहा है, बल्कि ज्यादातर की कई महीनों की मजदूरी भी बकाया है.

झारखंड सरकार के श्रम विभाग के आग्रह पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप से मजदूरों की वापसी के प्रयास चल रहे हैं. वापस आए मजदूरों ने बताया कि उन्हें केरल निवासी एजेंट आरएस पांडियन एवं एलके स्वामी ने सऊदी अरब भेजा था. वहां रोजगार दिलाने के एवज में हर मजदूर से 55 हजार रुपये लिए गए थे. 11 मई 2023 को वे सऊदी रवाना हुए, लेकिन उन्हें कठिन परिस्थितियों वाले काम में लगा दिया गया. सैलरी भी वादे के अनुसार नहीं दी गई.

ये मजदूर घर पहुंचे

वापस आए मजदूरों में हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के बलमक्का निवासी तिलक महतो, उच्चघना निवासी नंदलाल महतो, सुकर महतो व सुनील महतो, करगालो निवासी बहादुर महतो, नागेश्वर महतो, नागी निवासी चुरामन महतो, गालोबार निवासी भुवनेश्वर महतो, गोरहर थाना क्षेत्र के भैयाडीह निवासी बाल गोविंद महतो, गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के नावाडीह निवासी सोहन कुमार, बेको निवासी कामेश्वर साव, निमियाघाट थाना क्षेत्र के पोरदाग निवासी गणेश साव व बोकारो जिले के चतरोचट्टी क्षेत्र के बड़की सीधा बारा निवासी मनोहर महतो शामिल हैं. इन सभी ने शुक्रवार को गिरिडीह के झामुमो विधायक सुदिव्य कुमार सोनू से भी मुलाकात की.

सम्मान

शाबाश योजना के तहत सेल के 29 अधिकारियों व कर्मचारियों को किया पुरस्कृत

कमियों को ठीक करने वाले देश को आगे बढ़ाते हैं : बीरेंद्र तिवारी

संवाददाता । किरीबुरु

सेल, बीएसएल के प्रभारी निदेशक बीरेंद्र कुमार तिवारी ने ऑफिसर्स क्लब, किरीबुरु में आयोजित सेल, शाबाश योजना 2023-24 (कैटेगरी-दो) के तहत किरीबुरु, गुवा व खदान के 29 सेल अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने-अपने खदान व विभाग में बेहतर कार्य कर सेल को लाभ पहुंचाने के लिए पुरस्कृत किया. बीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि जितनी नकारात्मक चीजें हैं वह समाज व मीडिया में सुर्खियां बन जाती हैं. उसपर अधिक चर्चाएं होने लगती हैं. समाज में निराशाजनक वातावरण बन जाता है, जो नहीं होना चाहिए. लेकिन नकारात्मक चीजों से अधिक सकारात्मक कार्य हमारे खदान व समाज में होते हैं, लेकिन हम उन चीजों की चर्चा नहीं करते हैं. यह शाबाश अवार्ड इसलिए शुरू किया गया, क्योंकि जिस दिन कोई अच्छी चीज हो उस दिन ही हम उसे प्रोत्साहन दे पाएं. उन्होंने कहा कि समाज में तीन प्रकार के लोग होते हैं, पहला कि कोई भी काम पर कमियां निकालते हैं. दूसरा वह जो काम की सराहना करते हैं तथा तीसरा वह जो कमियां हैं उसे बिना शिकायत किये ठीक कर बेहतर बनाने का काम करते हैं. हमें तीसरा व्यक्ति बनने की जरुरत है. हमें अपने रुटीन वर्क से कुछ अलग करने की कोशिश करनी होगी. यह तभी होगा जब अपने काम को इन्ज्वॉय करते हुए दिल, दिमाग व मेहनत लगाएंगे.

ग्रुप फोटो में अधिकारी व पुरस्कृत सेलकर्मी

सफलता के पीछे पूरे परिवार का योगदान रहता है : उन्होंने कहा कि किसी की सफलता के पीछे उसका पूरा परिवार का योगदान व सहयोग रहता है. इसलिए हम हर सेलकर्मियों व श्रमिकों के परिवार के तमाम सदस्यों को भी शुभकामनाएं देते हैं. सेल की खदानों में यह मेरा पहला दौरा है. पिछले तीन वर्षों से यहां आने के लिए प्रयासरत था, आज सफलता मिली. यहां का माहौल, खदान प्रबंधनों द्वारा सीएसआर के क्षेत्र में महिला स्वरोजगार, गरीब छात्रों की निःशुल्क शिक्षा, खिलाड़ियों के लिए बेहतर मंच देकर आगे बढ़ाने का जारी प्रयास आदि तमाम कार्य सराहनीय हैं. सेल, बीएसएल के कार्यपालक निदेशक (खान) जे दासगुप्ता ने कहा कि सेल, बीएसएल ने पिछले 2-3 वर्षों से अपने सेलकर्मियों के बेहतर कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिये कई पुरस्कार योजनाओं को शुरू किया गया है. इससे सेल व कर्मी दोनों को काफी लाभ हुआ है.

इन्हें किया गया पुरस्कृत : पुरस्कार पाने वालों में प्रवीण कुमार (उप महाप्रबंधक), रथिन विश्वास एवं अरुण कुमार प्रधान (सहायक महाप्रबंधक), रोहित टोप्पो (वरिष्ठ प्रबंधक), उमाकांत मल्लिक एवं हेमंत कुमार सस्मल (उप प्रबंधक), कामिल सोय मुरूम, हीरालाल सुंडी, लोकपति टुडू, ब्रज मोहन दास, संजय कुमार, नाबा किशोर नायक, नेहेमिया भेंगरा, भगवान दास, बासु हेस्सा, प्रभात कुमार पांडा, धीरेन्द्र कुमार प्रुस्टी, अनिल कुमार हेम्ब्रोम, मनोज कुमार चौधरी, बिमल लोम्गा (सभी किरीबुरु), डीके मंडल (उप महाप्रबंधक), देबाशीष पटनायक (दोनों चिड़िया), श्यामल शाश्वत, धर्मेंद्र सेठिया, तुलसी नाथ केशरी, संजय कुमार प्रधान, रंजीत कुमार महापात्रो, मन्ना राम तानी, समरक रंजन नायक (सभी गुवा) शामिल हैं.

मानवाधिकार बोर्ड ने कैदी मौत मामले में लिया संज्ञान

- जेल जाकर की जांच नशे का आदी था कुंदन, समय पर ड्रग्स नहीं मिलने के कारण तोड़ा दम : जेल अधीक्षक

संवाददाता। पलामू

मानवाधिकार आयोग परिषद पलामू बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती संध्या देवी एवं लीगल सेल के सचिव सह अधिवक्ता रुचिर कुमार तिवारी, जिला कोऑर्डिनेटर सदस्य शीला कुजूर, मेंबर अंकित कुमार कश्यप ने शुक्रवार को कैदी कुंदन कुमार पांडे मौत मामले की जांच की. केन्द्रीय कारा में 11 सितंबर को कैदी कुंदन कुमार पांडे की मौत हो गयी थी. परिजनों जेल प्रशासन पर पिटाई से मौत हो जाने का आरोप लगाया था. बोर्ड की अध्यक्ष एवं अन्य ने जेल अधीक्षक भागीरथ करजी एवं जेलर प्रमोद कुमार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली. जेल अधीक्षक ने कहा कि कैदी कुंदन के साथ किसी भी प्रकार से मारपीट नहीं की गयी थी. मृत्यु का कारण पूछने पर उन्होंने बताया कि कुंदन ड्रग्स का आदी था. जेल में नशा करने के लिए ड्रग्स नहीं मिलने के कारण मौत वाली रात 11 बजे उसके शरीर में ऐंठन एवं कंपन्न होने लगा था. जेल डॉक्टर रोहित पांडे ने उसका इलाज किया. सुधार नहीं होने पर सुबह 4 बजे जेल से एमआरएमसीएच में भेजा गया, जहां उसने दम तोड़ा.

रुचिर तिवारी ने सुनील कुमार नामक कैदी का आधार कार्ड नहीं बनने से बेल होने के बाद भी उसके जेल में बंद रहने की जानकारी दी.

साख, लोकतंत्र और इंसाफ

लोकतंत्र एक शासन प्रणाली से कहीं अधिक है. यह मुख्य रूप से सम्मिलित जीवन जीने तथा संयुक्त संचारित अनुभव की प्रक्रिया है. व्यक्ति समुदाय का निर्माण कर सकते हैं, लेकिन संस्थाएं ही राष्ट्र का निर्माण कर सकती हैं. कोई भी सरकार मजबूत विपक्ष के बिना लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रह सकती. लोकतंत्र का मूल तत्व इन्हीं विचारों के इर्दगिर्द निर्मित होता है, लेकिन आज के भारत में लोकतंत्र, संविधान, संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता और राजनीतिक दलों के बीच के अंतरसंबंधों में बढ़ती शत्रुता के तत्वों को ले कर अनेक तरह के सवाल उठते रहे हैं. समावेश, सहकार और राजनीतिक सहअस्तित्व के बुनियादी सवाल भी मौजूद हैं. कुछ घटनाएं बताती हैं कि लोकतंत्र के उच्चतर मूल्यों के ऊपर राजनीति प्रेरित लाभ हानि का भाव किस तरह प्रभावी होता जा रहा है. भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि देश का प्रधानमंत्री सर्वोच्च अदालत के मुख्य न्यायाधीश के आवास पर एक निजी धार्मिक आयोजन में शामिल हुए हैं. इसके पहले भी प्रधानमंत्री एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश के सर्वोच्च अदालत के चेंबर में चाय पी चुके हैं. आमतौर पर भारत के प्रधानमंत्रियों की सर्वोच्च अदालत के प्रमुख से सार्वजनिक कार्यक्रमों में मुलाकात की परंपरा रही है. लेकिन भारत की राजनीति नए प्रयोग के कारण पैदा होने वाले साख के संकट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. ऐसा पहले भी कम हुआ है कि सर्वोच्च अदालत के आदेश के बावजूद आंदोलनरत रेजिडेंट डॉक्टरों ने कार्यस्थल पर वापसी न की हो. आरजी मेडिकल कॉलेज की घटना के बाद से कोलकाता में डॉक्टरों की हड़ताल अब भी जारी है. पूछा जा रहा है कि मकसद इंसाफ पाना है या फिर राजनीति करना. इसी क्रम में बंगाल के मुख्यमंत्री ने इस्तीफा देने तक की बात की है. आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले में ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की पेशकश की है. उन्होंने कहा है कि 'मुझे पद की चिंता नहीं है. मुझे न्याय चाहिए, सिर्फ न्याय मिले मुझे इसकी चिंता है.' उन्होंने यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा बैठक का सीधा प्रसारण करने के उनके अनुरोध को ठुकरा दिए जाने के बाद जूनियर डॉक्टरों के 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलने से इनकार कर दिया. मीडिया को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से चर्चा का इंतजार कर रही है. उन्होंने साफ किया कि वह हड़ताली जूनियर डॉक्टरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेंगी. तृणमूल कांग्रेस ने इस मामले में एक बयान जारी कर कहा है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दो घंटे तक इंतजार किया. इसने कहा है कि दो बार वार्ता को खारिज किए जाने के बाद भी बातचीत का प्रयास किया गया. शुरुआत में 15 प्रतिनिधियों के लिए मंजूरी थी, जिसको बाद में 30 तक बढ़ाई गई. इसने कहा है कि उनके लिए सौहार्दपूर्ण समाधान से ज़्यादा ज़रूरी लाइव स्ट्रीमिंग है.

> मीडिया को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से चर्चा का इंतजार कर रहे हैं. उन्होंने साफ किया कि वह हड़ताली जूनियर डॉक्टरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेंगी.

सुभाषित

खलः सर्षपमात्राणि पराच्छिद्राणि पश्यति ।
आत्मनो बिल्वमात्राणि पश्यन्नपि न पश्यति ।।

दुष्ट मनुष्य की यही प्रकृति होती है कि उसे दूसरों का सरसों जैसा दोष भी बहुत बड़ा होकर दिखायी पड़ने लगता है, लेकिन अपने भीतर बेल के फल के समान बड़ा दोष भी दिखायी नहीं पड़ता. अर्थात दुष्टों को हमेशा दूसरों के भीतर के दोष अधिक दिखाई देते हैं. परंतु स्वयं के अंदर कोई दोष नहीं दिखाई देता है.

राजनीति में चील-कौवों का रहस्य

कुछ ही काल बाद राज्य में चुनाव की तैयारी है. यह रहस्य ही है कि चुनाव परिणाम कैसा होगा, लेकिन यह बात रोमांचित करती है कि भाजपा के पास चुनावी लिहाज से चार पूर्व मुख्यमंत्री हैं और पीएम सहित कई बड़े-बड़े राजनेता हैं, जिनका मुकाबला हेमंत के नेतृत्व को करना है. हेमंत सरकार ने खजाने का मुंह खोल रखा है. बेशक यह राशि अवाम की है. इसमें से कुछ हजार देकर लोगों को जीने-खाने लायक बनाये रखा जा सकता है.

झारखंड भाजपा के सह चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने नौ सितंबर को रांची पहुंचते ही कहा, कांग्रेस के 12-14 और झामुमो के 2-3 विधायक संपर्क में हैं. सभी भाजपा में शामिल होना चाहते हैं. सियासत का यह रहस्य है. उनकी अगली लाइन रोमांच पैदा करती है कि इन सबको शामिल करा लिया जाय, तो पार्टी के लोग नाराज हो जाएंगे. भाजपाई भी अपने नेतृत्व से नाराज होते हैं, यह बात रोमांचित करती है. कांग्रेस के कुल जमा 17 ही तो विधायक हैं, 12-14 भागने की सोच रहे हैं तो बचेंगे कितने? यूं, जब चम्पाई सोरेन जैसा मुख्यमंत्री रहा शख्स पाला बदल सकता है तो विधायकों-मंत्रियों की क्या बिसात? खबर है कि भाजपा के परम पुरुष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी 15 सितंबर को झारखंड में चुनाव अभियान का श्रीगणेश करेंगे. उसके बाद का रहस्य- रोमांच यह कि भाजपा की प्रमंडलवार परिवर्तन संकल्प यात्रा के सिलसिले में छोटे से झारखंड के लिए फिक्रमंद पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहनचरण मांझी भी शिरकत करेंगे.

दूसरी ओर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नौ सितंबर को एक रहस्य खोला. उनका कहना था कि राज्य में चुनावी घंटी बजना अभी बाकी है, लेकिन राजनीतिक चील-कौवे मंडराने लगे हैं. कोई कहीं से आ रहा है तो कोई कहीं से. जवाब में भाजपा के राज्य चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, झारखंड को चील-कौवे के जैसे नोंचकर खा रहे सत्ताधारी दल के लोग. चुनाव की घोषणा होने और उसके बाद जब सबकुछ पीक पर होगा, तब न जाने कौन-कौन से वचन सुनने को मिलेंगे. यह है हमारे परिपक्व प्रजातंत्र का रहस्य-रोमांच.

• देश-काल

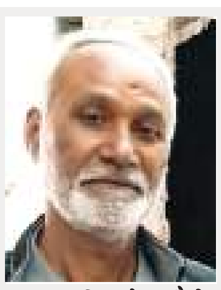

श्याम किशोर चौबे

कुछ ही काल बाद राज्य में चुनाव की तैयारी है. यह रहस्य ही है कि चुनाव परिणाम कैसा होगा, लेकिन यह बात रोमांचित करती है कि भाजपा के पास चुनावी लिहाज से चार पूर्व मुख्यमंत्री हैं और पीएम सहित कई बड़े-बड़े राजनेता हैं, जिनका मुकाबला हेमंत के नेतृत्व को करना है. हेमंत सरकार ने खजाने का मुंह खोल रखा है. बेशक यह राशि अवाम की है. इसमें से कुछ हजार देकर लोगों को जीने-खाने लायक बनाये रखा जा सकता है. युवा वर्ग को भलीभांति शिक्षित कर और हुनरमंद बनाकर पूरे समाज को तरक्की के जिस रास्ते पर ले जाने की दरकार है, उस पर न तो राज्य सरकार केंद्रित है, न ही केंद्र सरकार. यह एक बड़ा मिशन हो सकता है, जो सुचिंतित कदम उठाकर पूरा किया जा सकता है. हेमंत सरकार ने मईंयां सम्मान योजना सहित अन्य महत्वाकांक्षी योजनाएं चला रखी है. दूसरी ओर मोदी सरकार की पीएम आवास योजना के तहत एक लाख तेरह हजार से अधिक लाभुकों के खाते में 15 सितंबर को दो-दो लाख रुपये डालने की संभावना रोमांचित करती है. हमारी सरकारें मतलब माल महाराज का, मिरजा खेलें होरी. जैसे हर किसी के वोट की गारंटी है, वैसे ही वे हर किसी के रोजगार की गारंटी देतीं तो खजाने का रुख कुछ और बड़े और स्थायी विकास की ओर मुड़ता. जीने के लिए हजार-दो हजार नकद या घर-मकान के लिए दो लाख रुपये के लिए लगी लंबी लाइनें बता रही हैं कि 57-58 साल की तरक्की पर हम चाहे जितना लहालोट हो लें, गरीबी और अशिक्षा से लस्त-पस्त हैं.

चुनाव आयोग राज्य में चुनाव की तैयारियां कर रहा है. समय हो चला है. इसी संदर्भ में राजनीतिक दल तरह-तरह के पैंतरे भांज रहे हैं. देश का सबसे बड़ा दल भाजपा हो कि दूसरे नंबर वाली कांग्रेस या राज्य का सबसे बड़ा दल झामुमो, कोई भी अकेलेदम मैदान मारने की स्थिति में नहीं है. इनको कई छोटे दलों का सहारा लेना ही लेना है. वे दल मोल-तोल में लगे हुए हैं. इनमें अद्भुत बैलेंसिंग पावर है. अलग-अलग लड़कर ये भले ही पिट-मिट जाएं, बड़े दलों को जबर्दस्त नुकसान पहुंचाने की हैसियत रखते हैं. 2019 में इस रहस्य का रोमांचकारी अनुभव हुआ था. इस रहस्य से रोमांचित अभी राज्य में सबका वजन मापा जा रहा है. दस साल राज्य की राजनीति से आउट रहा जदयू इस बार अचानक सक्रिय हो गया है. हालिया लोकसभा चुनाव का यह रहस्य है. भाजपा को दिल्ली में जदयू का सहारा मिला तो वह झारखंड में पूर्व भाजपाई सरयू राय को पाकर रोमांचित हो उठा है. जातीय समीकरण के लिहाज से नया नवेला झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा दोनों गठबंधनों की नजरों से ओझल नहीं है. अभी यह रहस्य है कि उसका कहीं एडजस्टमेंट होता है या नहीं. लोकसभा चुनाव की नाईं वह एकला चलो की नीति पर डटा रहा तो रोमांचक परिणाम की स्थिति बना सकता है. यूं, लोजपा, हम, आप, वामदल, टीएमसी आदि-आदि का भी अलग-अलग रहस्य है और वे इधर-उधर से अपनी-अपनी हैसियत के अनुसार मोल-भाव के लिए रोमांचित हैं. बाकी नई-नई उग रहीं कुछ पार्टियों के अलावा निर्दलीय भी झारखंड के लिए कम रहस्यमय नहीं होते. चुनावों में जीत-हार एक-दो वोटों से भी होती है. अभी बड़े दल सियासी रहस्य बढ़ाने में लगे हुए हैं. परत-दर-परत जब वे उसे खोलेंगे, तब रोमांच बढ़ना स्वाभाविक है. यूं, सियासत अपने आप में गूढ़ रहस्य है, जो समय-समय पर रोमांचित करती है. अपनी कीमत से अधिक वसूलने के बावजूद वह अवाम को उसका देय देने के बदले लाइन में खड़ा कर देती है. ठीक ही कहा गया है, चुनाव दो चरणों में होते हैं, पहले वे आपके चरणों में होते हैं और फिर आप उनके चरणों में होते हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

वैराग्य की कसौटी

विकार उत्पन्न करने वाले कारणों से बचना, उनसे भागना और विकार उत्पन्न करने वाले कारणों के बीच भी विकार रहित बने रहना दो अलग-अलग चीजें हैं. संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी दूसरे पक्ष की ही अधिक सराहना करते हैं. और यह स्थिति दुर्लभतम है. भोगों का अभाव अथवा भोगों की अनुपलब्धता त्याग और वैराग्य के अंतर्गत नहीं आता है. जैसे किसी का विवाह नहीं होता है और कुछ लोग विवाह नहीं करते. दोनों स्थितियों में बहुत अंतर है. कई लोगों के जीवन में त्याग और वैराग्य के बीच में संघर्ष चलता रहता है. एक लोग बता रहे थे कि एक व्यक्ति ने विवाह नहीं किया. यह त्याग हुआ. फिर उन्होंने प्रतिज्ञा की कि किसी स्त्री को स्पर्श नहीं करेंगे और न किसी स्त्री से चरण स्पर्श करवाएंगे. फिर उन्होंने प्रतिज्ञा की कि बस और ट्रेन में यात्रा नहीं करेंगे, क्योंकि बस और ट्रेन में महिलाएं भी चलती हैं. इसलिए बस और ट्रेन में यात्रा करने से स्त्री से स्पर्श हो जाने की सम्भावना रहेगी. यह त्याग और वैराग्य के मध्य संघर्ष है. एक संत कह रहे थे कि एक बार किसी अच्छे संत ने कहा था कि हीरे, सोने, मणि, माणिक्य आदि की सड़कें, भवन आदि बनवा दिए जाएं तो उसे देखकर भी मेरे मन में लोभ-विकार नहीं आएगा. यह मैं बड़ी दृढ़ता और बड़े विश्वास से कह सकता हूं. लेकिन यही बात इतनी दृढ़ता और विश्वास के साथ मैं स्त्रियों के सम्बंध में नहीं कह सकता. लेकिन संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी के सिद्धांतों की बात की जाए तो वैराग्य की असली कसौटी जंगल में अथवा एकांत में नहीं होती है. जिससे विकार उत्पन्न होता है अथवा हो सकता है उन कारणों से दूरी बनाने अथवा भागने से नहीं होता है. जो विकार उत्पन्न कर सकने वाले कारण के बीच विकार रहित रह सके उसे गोस्वामी जी ने धीर-महापुरुष कहा है. और यही वैराग्य की असली कसौटी है. और इस कसौटी पर खरा उतरने वाला महापुरुष आज के समय में दुर्लभ ही है. त्याग और वैराग्य के बीच संघर्ष करने वाले बहुत लोग मिल जाते हैं-ते धीर अछत बिकार हेतु जे रहत मनसिज बस किएं. इसी तरह गोस्वामी जी रामजी, सीताजी और लक्ष्मण जी के त्याग और वैराग्य की अपेक्षा भरत जी के त्याग और वैराग्य की सराहना करते हैं. क्योंकि रामजी, सीताजी और लक्ष्मण जी वन में त्याग और वैराग्य से रहते हैं और तपस्या करते हैं लेकिन वन में वैभव नहीं है.

श्रीलंका चुनाव किस दिशा की ओर

• देशांतर

अरुण कुमार श्रीवास्तव

श्रीलंका में 21 सितंबर, 2024 को राष्ट्रपति चुनाव होंगे, जिसमें 220 लाख की कुल आबादी में से 170 लाख लोग मतदान करेंगे. विदेशी समाचार विश्लेषकों का मानना है कि श्रीलंका 'नयी दृष्टि, साहसिक सुधार और स्थिर नेतृत्व' का चयन करेगा. कुल 38 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भी शामिल हैं, जो एक स्वतंत्र उम्मीदवार हैं. विक्रमसिंघे ने खाद्यान्न, ईंधन, रसोई गैस और दवा की सामान्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कठोर मितव्ययिता उपाय लागू किये और करों में वृद्धि की, और उन्हें उम्मीद है कि मतदाता उन्हें देश की अर्थव्यवस्था को सामान्य स्थिति में लाने के लिए एक और मौका देंगे. हालांकि, छह बार प्रधानमंत्री रह चुके विक्रमसिंघे को पुरानी पीढ़ी के उन राजनेताओं में से एक माना जाता है, जिन्हें मौजूदा आर्थिक गड़बड़ियों के लिए स्वयं को भी जिम्मेदार मानना चाहिए. विक्रमसिंघे के लिए मार्क्सवादी गठबंधन, नेशनल पीपुल्स पावर के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके एक प्रमुख चुनौती बनकर उभरे हैं. एक अन्य चुनौती विक्रमसिंघे की पार्टी, यूनाइटेड पीपुल्स पावर के सजित प्रेमदासा हैं. विभाजन के बाद, प्रेमदासा, जो राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के डिप्टी थे, अब इस पार्टी के नेता हैं. वह श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में एक और उम्मीदवार हैं. राजपक्षे वंश से, महिंद्रा राजपक्षे के बेटे नमिल राजपक्षे चुनाव लड़ रहे हैं. इन चार नेताओं में से एक के श्रीलंका के अगले राष्ट्रपति के रूप में उभरने की उम्मीद है.जबकि इन उम्मीदवारों ने अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को रेखांकित किया है, सीमित संसाधनों और भारी बाहरी ऋणों के सामने पैंतरेबाज़ी के लिए सीमित जगह को देखते हुए, उनके चुनावी वायदों को शायद ही गंभीरता से लिया जाता है. जबकि दिसानायके उन युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं, जो एक कुशल और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चाहते हैं, प्रेमदासा अल्पसंख्यक तमिल वोटों पर भरोसा कर रहे हैं, और विक्रमसिंघे ने हाल ही में मुस्लिम वोटों पर नज़र रखते हुए एक मुस्लिम मंत्री को नियुक्त किया है. जबकि हर कोई चाहता है कि भ्रष्टाचार खत्म हो और अर्थव्यवस्था की सामान्य स्थिति बहाल हो, कोई भी केंद्रीय मुद्दा चुनाव पर हावी नहीं है.पूर्व वित्त मंत्री एरन विक्रमरत्ने का कहना है कि श्रीलंका में सबसे बड़ी समस्या अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि कानून के शासन की अनुपस्थिति है. 'यदि कानून का शासन कायम रहता है और हर नागरिक को लगता है कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है, चाहे वह किसी भी स्थिति, शक्ति या धन का हो, तो हर नागरिक सम्मान के साथ रह सकता है. यह जानकर कि कानून काम करता है, विदेशी निवेशकों को इस देश में निवेश करने के बारे में विश्वास मिलेगा. साजिथ प्रेमदासा के एसजेबी ब्लूप्रिंट - समागी जन बलवेगया (एसजेबी) - के अनावरण के अवसर पर बोलते हुए मैंने दोहराया कि एसजेबी सरकार कानून के शासन को बनाये रखेगी और बढ़ावा देगी, अर्थव्यवस्था को वास्तविक सुधार और तीव्र विकास की ओर ले जाएगी,' उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा. श्रीलंका के सरकारी कर्मचारियों और सैन्य कर्मियों ने डाक से अपने वोट डालना शुरू कर दिया है. लगभग 700,000 सरकारी कर्मचारी वोट देने के पात्र हैं. हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण, अंतरराष्ट्रीय शक्तियां श्रीलंका में प्रभाव के लिए होड़ करती हैं. पड़ोसी क्षेत्रीय शक्तियां भारत और चीन अक्सर इस द्वीप राष्ट्र में प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा करते देखे जाते हैं. जबकि चीन ने कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बनायीं और हंबनटोटा बंदरगाह और लगभग 15,000 एकड़ जमीन 99 साल के पट्टे पर हासिल की, भारत ने आर्थिक संकट के दौरान 4अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह बाहरी ऋणों, ज्यादातर चीनी के बोझ तले दब न जाये. महिंद्रा राजपक्षे (2005-2015) के शासनकाल के दौरान, श्रीलंका ने चीनी ऋणों द्वारा वित्तपोषित कई महंगी अवसंरचना परियोजनाएं शुरू कीं, जिन्हें कई लोग सफेद हाथी मानते हैं, जो किसी वास्तविक उद्देश्य की पूर्ति नहीं करते. भारत और चीन के अलावा, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित कई अन्य देश और ब्लॉक, श्रीलंका में इसके रणनीतिक स्थान के कारण प्रभाव डालने के इच्छुक हैं.

> विभाजन के बाद, प्रेमदासा, जो राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के डिप्टी थे, अब इस पार्टी के नेता हैं. वह श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में एक और उम्मीदवार हैं. राजपक्षे वंश से, महिंद्रा राजपक्षे के बेटे नमिल राजपक्षे चुनाव लड़ रहे हैं. इन चार नेताओं में से एक के श्रीलंका के अगले राष्ट्रपति के रूप में उभरने की उम्मीद है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

रात भर जगते हैं, नींद नहीं आती है

• मनोविज्ञान

रेनू गहलोत रॉय

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अनिद्रा सबसे बड़ी समस्या के रूप में उभरी है और इससे हर आयुवर्ग के लोग परेशान हैं. मेरे पास एक पीड़ित सज्जन अपनी नींद की समस्या लेकर आए. उनकी दीदी, जो स्वयं एक डॉक्टर थी, उन्होंने अपॉइंटमेंट लेते समय मुझे बताया था कि मेरे भाई को फैटी लीवर की भी समस्या है. मैंने जब उनसे बात की तो उनकी मुख्य समस्या थी कि उन्हें रात में नींद ही नहीं आती थी. वह रात भर जगे रहते थे. उनको सोने में बहुत कठिनाई होती थी. वह सो ही नहीं पाते थे. उन्हें समझ में नहीं आ रहा था कि वह सो क्यों नहीं पा रहे हैं. हालांकि वह सोचते भी बहुत थे. उसके ठीक दूसरे दिन मैंने 'शुभम संदेश' में प्रकाशित एक लेख पढ़ा, जिसमें एक रिसर्च के बारे में बताया गया था कि नींद की समस्या फैटी लीवर की समस्या से भी जुड़ी हुई है. चलिए आज हम नींद की समस्या के बारे में ही बात करते हैं. नींद की समस्या को इनसोम्निया भी कहा जाता है. अनिद्रा एक नींद संबंधी विकार है. अगर आपको अनिद्रा है तो आपको सोने या सोते रहने में कठिनाई होती है. अनिद्रा में निम्नलिखित समस्याएं शामिल हो सकती हैं. जैसे नींद आने में कठिनाई, रात में जाग जाना और दोबारा सोने में परेशानी होना बहुत जल्द जग जाना और दोबारा सो न पाना, जागने पर तरोताजा महसूस न करना आदि. अनिद्रा के कारण निम्नलिखित लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं जैसे तनाव, सिर दर्द, अवसाद, चिंता. अनिद्रा के लिए कई उपचार हैं, जिसमें स्लिप हाइजीन या नींद की स्वच्छता में अच्छी आदतें बनाना शामिल है, जो आपको अच्छी नींद लेने में मदद करेगी. यदि आपकी अनिद्रा खराब नींद की स्वच्छता के कारण होती है तो उपचार में पहला कदम स्वस्थ नींद की आदतों को अपनाना सीखना और किसी भी जीवनशैली कारकों को बदलना है. नींद की स्वच्छता संबंधी आदतों में आप यह कर सकते हैं. जैसे नियमित नींद के पैटर्न को बनाए रखें. हर दिन लगभग एक ही समय पर सोने और जागने की कोशिश करें और दिन में झपकी लेने से बचें. बिस्तर पर बहुत ज़्यादा देर तक न रहें. सुनिश्चित करें कि आपका बेडरूम आरामदायक हो. यह शांत और अंधेरा होना चाहिए. न बहुत गर्म और न ही बहुत ठंडा. अपने बेडरूम से घड़ियां हटाने पर विचार करें, ताकि आपको बार-बार समय न देखना पड़े. अपने बेडरूम में स्क्रीन न रखें और सोने से एक घंटे पहले तक स्क्रीन का इस्तेमाल न करें. निकोटीन का सेवन बंद कर दें. शराब का सेवन कम कर दें या बंद कर दें तथा कैफीन का सेवन केवल सुबह के समय ही करें. नियमित रूप से व्यायाम करें. यदि आपको नींद नहीं आ रही हो तो दूसरे कमरे में चले जाएं और कोई शांत गतिविधि करें जैसे पढ़ना, जब तक कि आप थक न जाएं. फिर पुनः प्रयास करें सोने से पहले कुछ ऐसा करें, जो आपको आरामदायक लगे. जो भी बात आपको परेशान कर रही हो, उसे सोने के समय के बजाय दिन में पहले ही निपटाने का प्रयास करें. सोने से पहले अपने शरीर और दिमाग को आराम देना सीखें. इससे आपको चिंताओं से छुटकारा पाने और अपने शरीर को सोने के लिए तैयार करने में मदद मिल सकती है. सांस लेने के व्यायाम, प्रगतिशील मांसपेशी विश्राम और ध्यान सोने से पहले उपयोगी तकनीकें हो सकती हैं. संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (सीबीटी) आमतौर पर उपचार की पहली पंक्ति होती है. यदि नींद की रणनीतियों और विश्राम से आपको मदद नहीं मिली हैं तो सीबीटी एक उपचार है, जो इस विचार पर आधारित है कि आप कैसे सोचते हैं और कार्य करते हैं. यह आपके महसूस करने के तरीके को प्रभावित करता है. यह आमतौर पर एक मनोवैज्ञानिक द्वारा प्रदान किया जाता है. सीबीटी अनिद्रा, चिंता और अवसाद के लिए प्रभावी हैं. नींद की गोलियां सीबीटी की तुलना में कम प्रभावी हैं और अनिद्रा का इलाज नहीं हैं. वे थोड़े समय के लिए उपयोगी हो सकती हैं, लेकिन यदि आप उन्हें बहुत बार लेते हैं तो वे कम प्रभावी हो जाते हैं. कभी-कभी, नींद की गोलियां अनिद्रा को बदतर बना सकती हैं, खासकर यदि आप उन्हें नियमित रूप से लेते हैं. नींद की गोलियों से मनोरोग की आशंका भी बढ़ जाती है. अनिद्रा के कारण दिन भर में कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं और इससे सामान्य रूप से काम करना मुश्किल हो सकता है.

> अनिद्रा एक नींद संबंधी विकार है. अगर आपको अनिद्रा है तो आपको सोने या सोते रहने में कठिनाई होती है. अनिद्रा में निम्नलिखित समस्याएं शामिल हो सकती हैं. जैसे नींद आने में कठिनाई, रात में जाग जाना और दोबारा सोने में परेशानी होना बहुत जल्द जग जाना और दोबारा सो न पाना, जागने पर तरोताजा महसूस न करना आदि.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मीडिया में अन्यत्र

अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट से आबकारी नीति घोटाले मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल गई है. सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दो याचिकाओं पर फैसला सुनाया. न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आबकारी नीति भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री केजरीवाल को नियमित जमानत देने का फैसला सुनाया. इस संबंध में न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने उनके फैसले पर सहमति जताई. कोर्ट ने केजरीवाल को 10 लाख रुपये के मुचलके और दो जमानत राशियों पर जमानत दी. सीबीआई की गिरफ्तारी से जुड़ी याचिका पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अपीलकर्ता की गिरफ्तारी अवैध नहीं थी. ईडी मामले में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जमानत मिली थी. ऐसे में अब उनके जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है. उन्होंने 103 दिन पहले यानी 2 जून को अंतरिम जमानत की मियाद पूरी होने के बाद सरेंडर किया था. माना जा रहा है कि वे आज ही जेल से बाहर आ सकते हैं. दरअसल, केजरीवाल ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में अपनी गिरफ्तारी और जमानत से दिल्ली हाईकोर्ट के इनकार को चुनौती देते हुए दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं. पीठ ने पांच सितंबर को केजरीवाल की याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था. सीबीआई ने इस मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख को 26 जून को गिरफ्तार किया था. जस्टिस कांत ने कहा कि तर्कों के आधार पर हमने 3 प्रश्न तैयार किए हैं. क्या गिरफ्तारी अवैध थी? क्या अपीलकर्ता को नियमित जमानत दी जानी चाहिए? क्या आरोप पत्र दाखिल करना परिस्थितियों में इतना बदलाव है कि उसे ट्रायल कोर्ट में भेजा जा सके? उन्होंने आगे कहा कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को गिरफ्तार करना कोई गलत बात नहीं है. हमने पाया है कि सीबीआई ने अपने आवेदन में उन कारणों को बताया है कि उन्हें क्यों ये जरूरी लगा. धारा 41ए (iii) का कोई उल्लंघन नहीं है. हमें इस तर्क में कोई दम नहीं लगता कि सीबीआई ने धारा 41ए सीआरपीसी का अनुपालन नहीं किया. उन्होंने कहा कि जमानत पर हमने विचार किया है. मुद्दा स्वतंत्रता का है. लंबे समय तक कारावास आजादी से अन्याय के बराबर है. फिलहाल हमें लगता है कि केस का नतीजा जल्द निकलने की संभावना नहीं है. सबूतों और गवाहों से छेड़छाड़ को लेकर अभियोजन पक्ष की आशंकाओं पर विचार किया गया. उन्हें खारिज करते हुए हमने निष्कर्ष निकाला है कि अपीलकर्ता को जमानत दी जानी चाहिए.कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता मामले के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करेगा. ईडी मामले में लगाई गई शर्तें इस मामले में भी लागू होंगी.

(अमर उजाला)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उपेक्षा/अपेक्षा

चालीस साल पहले की बात है. मैं उस समय नामकुम में लक्ष्मी नारायण मंदिर में वहां के पूज्य पुजारी पंडित बुद्धेश्वर मिश्र के सौजन्य से रहा करता था. जब रांची में काम-धाम की व्यवस्था हो गयी तो उनसे विदायी मांगी. पंडित जी ने कहा-आप जाना चाहते हैं तो जा सकते हैं-नापेक्षा, नोपेक्षा. मतलब न अपेक्षा है और न ही उपेक्षा. आपसे न तो कोई अपेक्षा है और न ही आपकी उपेक्षा. यानी न तो मैं आपसे कोई उम्मीद रखता हूं और न ही आपका तिरस्कार करता हूं. ये दोनों शब्द एक दूसरे के विरोधी हैं. एक पूरब की ओर देखता है तो दूसरा पश्चिम की ओर. व्याकरण की भाषा में दोनों एक दूसरे के विलोम शब्द हैं. जैसे रात का दिन, प्रकाश का अंधकार, उत्तर का दक्षिण, बायां का दायां आदि. अब समस्या यह है कि दोनों चूंकि सुनने में एक-से लगते हैं, इसलिए इनके प्रयोग में कई लोग प्रायः गलतियां कर बैठते हैं, बोलने में भी और लिखने में भी. इस समस्या के चलते अर्थ का अनर्थ हो जाता है. जिससे आपको उम्मीद करनी होती है, उसका आप अनादर कर बैठते हैं. या फिर जिस पर ध्यान देने की भी आवश्यकता नहीं समझते, उससे उम्मीद कर बैठते हैं. इस समस्या का समाधान बस इतना ही है कि इन दोनों के अर्थ को हृदयंगम कर लिया जाये. उसे दिमाग में एकदम बैठा लिया जाये. वर्धा हिंदी शब्द कोश के अनुसार तत्सम शब्द अपेक्षा का अर्थ संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप है-आशा, उम्मीद, अभिलाषा, आकांक्षा, इच्छा, चाहत, भरोसा, आवश्यकता, जरूरत, कार्य कारण का अन्योन्य संबंध. इसी शब्द का अर्थ क्रिया विशेषण के रूप में बताया गया है-तुलना में. दूसरा शब्द उपेक्षा भी तत्सम ही है. इसका अर्थ है-किसी की इस प्रकार अवहेलना करना कि वह अपमान जनक प्रतीत हो, तिरस्कार, अनादर. उदाहरण के लिए आलोचकों की उपेक्षा से साहित्यकार दुःखी है. इस शब्द का एक अर्थ और भी है-जहां ध्यान देने की आवश्यकता हो, वहां ध्यान न देना, उदासीनता, लापरवाही. इस उदाहरण से इसका अर्थ इस प्रकार समझा जा सकता है. सभी बीमारियों के मूल में स्वास्थ्य नियमों की उपेक्षा ही है.

जल्दी करो, वरना बाद में पछताओगे!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

वह सवेरे सवेरे आ धमके. बोले, लौटाया या नहीं, जल्दी करो, वरना बाद में पछताओगे, कहे देता हूं. मैंने पूछा, किसका क्या लौटाना है भाई ! मैंने न तो कुछ खरीदा, जो खराब निकल गया हो और उसे लौटाना पड़े और न किसी का कुछ लिया. न दान लिया, न उधार लिया, फिर लौटाने की यह बात कहां से आ गई? हां, याद आया. कल एक पैन ज़रूर खरीदा था. लीक कर रहा है. शायद उसी को लौटाने की बात कर रहे हो क्या ? लेकिन इन्हें कैसे पता चला? मित्र बोले, भोले मत बनो. दुनिया जानती है और एक तुम हो जिसे मालूम ही नहीं. सिर्फ दान और उधार या खरीदा माल ही नहीं लौटाया जाता, सम्मान और पुरस्कार भी लौटाया जा सकता है. वह भी तो दान या भिक्षा की तरह ही दिया जाता है. साहित्य अकादमी का सम्मान तो लिया होगा, उसी को लौटाना है. कितनों को तो मिल गया. तुम्हें नहीं मिला? जब बंट रहा था, तुम कहां थे ? उसे लेने की दौड़ में तुम दौड़े थे या नहीं? बस, तुममें यही खराबी है, दौड़ में हमेशा पीछे रह जाते हो. जब बांटा जा रहा था तो पीछे रह गए. अब जब लौटाया जा रहा है तो भी पीछे रह गए. नहीं भाई मैंने अकादमी का कोई पुरस्कार लिया ही नहीं है, न ही मुझे मिला. तो लौटाने का प्रश्न ही कहां उठाता है? अरे इतने साल हो गए कलम घिसते हुए, तुम्हें अभी तक कोई पुरस्कार ही नहीं मिला. जब कालेज स्कूल में पढ़ते थे तब तो कोई न कोई पुरस्कार मिला होगा, कुछ नहीं तो अकादमी का समझ कर उसी को लौटा दो. जल्दी करो, समय निकला जा रहा है. फिर मत कहना कि मैंने तुम्हें आगाह नहीं किया. यही समय है जब लोहा गरम है. फायदा उठा लो. शहीद हो जाओगे. लेखन की आजादी के झंडाबरदार बन जाओगे. स्वतन्त्रता सेनानियों में तुम्हारा नाम दर्ज हो जाएगा. तुम लेखनी की स्वतंत्रता के लिए इतना सा बलिदान नहीं कर सकते कि अपना कोई भूला-बिसरा पुरस्कार लौटा सको. लौटाओगे तो कम से कम लोगों को पता तो चलेगा कि तुम्हें भी कभी एक पुरस्कार मिला था. वह अंधेरे में गुम हुआ सम्मान दुबारा प्रकाश में आ जाएगा. खुद ही देख लो. साहित्य अकादमी का सम्मान लौटाने वालों में कितने ही ऐसे थे, जो गुमनामी का जीवन जी रहे थे, लौटाते ही अब फिर लाइम-लाईट में आ गए. तुम भी आ जाओगे. लौटाओ, जल्दी करो. मैं अपना सर खुजलाने लगा. सोचने लगा मुझे कब, कहां, कौन सा पुरस्कार मिला था. याद ही नहीं आ रहा था. कुछ देर बाद, कुछ कुछ याद आया कि शायद जब मैं नवीं कक्षा में पढ़ता था तो स्कूल की मैगजीन में मेरी एक कविता छपी थी, जिसे छपने वाली रचनाओं में प्रथम पुरस्कार मिला था. लेकिन मेरी मूर्खता देखिए कि उस पुरस्कार का प्रमाणपत्र मैंने सहेज कर नहीं रखा. मैगज़ीन तो शायद कहीं पडी भी हो. लेकिन पुरस्कार का प्रमाण पत्र यदि कहीं मिल भी जाए तो उसे लौटाऊंगा कहां. सुनते हैं उस स्कूल का तो नाम ही बदल गया है.

करम परब

भादो माह आता नहीं कि, 'करमइति' बच्चे कांस फूल की तरह खिल उठते. मन में ढोल नगाड़े बजते. जुबां करम गीत से खुलती और बंद होती. सोते -जागते, घर, स्कूल हो या फिर गाय बैल हांकते, गोरखी करते, जंगल पहाड़ में हों, जगह समय देखे बिना कहीं भी शुरू हो जाते और करम गीत गुनगुना उठते-भादो कर एकादसि करम गढ़ाइल रे ...या अइलय भादर मास, लागल इ नइहरेक आस दिना चारि ससुर..!

अतिथि संपादक गुलांचो कुमारी के दिशा-निर्देशन में तैयार हुआ आज का करम स्पेशल पृष्ठ

फुआ के करम सिद्धांत में बेचारी फंसी मैं

गुलांचो कुमारी

पारंपरिक प्राकृतिक 'करम' परब में करम और धरम की जितनी अहमियत फुआ करम करते समय बताती थीं, अब लुप्त प्रायः सा दिखने लगी है. छोटी फुआ 'करम पेड़' और 'जाउआ डाला 'से जुड़ी नवसृजन व 'बहिनेक करम भाइएक धरम' के सिद्धांत पर आधारित अनेक कहानियां सुनाया करती थीं. उन सिद्धांतों को मनवाने के लिए, कितनी अंधविश्वासों की कहानी उन्होंने खुद गढ़ी या सुनकर मनवायी थी. उन्हीं दिनों के कुछ किस्से आपसे साझा करती हूं.

फुफु गो, मके पियास लागलहव

मैं दस साल की थी जब दूसरी बार करम उपवास रखा था. करम उपवास पर रहना मतलब घर के सारे काम से पूरे दिन भर के लिए आजादी. कोई रोक टोक नहीं. पूरे टोले में कहीं, किसी के भी घर धड़ल्ले से जाकर बैठ सकती थी. गप्पे लड़ाते हुए नाच-गा सकती थी. दिन भर दोस्तों के साथ अखड़ा में नाचने के बाद शाम को घर लौटी. घर क्या लौटी फुआ द्वारा जबरदस्ती लायी गयी क्योंकि फूल (लोहरने) तोड़ने का समय हो गया था. एक टोकि (टोकरी का छोटा रूप जिसमें फूल तोड़ने का नेग किया जाता है) उठा कर, हम घर से बाहर निकल गये. बाहर निकाल कर फुआ ने मुझे उस जगह खड़ा कर दिया जहां से खोइर (सड़क) में चलने वाले लोग दोनों तरफ़ से दिखे. डाली पकड़ कर वहीं खड़ा रहने का आदेश दे फुआ इधर-उधर देखने लगीं. जब तक अखड़ा में नाचने गाने में मग्न थी, तब तक कुछ नहीं लगा. घर आते ही भूख प्यास सबने एक साथ मिलकर हमला कर दिया. पेट पेड़ में बने खोड़र की तरह अंदर घुस गया था. प्यास से मरी जा रही थी. गला सूख गया था. लगा, थोड़ी देर और ऐसे खड़ी रही तो सच में पाताल चली जाऊंगी. थोड़ी रोनी सूरत बनाई और बोली-' ऊं..फुफु गो, मके पियास लागलहव, घरवा से एक टुकु ढोइंक आइओ?' उनका ध्यान मेरी ओर मुड़ा. वो पास आयीं. माथे पर हाथ फेर दुलारते हुए कहा - नाय बेटी पानि नाइ पिहे नि तो दीया टा बुताई लागतो..! (पानी नहीं पीना चाहिए, पानी पीने से करम के नाम पर जलाया गया 'दीया' बुझ जाएगा.) मैं ज़िद्द पर अड़ गयी. मुझे लगा थोड़ी जिद्द करूंगी तो कुछ खाने को जरूर मिलेगा. लेकिन फुआ भी जिद्दी थी. उसकी आस्था, तर्क के सामने मेरी एक न चली. वो बोली -'करम राजा रगाइ जाबथून बेटि.. फिर फलनी से तुलना करते हुए - 'संजति नुनि टी तोर ले छोटो आहिक गो मकिन उ फरिछ आहि, तोंय लरूवाई लागलें. '

जहां फलनी की तुलना में चिलनी अच्छी साबित कर दिया जाए, वहां मैं कैसे पानी पी सकती थी. ऊपर से करम राजाक नाराजगी का डर, प्यास बिजली की तरह छू मंतर हो गयी. थोड़ी ही देर में गीत गाती हुई करीब दस बारह लड़कियां दिखीं. सबके बाल खुले थे. हाथ में टोकि था और मुंह में गीत. उनको आते देख फुआ खुश हो गयी. बांये हाथ से मेरा हाथ कस कर पकड़ा और उनकी टोली में शामिल हो, गाने लगीं -

'कने देला डाला टकि,
कने देल करम साड़ि
अहअ रे कने रे देला,
कने देला टिकअलि सिंदूर?

आगे आगे 'नया' की पत्नी गा रही थी और पीछे-पीछे फुआ की टोली दुहरा रही थीं. यह कारवां सीधे 'कुड़ुम तालाब' में जाकर रूकी. फुआ ने तब तक हाथ पकड़ रखा था. अब मैं आजाद थी. देखा,'नयाइन' ने कुछ बड़बड़ाते हुए तालाब की ओर किसी को प्रणाम किया और हरी घास तोड़ने लगी. उसे देख मैं भी भागी. फुआ पीछे से चिल्लायीं..रूको! तुम पीछे हटो! बच्चों को नहीं तोड़ना है. और वो भी उस घास को तोड़ने लगी. मैंने पूछा - क्यों नहीं तोड़ सकती? तोड़े गये घास को टकि में रखते हुए वह बोली- 'इटा बेलि फूल हेकइ बेटि डंगुआ नाहि भांगहत!' (यह बेली फूल है, बच्चों को नहीं तोड़ना चाहिए) बाद में बताया कि वहां हमारे देवता रहते हैं. मैं छोटी थी. कुछ ऊंच नीच हो जाता तो मेरी मां उसे गरियाती, इसलिए मुझे रोक दिया था.

रात और धान के खेत

टोली फिर आगे बढ़ी. हम अब खेतों में चल रहे थे. रात में पानी खेत में चलने का अनुभव बिल्कुल नहीं था. मैं डरने लगी. फुआ ने फिर हाथ पकड़ा और मुझे टोकि थमा दी -'तुम पकड़ो मैं फूल तोड़ती हूं.' रात में हरे भरे धान खेत में चलना उपर से टोकि पकड़ना पहाड़ सा मुश्किल लगा मुझे. नीचे से पैर छिल रहे थे धान के पत्तों से. अंदर से फुआ को करमैनी कांटा चुभा कर, खूब गरियाने का मन कर रहा था किंतु, करम राजाक डर से चुप थी. फुआ बांये हाथ से मुझे पकड़ती और दांये हाथ से सटासट धाने के पत्तों को तोड़ते हुए आगे बढ़ती जाती. मैं रास्ते में घिसिया कर छपाक से गिर जाती. बार-बार, छपाक-छपाक गिरते देख फुआ खिलखिलाकर हंस पड़ी. मेरी हालत देख 'टोकि' से मुक्त कर दिया. अब वो खुद ही एक हाथ से पकड़ती और दूसरे से तोड़ती जाती. मैं उसकी बांह पकड़ कर चलने लगी.

'चाल्हो सियार 'के नाम

उसी रास्ते में आगे, करम राजा खड़े थे मतलब वो करम पेड़ जिसकी डालियां अखड़ा में पूजने के लिए गाड़ी जाती है. पूरे गांव के अखड़ा में एक ही पेड़ से डालियां लायी जाती है और यह परंपरा वर्षों से चलती आ रही है. फुआ ने पहले ही समझा दिया था कि पेड़ के नजदीक जाते ही आंख बंद कर लेना नहीं तो आगे बड़ा सा खूंखार बाघ रास्ते में मिलेगा, जो हमें खा जाएगा. यहां खुली आंख से मैं पानी में छपाक छपाक गिर रही थी, उपर से आंखें बंद करके चलना मुझ जैसी मासूम बच्ची को कितना कठिन लगा होगा आप समझ सकते हैं. पेड़ के नजदीक से कुछ पारंपरिक वाद्य यंत्र ढोल, नगाड़ा की आवाजें आ रही थी. बहुत आगे निकल जाने के बाद, थोड़ा सा देख लिया था. चटाक से 'चाटा' खायी थी. तालाब में नहाने के पहले फुआ 'चाल्हो सियार 'के नाम पर झिंगी के पत्तों में झिंगा फूल और एक -एक दतुवन रखवायीं. फिर आदेशानुसार मैंने तालाब का पानी अंजुरी में भरकर, उसके ऊपर चारों ओर घुमाते हुए छिड़क दिया.

छिड़कने के बाद घुटनों पर बैठी, पुरखों को याद कर प्रणाम किया, फिर नहाने गयी. उन्होंने हिदायत दी थी कि हाबु होकर नहीं नहाने की अर्थात् तालाब में नहाते समय 'परबइति' को पीठ की ओर मुड़कर नहीं नहाना चाहिए नहीं तो मेरा 'जाउआ' भी पीछे की ओर झुक जाएगा! फुआ के अनुसार एक सशक्त परंपरा यह भी थी कि मंडप थान ' में भीगे कपड़ों में ही जाना चाहिए. मैं ठंड से कांप रही थी और फुआ हमें डाइन के नजरों से बचाये रखने के लिए गा रही थीं -

' पहिले जे खंइहो डइनि बेटा भतार गे
तबे मन हिंछबे हमार...!'

घर आकर कपड़े बदली. मुझे नए कपड़े पहनाए गए. सज कर चटाई पर तब तक बैठने का आदेश मिला जब तक गोड़ाइत हांक कर ये न बता दे कि अखड़ा में करम गाड़ दिया गया है. मुझे नींद आ रही थी. सो चटाई पर ही सो गयी. फुआ कहीं व्यस्त होने के कारण नहीं देखी पर मां आ टपकी और तुरंत उठा के बैठा दी और बोली -'करवट नहीं सोना चाहिए वरना 'जाउआ' भी करवट ले लेगा.' मैं बेचारी नींद में बैठे-बैठे ही हिलने डुलने लगी.

करम कर जावा उठल

राकेश रमण 'रार'

करम परब आय गेलक. ऐसों बुझातहे एकादसी दिन भादो अखरा में कादो करबे करी. करम कर अखरा में कादो नि रहले नाचेक में बेसो नि लागे ल. कहैंन गुनी गेयानी जे करम कर गछ सउब गछमन से बगरा परान हवा माने ऑक्सिजन देवे ल. राइतो के आऊर दिनो के. सेहे करम कर डाइर का एकला सारधा लागिन अंगना में गडाय़ला! ऊ तो कहे ल, ए भाई ! जिनगी में जान चाही खने करम के जोगाय के रखनाय तो असली धरम हेके !

आऊर धरम हेके नदी कर बाला के डाला में लाईन के जावा के उठायाक. का ले नदिये कर बाला? पुरखामन अंइते बुइधगर रहैं. हामरे के बताय के जाय हैं कि नदी के बंचाय के राख ब. का ले? तो भाई सावन भादो में नदी कर पानी से निकसाल बाला माटी मेसा रहे ल. माटी मेसा बाला में जावा सुपट बेस जईर धरे ल आऊर बनबनाय के बाढ़े ल.

बहिनमन जब उपास पियास राईख के जावा के सेवैं न, तब जावा हर लहलहाय लागे ल. करम कर अईसन जावा देईख के उमनक मुंह में गीत पझरेक लागे ल—

ओ दे... ओ दे रे करम जावा उठि गेल
नदिया केर अंचरा में
गांव-घरक अंचरा में
करम जावा उठि गेल...
आपन करम, भईया कर धरम
बुझि राखू जिनगी कर मरम
भादो कर बरखा में
गांव घरक अखरा में
करम जावा उठि गल...
ओ दे... ओ दे रे करम जावा उठि गेल...
आब तो आबैं करम राजा
बाली ढोल मांदर बाजा
आपन आपन झखरा में
गांव घरक अखरा में
करम जावा उठि गल...
ओ दे... ओ दे रे करम जावा उठि गेल...
चल तो चांदो जावा सेवब
उके कटिक पानी देवब
डाला कर सेजरा में
गांव घरक अखरा में
करम जावा उठि गल...
ओ दे... ओ दे रे करम जावा उठि गेल...

करम कर जावा जब बेस से लहलहाते उठेल, तब गांव घर कर असराव लहके ल आऊर अखरा में नाचेक ले गोड़ आपने टुभकेक लागे ल.

गुणकारी है देव वृक्ष 'करम'

युगल किशोर पंडित

करम परब के अवसर पर करम डाइर की पूजा का खास महत्व है. जंगल से करम डाइर लाने के लिए करमइत सब गीत गाते हुए जंगल तक जाती हैं. वहां पेड़ की पूजा कर उससे एक डाली की याचना करती हैं. डाली लाकर अखरा में गाड़ दिया जाता है जहां करम डाइर की पूजा होती है. करमइत सब रात भर उसके चारों ओर करम गीत गाते हुए नाचती हैं. अगले दिन नदी या तालाब में जावा डाली के साथ करम डाइर को भी विसर्जित कर देती हैं.

देव वृक्ष माना जाता है करम

झारखंड के आदिवासियों ने करम पेड़ को देव वृक्ष की संज्ञा दी है. यह बहुत ही पूजनीय वृक्ष है. ऐसी मान्यता है की इसमें देवता का निवास होता है. कहा जाता है कि करम पेड़ 24 घंटे ऑक्सीजन देता है और इसमें बारिश को आकर्षित करने की अद्वितीय क्षमता है. इसलिए करम पेड़ से जुड़े करम गीतों द्वारा आकाश में बादलों को आकर्षित करने और बारिश प्रार्थना की जाती है.

औषधि के रूप में होता है उपयोग

इसका वैज्ञानिक नाम हल्दिना कोर्डिफोलिया है. यह भारत के साथ ही चीन, वियतनाम आदि देशों में भी पाया जाता है. इस पेड़ का उपयोग कई बीमारियों के इलाज में किया जाता है. इसकी छाल गैस्ट्रिक में फायदेमंद होती है. छाल को सुबह खाली पेट चबाते हुए उसके रस को धीरे-धीरे चूसने से 15 दिनों में गैस्ट्रिक की बीमारी ठीक हो जाती है. अल्सर, मलेरिया जैसी बीमारियों में भी फायदेमंद है.

आपन धरम भाइयेक करम

डॉ. हाराधन कोईरी

झारखंड, बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ और उड़ीसा आदि राज्यों में करम पर्व मनाया जाता है. लेकिन पांच-परगना क्षेत्र का करमोत्सव अनूठा है. भाद्र मास के एकादशी को मनाये जाने वाला करम परब एक वर्षा कालीन पर्व है. करम को अंग्रेज़ी भाषा के प्रभाव से लोग करमा कहते हैं, जबकि इसका असल नाम करम है. धान रोपनी का काम पूरा होने के बाद कृषक वर्ग इत्मीनान हो जाते हैं. नाचने-गाने को तैयार रहते हैं. इसी बीच करम आ जाता है. इस पर्व का मुख्य ध्येय है- प्रकृति की सुरक्षा. करम राजा का पूजन करने के बाद सभी करमति बहनें करम की डाली को पकड़कर भेंट लगती हैं. मन-ही-मन करम देवता से मन्नतें मांगती हैं. उन्हें सुयोग्य वर मिले, अच्छा घर परिवार मिले. ससुराल में किसी प्रकार का कष्ट न हो आदि. भेंट लगने की रीति जैसे ही पूरी होती है तब पाहन बाबा या पंडित जी पूछते हैं- बताओ ? (डारइ धइर धइर का पाला?) अर्थात करम डाली को पकड़-पकड़ कर क्या पायीं? सभी करमति बहने एक स्वर में कहती हैं- "आपन धरम भाइयेक करम!" पाहन दूसरी बार पूछते हैं और क्या पाया ? तब उत्तर देती हैं- "एकटा बेटा आर एकटा बेटी." फिर तीसरी बार पूछते हैं और क्या पाया ? वे सभी एक स्वर में कहती हैं- "गांव ग्रामेक सउब बेसे बेस रहुक." अर्थात गांव में खुशहाली रहे, सभी प्रसन्न रहे. जबकि अपने मने की बात को गुप्त ही रखती हैं. यदि इस बातचीत के मूल में जाकर देखें तो पता चलेगा कि करम पर्व पूरी तरह- 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' की भावना से ओतप्रोत है.

बहनें बांधती तागा

करम उपवास मुख्य रूप से कुंवारी कन्या करती हैं. लेकिन विवाह बाद भी करती हैं जिनके ससुराल वाले करम गाड़ते हैं. मान्यता है कि करम पूजा आरंभ करने के बाद सम संख्या में नहीं छोड़ सकते हैं. इसके लिए विषम संख्या का होना जरूरी है. जैसे तीन डाला, पांच डाला, सात डाला आदि. करम पर्व में बाली (बालू) उठाने का रिवाज है. ये भी तीन, पांच, सात या फिर नौ दिन का उठाया जाता. बाली उठाकर जिसमें रखा जात है, उसे जावा कहते हैं. उस जावा के अंदर सघन रूप से धान, चना, कुरथी और बटुरे के बीज डाले जाते हैं. नदी या सतिया से बालू उठाकर सभी करमति बहनें नहा धोकर घर आती हैं. घर आकर आंकरी थापती हैं. आंकरी थापना अर्थात बीजों को अंकुरित होने के लिए दिया जाता है. साथ में खीरा रखती हैं. उसमें एक बेटा खीरा, एक आंकरी ओगरा (पहरेदार) और तीसरा आढ़ाई कामर (उपवास तोड़ती हैं उस समय खाने के लिए). कुल मिलाकर तीन खीरे होते हैं. इसके अतिरिक्त प्रसाद के लिए अलग से खीरे रखे जाते हैं. बहनें करम पूजन करने के बाद सबसे पहले अपने सहोदर भाई को धागा (तागा) बांधती हैं. दूर के भाई-बहन को भी बांधती हैं.

भाई काटता डाइर

करम पूजा के दिन करम के वृक्ष से भाई डाइर (डाली) काट कर लाता है. डाली को करमति बहनें बाज-बाजना के साथ नाचते गाते हुए घर को लाती हैं और आंगन में गाड़ा (स्थापित) जाता है. तत्पश्चात करम का पूजन पाहन, पंडित और नाई ठाकुर मिलकर सम्पन्न कराते हैं. फिर रात भर नाच-डेग किया जाता है. करम विर्सजन के बाद हमारे पांच-परगना क्षेत्र में पुरुष वर्ग द्वारा डारी गाड़ने की प्रथा है. डारी (डाली) भी भिन्न-भिन्न प्रकार की होती है. जैसे किसी खेत में धान की रोपनी बात में हुई है और उस खेत पर बोंखी (रोग) लग गया है तो उस खेत पर मकई या बेलवा की डाली गाड़ा जाता है, जिससे धान की बीमारी ठीक हो जाए.

हर नेगाचार के गीत

हर नेगाचार में अलग -अलग तरह के गीत गाया जाता है. जैसे जावा उठाने का गीत, जावा जगाने का गीत, करम डाली को पूजन के लिए लाने के गीत, पुष्प चुनने का गीत (फूल लड़हा गीत) करम पूजन के समय गाये जाना वाला गीत (पूजा समइएक गीत), करम डाली विर्सजन गीत (करम भांसाएक गीत) रीझ-रंग के गीत आदि.

यह है कथा

करम राजा दोनों भाई करमा और धरमा से रूठ गये थे, जिसके कारण उन दोनों भाई का हर कर्म का विपरीत परिणाम होता था. बूढ़े-बुजुर्ग से पता चलता है कि करम राजा बाम (रुठ) हो गये हैं. इसके बाद वे दोनों भाई भादर भास के एकादशी तिथि को करम पूजा किये तब जाकर सब सामान्य हो गया. इस कथा के मूल में भाव यह है कि कर्म और धर्म को साथ लेकर चलने से जीवन सफल होता है. करम पूजा व्यक्ति को पेड़-पौधों व वृक्षों से भावनात्मक रूप जोड़ने का संदेश देता है. वहीं धान, चना, कुरथी आदि बीजों को जावा में अंकुरित करना अर्थात सृष्टि के नियम को गतिशील बनाये रखने की लिए संतति को जन्म देने का द्योतक भी है. ईश्वरीय सृष्टि में प्राणतत्व देने की शक्ति केवल नारी और प्रकृति को प्राप्त है. नारी और प्रकृति को यदि हम सुरक्षित रख सकेगें तभी हमारा करम पूजा की सार्थकता है अन्यथा सिर्फ परम्परा का निर्वाह मात्र है. जोहार करम राजा!

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

हॉकी के मैदान में 350 दिन बाद आज एक-दूसरे से भिड़ेंगे भारत-पाक

चीन में चल रही एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबले का पहला सेमीफाइनल मैच आज

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी

एजेंसी। मोकी

भारत और पाकिस्तान की टीम के बीच हॉकी का मैच शनिवार को खेला जाना है. वैसे तो जब भी किसी खेल में भारत-पाक की टीम आमने-सामने होती है, तो मुकाबले की सरगर्मी बढ़ जाती है.

खेलप्रेमी भी मैच का बेसब्री से इंतजार करते हैं. अब चीन में जारी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान की टीमें 350 दिन बाद भिड़ने वाली हैं. पिछली बार दोनों टीमें इसी टूर्नामेंट में 30 सितंबर 2023 को मुकाबला खेला था. टीम इंडिया टूर्नामेंट में 4 जीत और 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल पर पहले नंबर पर है. वहीं पाकिस्तानी टीम ने 3 मुकाबलों में 2 ड्रॉ खेले हैं और 1 में जीत दर्ज की है. इसके साथ ही 5 अंक के साथ वह टेबल में दूसरे नंबर पर है. अब ये टॉप दो टीमें सेमीफाइनल से पहले शनिवार 14 सितंबर को ग्रुप मैच में भिड़ने वाली हैं.

टक्कर का होगा मुकाबला : हॉकी के इतिहास में भारत और पाकिस्तान के बीच 180 मुकाबले खेले गए हैं. इसमें पाकिस्तान की टीम भारी रही है. पाकिस्तान ने इसमें 82 मैच जीते हैं, वहीं भारत ने 66 मुकाबलों में जीत दर्ज की है. वहीं 32 मैच ड्रॉ रहे हैं. हालांकि, पिछले 11 सालों में यानि 2013 के बाद से पाकिस्तान पर भारत हावी रहा है. इस दौरान 25 मैच खेले हैं, जिसमें टीम इंडिया ने 16 और पाकिस्तानी हॉकी टीम ने 5 मैच जीते हैं, जबकि 4 ड्रॉ मुकाबले ड्रॉ रहे. वहीं बात करें एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की तो इसमें भी टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है. इस टूर्नामेंट में दोनों टीमें 11 बार भिड़ चुकी हैं, जिसमें 7 मैच भारत के नाम रहा और 2 पाकिस्तान के नाम और 2 मुकाबले ड्रॉ रहे. एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में जब पिछली बार दोनों टीमें आमने-सामने हुई थीं तब भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था. इसलिए पिछले कुछ सालों और मौजूदा टूर्नामेंट के प्रदर्शन को देखें तो टीम इंडिया पाकिस्तान पर भारी नजर आ रही है.

दोनों टीमों के कप्तान ने क्या कहा

भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह का फॉर्म बरकरार है और वह पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर काफी उत्साहित हैं. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के खिलाड़ियों को भाई जैसा बताया. हरमनप्रीत ने पाकिस्तान की तारीफ करते हुए उनकी टीम मजबूत है और कभी भी वापसी कर सकती है. वहीं पाकिस्तान के कप्तान अम्माद बट्ट ने भी भारतीय टीम की तारीफ की और टक्कर देने की बात कही.

यहां देख सकते हैं मैच

भारत और पाकिस्तान का ये हॉकी मुकाबला शनिवार 14 सितंबर को दोपहर 1 बजकर 15 मिनट से शुरू होगा. दर्शक इसे सोनी स्पोर्ट्स टेन 1 और टेन 1 एचडी चैनल पर देख सकते हैं. वहीं सोनीलिव ऐप पर मुकाबले की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी.

बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी टीम, मुकाबले से पहले होगा अभ्यास कैंप

चेन्नई में टीम इंडिया की तैयारी शुरू

एजेंसी। चेन्नई

रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम ने शुक्रवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है. भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत 19 सितंबर को यहां टेस्ट सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश से भिड़ने से करेगा. यह मुख्य कोच गंभीर और उनके नए सहयोगी स्टाफ के तहत भारत की पहली टेस्ट सीरीज होगी, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल को भी नए गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल किया गया है. बीसीसीआई ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर टीम की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, टीम इंडिया ने रोमांचक घरेलू सत्र के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है. .

कप्तान रोहित शर्मा, करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली और भारतीय टीम के अन्य सदस्य जैसे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, कुलदीप यादव और केएल राहुल गुरुवार रात चेन्नई पहुंचे. भारतीय टीम के चेन्नई पहुंचने का वीडियो न्यूज एजेंसी एनआई ने शेयर किया. वीडियो में केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह से लेकर कई क्रिकेटर्स नजर आए, जो होटल जाने के लिए बस पर सवार होते दिखाई दिए. वीडियो में फैंस का अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखने के बाद का उत्साह अलग ही नजर आ रहा है. कप्तान रोहित शर्मा ही नहीं लंदन से विराट कोहली भी समय पर चेन्नई पहुंचे. चेन्नई में इस प्रैक्टिस कैंप की शुरुआत कोच गौतम गंभीर के ज्ञान से हुई. उन्होंने खिलाड़ियों को आगे का ब्लूप्रिंट बताया और इसके बाद हर खिलाड़ी ने नेट्स पर कड़ा पसीना बहाया. प्रैक्टिस सेशन की सबसे बड़ी खबर ये है कि विराट कोहली और बुमराह ने खासतौर पर नेट्स पर जमकर मेहनत की.

बता दें कि 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ खेले जाने से टेस्ट से पहले टीम इंडिया के खिलाड़ी अभ्यास कैंप का हिस्सा लेंगे. यह कैंप 18 सितंबर तक चलने की खबर है. तमाम भारतीय खिलाड़ी लंबे ब्रेक के बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर रहे हैं. भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तो करीब ढाई महीने के ब्रेक के बाद क्रिकेट के फील्ड पर लौट रहे हैं. इससे पहले भारतीय तेज गेंदबाज टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल खेलते हुए दिखाई दिए थे.

इसके अलावा विराट कोहली और रोहित शर्मा करीब एक महीने के ज्यादा वक्त बाद वापसी कर रहे हैं. विराट कोहली और रोहित शर्मा इससे पहले अगस्त की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में नजर आए थे. हालांकि टीम में कुछ ऐसे भी खिलाड़ी हैं जो दिलीप ट्रॉफी खेल रहे थे. नजमुल हुसैन शांतो की कप्तानी वाली बांग्लादेशी टीम पहले टेस्ट की शुरुआत से चार दिन पहले 15 सितंबर को चेन्नई पहुंचेगी.

चेन्नई में पहला टेस्ट 23 सितंबर को समाप्त होने के बाद, कानपुर का ग्रीन पार्क स्टेडियम 27 सितंबर से 1 अक्टूबर तक दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा. दोनों टेस्ट मैच चल रहे 2023-2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा हैं, जहां भारत 68.52 प्रतिशत अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है, जबकि बांग्लादेश 45.83 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे स्थान पर है.

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश की टीम

नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, जाकिर हसन, शादमान इस्लाम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, नईम हसन, नाहिद राणा, हसन महमूद, तस्कीन अहमद, सैयद खालिद अहमद, जेकर अली अनिक.

भारत डब्ल्यूटीसी टेबल में टॉप पर

बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराया है. यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है. भारत को इसके बाद न्यूजीलैंड से तीन टेस्ट मैचों की सीरीज और ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर सीरीज खेलनी है. भारत डब्ल्यूटीसी में 68 .52 प्रतिशत अंक लेकर टॉप पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया 62 .52 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे स्थान पर है. बांग्लादेश 45 .83 प्रतिशत अंक लेकर चौथे स्थान पर है. दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा.

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए टीम इंडिया

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल.

प्रधानमंत्री से किया वादा पूरा किया सुमित अंतिल ने

सुमित ने अपना दूसरा पैरालंपिक स्वर्ण पीएम को किया समर्पित

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के दो बार के विश्व चैंपियन और पैरालंपिक पदक विजेता सुमित अंतिल ने पेरिस पैरा खेलों में अपना लगातार दूसरा स्वर्ण पदक हासिल करते हुए इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्पित किया. इससे टोक्यो पैरालंपिक में जीत के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री से किया वादा पूरा किया. सुमित ने लगातार पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले पैरा-एथलीट बनकर इतिहास रच दिया. उन्होंने पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में सनसनीखेज पैरालंपिक रिकॉर्ड के साथ पीला पदक जीता. 26 वर्षीय भारतीय पैरा-एथलीट ने स्टेड डी फ्रांस में 70.59 मीटर के नए पैरालंपिक रिकॉर्ड के साथ यह उपलब्धि हासिल की. अविश्वसनीय रूप से, सुमित ने टोक्यो 2020 में स्वर्ण पदक जीतने के लिए बनाए गए पिछले पैरालंपिक रिकॉर्ड को तीन बार तोड़ा. प्रधानमंत्री ने गुरुवार को अपने आवास पर भारत के अग्रणी पैरालिंपियनों से मुलाकात की और उन्हें पेरिस खेलों में 29 पदकों के रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के लिए बधाई दी. पीएम मोदी से बात करते हुए सुमित ने तीन साल पहले टोक्यो में स्वर्ण पदक जीतने के बाद प्रधानमंत्री से अपनी मुलाकात को याद किया, जिसके दौरान प्रधानमंत्री ने उनसे खेलों में दो और स्वर्ण पदक लाने का वादा करने को कहा था.

सुमित ने पीएम से कहा, यह मेरा लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है. मुझे याद है कि जब मैंने टोक्यो में स्वर्ण पदक जीता था, तो आपने मुझसे वादा लिया था कि मैं दो स्वर्ण पदक जीतूंगा. यह दूसरा स्वर्ण आपके लिए है. उन्होंने कहा, मैंने उन पसंदीदा एथलीटों की सूची वाले लेख पढ़े, जो अपने स्वर्ण पदक बचा सकते हैं, और मेरा नाम भी उनमें था. लेकिन जब हमने 20 अगस्त को बात की, तो मुझे टोक्यो पैरालिंपिक का वह पल याद आ गया. अपनी पूरी टीम की ओर से मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं. भारत ने सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में 18वां स्थान हासिल किया और कुल 29 पदक जीते.

मैकमिलन न्यूजीलैंड को ज्ञान देने को इच्छुक

लिंकन। यूएई में 3 अक्टूबर से शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के पूर्व पुरुष ऑलराउंडर क्रेग मैकमिलन ने कहा कि वह सोफी डिवाइन की अगुआई वाली टीम को वैश्विक टूर्नामेंटों में खेलने का अपना सारा ज्ञान देने के इच्छुक हैं. मैकमिलन, जो वर्तमान में न्यूजीलैंड की महिला टीम के सहायक कोच हैं, ने पुरुष टीम के लिए 260 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें तीन वनडे विश्व कप और 2007 में दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप का उद्घाटन संस्करण शामिल है. मैं भाग्यशाली था कि मैं चार व्हाइट-बॉल विश्व कप में खिलाड़ी के रूप में और तीन बार ब्लैक कैप्स के बल्लेबाजी कोच के रूप में गया, इसलिए मुझे विश्व कप के मामले में बहुत अनुभव है. वे अलग तरह के खिलाड़ी हैं, यह एक टूर्नामेंट जैसा प्रारूप है, इसलिए यह सामान्य दौरे से अलग है. मैकमिलन ने लिंकन से आईसीसी डिजिटल से कहा, मैं निश्चित रूप से उस ज्ञान का उपयोग करूंगा.

राफेल ने बर्लिन में होनेवाले लेवर कप से अपना नाम वापस लिया

एजेंसी। नयी दिल्ली

पूर्व विश्व नंबर 1 राफेल नडाल ने अगले सप्ताह बर्लिन में होने वाले लेवर कप से नाम वापस ले लिया है, टूर्नामेंट ने इसकी घोषणा की. सोशल मीडिया पर इवेंट द्वारा जारी किए गए ट्वीट में नडाल ने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत निराशा हो रही है कि मैं अगले सप्ताह बर्लिन में होने वाले लेवर कप में भाग नहीं ले पाऊंगा. यह एक टीम प्रतियोगिता है और टीम यूरोप का वास्तव में समर्थन करने के लिए, मुझे उनके लिए सबसे अच्छा करने की आवश्यकता है और इस समय अन्य खिलाड़ी भी हैं, जो टीम को जीत दिलाने में मदद कर सकते हैं. लेवर कप खेलने से जुड़ी मेरी बहुत सारी शानदार, भावनात्मक यादें हैं और मैं अपने साथियों और कप्तान के रूप में अपने अंतिम वर्ष में ब्योर्न बोर्ग के साथ होने का वास्तव में बेसब्री से इंतजार कर रहा था. मैं टीम यूरोप को शुभकामनाएं देता हूं और दूर से ही उनका उत्साहवर्धन करूंगा.

स्पेन के इस खिलाड़ी ने लेवर कप के सातवें संस्करण के लिए टीम यूरोप का साथ दिया था, जिसका आयोजन 20-22 सितंबर तक बर्लिन के उबेर एरिना में किया जाएगा. पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद, नडाल ने पुष्टि की थी कि 2024 के लिए लेवर कप उनका अगला इवेंट होगा. बर्लिन लेवर कप में नडाल का चौथा प्रदर्शन होता, इससे पहले उन्होंने 2017 में प्राग, 2019 में जिनेवा और फिर 2022 में लंदन के ओ2 में फेडरर के करियर के आखिरी मैच के लिए करीबी दोस्त और लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी रोजर फेडरर के साथ युगल में हिस्सा लिया था.

आयरलैंड ने कैप्टन बालबर्नी को किया बाहर

एजेंसी। डबलिन

अपनी टी20आई टीम में नयी जान फूंकने के लिए आयरलैंड ने टेस्ट कप्तान एंडी बालबर्नी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए टीम से बाहर करने का फैसला किया है. यह सीरीज इस महीने के आखिर में अबू धाबी में खेली जाएगी. टी20 में आयरलैंड के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बालबर्नी के लिए यह साल चुनौतीपूर्ण रहा है. 12 पारियों में उनका औसत 24.83 रहा है और उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 113.74 रहा है, जो उनके सामान्य मानकों से कम है. हाल ही में लींस्टर लाइटनिंग के टी20 मैच से उनकी अनुपस्थिति, जिसमें लोर्कन टकर ने ओपनर के तौर पर कदम रखा, इस बात के संकेत हैं कि टकर संभवतः बालबर्नी की जगह पॉल स्टर्लिंग के साथ शीर्ष क्रम में जोड़ीदार के तौर पर खेल सकते हैं. आयरलैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने इस निर्णय के पीछे के तर्क को स्पष्ट किया, इस दौरे पर हम जिस एक क्षेत्र पर विचार करेंगे, वह है हमारी टी20 टीम में शीर्ष क्रम. हम एक नया आयाम पेश करने पर विचार कर रहे हैं, जिसमें एंड्रयू बालबर्नी इस अवसर पर टी20 से बाहर रहेंगे. आगामी श्रृंखला में केवल दो टी20 हैं, लेकिन वे महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेंगे क्योंकि हम अपने प्रदर्शन के स्तर को फिर से बढ़ाने का प्रयास करेंगे. टी20 टीम से बाहर होने के बावजूद, बालबर्नी भविष्य के लिए आयरलैंड की योजनाओं का अभिन्न अंग बने हुए हैं, उन्हें बाद की तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया है.

व्हाइट ने प्रशंसकों को आश्वस्त करते हुए कहा, एंड्रयू हमारे विचारों के केंद्र में हैं और एकदिवसीय मैचों में बल्लेबाजी की शुरुआत करेंगे. टी20 श्रृंखला में आयरलैंड जोश लिटिल की सेवाओं के बिना खेलेगा, जो ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ कैरेबियन प्रीमियर लीग में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं. लिटिल और बालबर्नी आयरलैंड की टी20 विश्व कप टीम से उल्लेखनीय रूप से अनुपस्थित थे, जिसमें बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू हम्फ्रीज़ को शामिल किया गया था. विश्व कप में आयरलैंड के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण, जहां वे अपने तीनों पूर्ण मैच हारकर और एक मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के बाद ग्रुप चरण में ही बाहर हो गए थे, टीम में इस महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता है. आगे की बात करें तो आयरलैंड 2026 और 2027 के विश्व कप को अपने व्हाइट-बॉल क्रिकेट के लिए निर्णायक क्षण के रूप में देख रहा है. व्हाइट ने कहा, 2026 और 2027 हमारी व्हाइट-बॉल टीमों के लिए निर्णायक वर्ष हैं.उनकी समय-सीमा को देखते हुए, इसका मतलब है कि हम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस आगामी श्रृंखला को एक नए चक्र की शुरुआत के रूप में देख रहे हैं.

दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध आयरलैंड की टी20 टीम

पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, फिओन हैंड, मैथ्यू हम्फ्रीज़, ग्राहम ह्यूम, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग. दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध आयरलैंड की वनडे टीम : पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहेनी, गेविन होए, फिओन हैंड, ग्राहम ह्यूम, मैथ्यू हम्फ्रीज़, एंडी मैकब्राइन, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, क्रेग यंग. कार्यक्रम : 27 और 29 सितंबर – टी20, 2, 4 और 7 अक्टूबर – वनडे (सभी अबू धाबी)

हालैंड को पीएल प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड

लंदन। मैनचेस्टर सिटी के साथ सीजन की ऐतिहासिक शुरुआत के बाद एर्लिंग हालैंड को अगस्त के लिए प्रीमियर लीग प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है. नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने इस सीजन में तीन मैचों में सात गोल करके यह पुरस्कार जीता है, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा किसी भी अभियान के पहले तीन प्रीमियर लीग मुकाबलों में किए गए सबसे अधिक गोल हैं. स्ट्राइकर के गोलों में इप्सविच टाउन और वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ लगातार हैट्रिक शामिल हैं, साथ ही चेल्सी में एक गोल करके मैन सिटी को तीन मैचों में तीन जीत के साथ सीजन की शुरुआत करने में मदद की. वह एक सीजन में टीम के पहले तीन लीग मैचों में से दो में हैट्रिक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए, इससे पहले पॉल ज्वेल ने 1994/95 में लीग टू में ब्रैडफोर्ड सिटी के लिए ऐसा किया था. हालैंड ने बताया, मुझे इस सीजन की शुरुआत में ही यह पुरस्कार जीतने की खुशी है.

एथलेटिक्स

बेल्जियम के ब्रुसेल्स में किंग बौडौइन स्टेडियम में आयोजित हो रहा लीग

डायमंड लीग में नीरज और अविनाश पर रहेगी नजर

एजेंसी। ब्रुसेल्स

पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और स्टीपलचेजर अविनाश साबले 2024 डायमंड लीग फाइनल में भारतीय उम्मीदों की अगुआई करेंगे, जो 13 और 14 सितंबर को बेल्जियम के ब्रुसेल्स में किंग बौडौइन स्टेडियम में होने वाली है.

इस साल के डायमंड लीग के अंतिम संस्करण के रूप में, एलियांज मेमोरियल वैन डेम में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एथलीट अपने-अपने वर्गों में जीत हासिल करने और अपनी छाप छोड़ने के लिए एक आखिरी मौके की तलाश में होंगे. पहले दिन, भारतीय 3000 मीटर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले ब्रुसेल्स में डायमंड लीग के फाइनल में पदार्पण करेंगे. वर्तमान में अपने अनुशासन के लिए स्टैंडिंग में 14वें स्थान पर, सैबल सैमुअल फायरवु (इथियोपिया), अमोस सेरेम (केन्या), अब्राहम किबिवोट (केन्या) और गेटनेट वेले (इथियोपिया) जैसे प्रमुख दावेदारों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे. दूसरे दिन पेरिस 2024 के रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा जेवलिन थ्रो फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे.

चोपड़ा, जो वर्तमान में दोहा और लुसाने में अपने प्रदर्शन से 14 अंकों के साथ स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर हैं, उन्हें पेरिस 2024 के कांस्य पदक विजेता और अंक लीडर एंडरसन पीटर्स (ग्रेनाडा) के साथ-साथ जर्मनी के जूलियन वेबर से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा. डायमंड लीग फाइनल में दुनिया के कुछ बेहतरीन एथलीट भाग लेंगे, जिनमें पोल वॉल्टर आर्मंड ''मोंडो'' डुप्लांटिस (स्वीडन) और 400 मीटर बाधा दौड़ स्टार सिडनी मैकलॉघलिन-लेवरोन (400 मीटर बाधा दौड़<bha>;</bha> यूएसए) जैसे कई विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले एथलीट शामिल हैं, साथ ही पेरिस 2024 के पदक विजेता जैसे लंबी दूरी की धावक फेथ किपयेगॉन (केन्या), 200 मीटर सनसनी लेट्साइल टेबोगो (बोत्सवाना), लंबी दूरी के धावक जैकब इंगेब्रिग्त्सेन (नॉर्वे), 100 मीटर धावक शा''कैरी रिचर्डसन (यूएसए) और जूलियन अल्फ्रेड (सेंट लूसिया) शामिल हैं.

कोहली और स्मिथ के बीच मुकाबला देखना रोमांचक होगा: ग्लेन मैक्सवेल

एजेंसी। नयी दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में प्रीमियर बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और विराट कोहली के बीच मुकाबला देखना काफी रोमांचक होगा. स्मिथ ने भारत के खिलाफ 19 टेस्ट मैचों में 65.87 की औसत से 2042 रन बनाए हैं, जिसमें नौ शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं. दूसरी ओर, कोहली ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 टेस्ट मैचों में 47.48 की शानदार औसत से इतने ही रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक शामिल हैं. ऑस्ट्रेलिया में कोहली ने 13 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 54.08 की औसत से 1,352 रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक और चार अर्द्धशतक शामिल हैं. मुझे लगता है कि जिस तरह से दो सुपरस्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और विराट कोहली आमने-सामने होंगे, मुझे लगता है कि इस सीरीज में उनका दबदबा देखने को मिलेगा और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी कौन जीतेगा, इस पर इसका कितना असर होगा. मैक्सवेल ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, उन दोनों में से कोई एक बहुत रन बनाएगा और हमारी पीढ़ी के दो बेहतरीन खिलाड़ियों को आमने-सामने देखना काफी रोमांचक होगा. 2024/25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत और ऑस्ट्रेलिया 22 नवंबर से 7 जनवरी, 2025 तक पर्थ, एडिलेड (गुलाबी गेंद वाला मैच), ब्रिसबेन, मेलबर्न और सिडनी में टेस्ट मैच खेलेंगे. भारत ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पिछली दो बार 2018/19 और 2020/21 में जीती है. यह 1991/92 के बाद से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज भी होगी.

ब्रीफ खबरें

पूर्व मुखिया की पत्नी को सांप ने काटा, मौत

औरंगाबाद । औरंगाबाद जिले के देव प्रखंड में गुरुवार की रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब पूर्व प्रखंड प्रमुख राकेश पासवान की 30 वर्षीय पत्नी संगीता कुमारी की सांप के काटने से मौत हो गई. यह घटना उस वक्त घटी जब संगीता घर की छत पर खाना बनाने के लिए गोइठा (उपला) लेने गई थी. छत पर पहले से ही एक विषैला सांप बैठा था, जैसे ही वह गोइठा लेकर नीचे उतर रही थी, सांप ने उसे डस लिया. सांप काटने के बाद देव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

वन विभाग ने हिरण का सींग किया बरामद

नवादा । नवादा में वन विभाग ने जंगली हिरण के सींग को बरामद किया है. वहीं जंगली इलाके में हिरण के सींग मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. मिली जानकारी अनुसार रजौली थाना क्षेत्र के जंगली इलाके जमुदाहा के जंगलों में वन विभाग की टीम ने यह हिरण का सींग बरामद किया है. हिरण का सींग मिलने से तस्करी की आशंका जताई जा रही है. वन विभाग के अधिकारियों ने इसकी सूचना मिलते ही जंगल से कुछ हिरण के सींग को अपने कब्जे में लिया है. अक्सर हिरण का शिकार उसके मांस और सींग के लिए किया जाता रहा है. ऐसी आशंका जताई जा रही है कि खूंटी से आए आदिवासी कई सालों से इन इलाकों में अवैध तरीके से रह रहे हैं.

पटना में पेपर मिल में लगी आग, मचा हड़कंप

पटना । पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में भीषण आगलगी की घटना हुई है. शुक्रवार को लगभग दोपहर के डेढ़ बजे का बताया जा रहा है जहां बाईपास के पास ज्ञान पेपर मिल विजय नगर स्थित गोदाम में भीषण अगलगी की घटना हुई जिससे इलाके में अफरा तफरी का माहौल बन गया. आनन-फानन में स्थानीय लोगो ने स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना अग्नि शमन विभाग को दी. जिसके बाद 5 दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच आग बुझाने में जुटी है. बताया जा रहा है कि इस घटना में लाखों के संपत्ति का नुकसान हुआ है.

गया जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र के चकसेव गांव में मचा हड़कंप

अस्पताल के बाहर लगी भीड़

कुएं में दम घुटने से तीन की मौत

संवाददाता । गया

जिले में जहां कुएं में दम घुटने से तीन युवकों की मौत हो गई. मौत की सूचना मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया. घटना की सूचना पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों युवकों को पास के सीएचसी अस्पताल ले गए. जहां चिकित्सकों ने तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया. मौके से पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया. वहीं, घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. उक्त घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है. यह पूरा मामला गया जिले के वजीरगंज थानाक्षेत्र के चकसेव गांव का है.

जानकारी के मुताबिक, मृत तीनों युवकों की पहचान ललन कुमार (25), चिंकू तिवारी और सुभाष कुमार के रूप में हुई है. मृत तीनों युवक एक ही गांव के रहने वाले हैं. बताया जा रहा है कि शुक्रवार को दोपहर करीब एक बजे गया जिले के वजीरगंज थानाक्षेत्र अंतर्गत चकसेव गांव का एक युवक चिंकू तिवारी सफाई के लिए कुएं में उतरा था. कुएं की सफाई के दौरान चिंकू तिवारी का दम घुटने लगा. यह देख दूसरा साथी सुभाष कुमार कुएं में कूद पड़ा. तभी दोनों युवकों का कुएं के अंदर दम घुटता देख, तीसरे साथी ललन कुमार ने भी छलांग लगा दी. इस दौरान तीनों युवकों का दम घुटने लगा और वे युवक बेहोश हो गए.

उसके बाद गांव वालों ने डायल 112 की पुलिस को सूचना दी और कुएं से तीनों युवकों को बाहर निकाला गया. मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों युवकों की इलाज के लिए पास के सीएचसी अस्पताल ले गए. जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया. मौत की सूचना के बाद गांव में मातम छा गया. वहीं, मृत तीनों युवकों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. फिलहाल पुलिस ने मृत तीनों युवकों की शवों को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया. साथ ही मामले की छानबीन में जुट गई.

शराब पीने से मना किया तो युवक ने दे दी जान

बेगूसराय । बेगूसराय में पत्नी के नशा करने से मना करने पर नाराज होकर पति ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. घटना मुफस्सिल थानाक्षेत्र के हरदिया वार्ड-9 की है. मृतक युवक की पहचान हरे राम महतो के बेटे नीरज कुमार के रूप में की गई है. जानकारी के मुताबिक, नीरज कुमार नशे का काफी आदी था. नशे को लेकर घर में कई बार पत्नी के साथ विवाद भी हुआ.

बताया जा रहा है कि पत्नी ने नशा करने से नीरज कुमार को मना किया. इस बात को लेकर दोनों में फिर विवाद हुआ. विवाद होने के बाद पत्नी अपने बच्चों को स्कूल से लाने के लिए चली गई. बताया जा रहा है कि इस दौरान पत्नी से नाराज नीरज ने घर में खुद अकेला पाकर गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. जब पत्नी घर आई तो अंदर से दरवाजा लगा हुआ था. खिड़की से जब झांककर देखा तो नीरज कुमार फंदे से लटका हुआ था. आनन-फानन में दरवाजा तोड़कर जब उसे फंदे से नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक नीरज की मौत हो चुकी थी. वहीं, स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना मुफस्सिल थाना पुलिस को दी. उसके बाद मौके पर पहुंचकर मुफस्सिल थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई.

स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई

दो किन्नरों की मौत, दो घायल

एजेंसी । गोपालगंज

गोपालगंज जिले के मांझागढ़ थानाक्षेत्र के भोजपुरवा गांव के पास तेज रफ्तार में जा रही स्कॉर्पियो गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई. इस दर्दनाक हादसे में दो किन्नरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए. जानकारी के मुताबिक, सभी किन्नर स्कॉर्पियो में सवार होकर जिले के जादोपुर थानाक्षेत्र से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम को लौट रहे थे. दुर्घटना में मृत दोनों किन्नरों की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है, जबकि गंभीर रूप से जख्मी की पहचान नेहा किन्नर और अंजला किन्नर के रूप में हुई है. गाड़ी में सवार चालक और तीन अन्य लोग घटना के बाद फरार हो गए हैं.

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो गाड़ी का चालक बहुत तेजी से गाड़ी को लेकर आ रहा था. तभी भोजपुरवा गांव के पास अचानक चालक को झपकी आने से कार डिवाइडर से टकरा गई और डिवाइडर को तोड़ते हुए पलट गई. इस हादसे में दो किन्नर की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल है. घायलों को ग्रामीणों की मदद से इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को नाजुक देखते हुए अंजला किन्नर को बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया. हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया है.

उधर इस मामले में मांझागढ़ थाना अध्यक्ष संग्राम सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में दो नर्तकियों की मौत हुई है. वहीं, दो लोग गंभीर रूप से जख्मी भी हैं. मृतकों की शिनाख्त की जा रही है. शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज मामले की जांच की जा रही है.

नाबालिग के साथ छह दोस्तों ने गैंगरेप कर वीडियो वायरल किया

मोतिहारी । जिले के केसरिया थाना क्षेत्र के बिजधरी ओपी थाना क्षेत्र में बीते दिनों खेत में काम करने गए नाबालिग लड़की के साथ छह दोस्तों ने गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया और वीडियो बना लिया. इसके बाद वीडियो को सोशल मीडिया में वायरल कर दिया. इस मामले में पीड़ित लड़की के पिता ने थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है. बिजधरी ओपी थाना को आवेदन मिलते ही गुरुवार को छापेमारी कर तीन युवक को गिरफ्तार कर थाने लेकर लाई. गिरफ्तार तीनों युवकों शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा. जिले के केसरिया थाना के बिजधरी ओपी क्षेत्र के एक गांव की 13 वर्षीय लड़की बीते विगत दिनों खेत में काम करने गई थी.

ईओयू ने डीजीपी को लिखा पत्र

बिहार सिपाही भर्ती घोटाले में एसके सिंघल पर होगी कार्रवाई

संवाददाता । पटना

सिपाही भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में केंद्रीय चयन पर्षद के तत्कालीन अध्यक्ष और पूर्व डीजीपी एसके सिंघल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. उन पर लापरवाही और नियमों की अनदेखी के आरोप लगे हैं. इसके बाद अब आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की है. एडीजी ने बिहार के डीजीपी को इस संबंध में पत्र भेजा है. ईओयू ने जांच में पाया है कि पर्षद के तात्कालिक अध्यक्ष एसके सिंघल ने लापरवाही के अलावा नियमों एवं मानकों की अनदेखी की. पत्र में यह भी लिखा हुआ है कि एसके सिंघल ने अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरती है. उनके विरुद्ध आपराधिक अभियुक्तकरण के लिए अब तक के अनुसंधान में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इन्होंने अपने पद के दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन नहीं करते हुए स्थापित नियमों एवं मानकों की अनदेखी की है. आर्थिक अपराध इकाई का कहना है कि विज्ञापन संख्या 1/2023 सिपाही भर्ती परीक्षा के पेपर लीक प्रकरण में सुनियोजित ढंग से एक संगठित अपराधिक गिरोह के द्वारा पेपर लीक मामले में इनकी भूमिका संदेह के दायरे में है. अनुशासनिक कार्रवाई के लिए पर्याप्त साक्ष्य है.

पटना में अपराधियों ने प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी

पटना । पटना में बेखौफ अपराधियों ने एक प्रॉपर्टी डीलर को गोलियों से भून डाला, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान दतियाना विक्रम निवासी सुदर्शन वर्मा (45) के रूप में की गई है. घटना फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के एम्स गोलंबर के पास की है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई. पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी को खंगाला है, जिसमें अपराधी दिख रहे हैं. पुलिस का कहना है कि प्रॉपर्टी डीलर सुदर्शन वर्मा ऑफिस से निकलकर अपनी कार में बैठने जा रहे थे. तभी बाइक से आये अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोलियों की बौछार कर दी. जिससे उसकी मौत हो गयी.

पारिवारिक कलह में महिला ने दो बच्चों के साथ दे दी जान

संवाददाता । मोतिहारी

पूर्वी चंपारण के मलाही थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली. बताया जा रहा है कि सुभावती देवी का पति भोलाराम दूसरे राज्य में कमाने जा रहा था. लेकिन वह बाहर जाने से मना कर रही थी. जिससे नाराज होकर उसने इस तरह का कदम उठाया. वहीं डीएसपी रंजन कुमार का कहना है कि पति की प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने जहर खाया है. बताया कि घटना के बाद से भोलाराम फरार है. मामले की जांच की जा रही है. जल्द भोलाराम को गिरफ्तार किया जायेगा और मामले का खुलासा किया जायेगा.

भोलाराम की पत्नी का कहना था कि वह यहीं रहकर काम करें. इसी को लेकर गुरुवार रात को दोनों के बीच विवाद हुआ था. कहा जा रहा है कि भोलाराम ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट की थी. ऐसे में नाराज होकर सुभावती देवी ने पहले अपनी दोनों बेटी परी और उजाला को जहरीला पदार्थ खिलाया. इसके बाद खुद भी जहर खा लिया. आनन-फानन में परिजनों ने तीनों को पहाड़पुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. जहां शुक्रवार को इलाज के दौरान सुगावती देवी और परी की मौत हो गयी. वहीं उजाला को बेहतर इलाज के लिए बेतिया रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उजाला की भी मौत हो गयी.

मध्याह्न भोजन में मिली छिपकली, 23 बच्चे हुए बीमार, अस्पताल में भर्ती

नालंदा । नालंदा में एक बार फिर से मध्याह्न भोजन में छिपकली मिलने का मामला सामने आया है. घटना हिलसा अनुमंडल के मध्य विद्यालय हरबंशपुर मड़वा की है. जहां खाने में छिपकली मिलने के बाद स्कूल के 23 बच्चे बीमार हो गए, जिन्हें इलाज के लिए हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मध्य विद्यालय हरबंशपुर मड़वा के छात्र गोलू कुमार ने बताया कि खाने में एक छिपकली निकली, उक्त खाने को सभी बच्चों ने खा लिया था. इसके बाद एक-एक कर सभी की तबीयत बिगड़ने लगी. उल्टी और चक्कर आने लगे. मध्याह्न भोजन में पुलाव और छोले की सब्जी मिली थी. पुलाव में छिपकली मिली थी.

कारोबार

माय मुद्रा फिनकॉर्प के शेयर हुए लिस्टिंग

नयी दिल्ली । लोन बांटने वाली कंपनी माय मुद्रा फिनकॉर्प के शेयरों की लिस्टिंग शेयर बाजार के एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो गई. इस आईपीओ को निवेशकों द्वारा बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला था और इसे कुल 102 गुना से ज्यादा भरा गया था. कंपनी के शेयर बाजार में 130 रुपये पर लिस्ट हुए हैं. वहीं आईपीओ में शेयरों का प्राइस बैंड 110 रुपये पर जारी किया गया था. ऐसे में निवेशकों को 18.2 फीसदी का लिस्टिंग गेन हासिल हुआ है. खास बात यह रही है कि ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 33 फीसदी प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे थे.

एक साल में बैलेंस्ड फंड ने दिया 31% मुनाफा

नयी दिल्ली । बैंक के फिक्स्ड डिपॉजिट सहित निवेश के अन्य साधनों को पीछे छोड़ते हुए बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने एक साल में 31 फीसदी तक का मुनाफा दिया है. यानी इस दौरान बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में 10,000 रुपये का निवेश किया होगा तो शुक्रवार को वह 13,000 रुपये से ज्यादा हो गया होगा. म्यूचुअल फंड की यह स्कीम इक्विटी बाजार में शून्य से लेकर 100 फीसदी तक निवेश करती है. एम्फी के जारी आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी फंड में निवेशकों का रुझान बना हुआ है.

एडीबी ने दी 10 करोड़ डॉलर की दी मंजूरी

नयी दिल्ली । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने श्रीलंका के जल आपूर्ति और स्वच्छता क्षेत्र के सुधारों का समर्थन करने के लिए 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है. एडीबी ने बुधवार को बताया कि स्वीकृत ऋण जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति देश के लचीलेपन को बढ़ाने और दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद करेगा. यह सहायता 100 मिलियन अमरीकी डॉलर के दो उप-कार्यक्रमों में बना होगा. एडीबी के अनुसार, उप-कार्यक्रम 1 के तहत राष्ट्रीय स्तर पर और राष्ट्रीय जल आपूर्ति और जल निकासी बोर्ड (एनडब्ल्यूएसडीबी) के लिए नीतियों और रणनीतियां बनाई जाएंगी.

फोटो के लिए पोज

मॉडल और अभिनेत्री शेफाली जरीवाला और पति पराग त्यागी अपने कुत्ते के साथ शुक्रवार को मुंबई हवाई अड्डे पर पहुंचते हुए फोटो के लिए पोज देते हुए.

केंद्र सरकार ने जारी किया निर्देश : सोने की शुद्धता के मानक और सख्त होंगे

9 कैरेट गोल्ड की भी होगी हॉलमार्किंग

केंद्र सरकार ने 9 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी पर हॉल मार्किंग को अनिवार्य करने का फैसला लिया है

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार के निर्देश पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) जल्दी ही 9 कैरेट सोने से बने आभूषणों की हॉलमार्किंग को भी अनिवार्य करने जा रहा है. सोने की कीमत में आई तेजी के कारण पिछले कुछ अरसे से देश में 9 कैरेट सोने से बने आभूषणों की मांग में भी काफी तेजी आई है. ऐसी स्थिति में इस सोने की शुद्धता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं. इसी वजह से केंद्र सरकार ने 9 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी पर हॉल मार्किंग को अनिवार्य करने का फैसला लिया है. भारतीय मानक ब्यूरो ने 9 कैरेट

गोल्ड से बने आभूषणों की हॉलमार्किंग के लिए मार्केट के सभी स्टेकहोल्डर्स से बातचीत शुरू कर दी है. आने वाले दिनों में 9 कैरेट सोने से बने आभूषणों की शुद्धता की जांच कर ग्राहकों को उसका सर्टिफिकेट दिया जाएगा.

फिलहाल देश में 24 कैरेट, 23 कैरेट, 22 कैरेट, 18 कैरेट और 14 कैरेट सोने से बनी ज्वेलरी पर हॉलमार्किंग करना अनिवार्य है. 2022 से ही हॉलमार्किंग का ये नियम पूरे देश में लागू कर दिया गया है.

जानकारों का कहना है कि सोने की कीमत में आई तेजी की वजह से इन दिनों 9 कैरेट से लेकर 14 कैरेट और 18 कैरेट सोने से बनी ज्वेलरी की मांग भी काफी ज्यादा बढ़ गई है. जबकि कुछ समय पहले तक सोने की ज्वेलरी के लिए 22 कैरेट का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता था. इसकी वजह सोने की कीमत के बड़ा अंतर को भी माना जा रहा था. फिलहाल 24 कैरेट सोना घरेलू सर्राफा बाजार में 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है, जबकि 9 कैरेट सोने की कीमत 25 हजार रुपये के आसपास है. यही कारण है कि इन दिनों आभूषण की खरीद में कम शुद्धता वाले सोने की मांग ज्यादा बढ़ गई है. मांग में बढ़ोतरी होने से अब इनकी शुद्धता पर भी सवाल उठाए जाने लगे हैं. यही वजह है कि केंद्र सरकार ने भारतीय मानक ब्यूरो को 9 कैरेट सोने से बने आभूषण की भी हॉलमार्किंग करने का निर्देश दिया है, ताकि ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी न हो.

उल्लेखनीय है कि वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार सोने की खरीद के मामले में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है. इस साल सोने की डिमांड 750 टन तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है. पिछले साल की तुलना में इस साल अभी तक सोने की मांग में 1.58 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

माना जा रहा है कि कीमत में तेजी आने के बावजूद इस साल के अंत तक सोने की मांग में 2 प्रतिशत से अधिक का इजाफा हो जाएगा. ऐसी स्थिति में सोने के खरीदारों के हितों की सुरक्षा पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है. यही वजह है कि 9 कैरेट तक के गहनों की हॉल मार्किंग को अनिवार्य करने पर विचार किया जा रहा है.

96 प्रतिशत भारतीय मिड-मार्केट फर्म जनरेटिव एआई को दे रही प्राथमिकता

नई दिल्ली । मिड-मार्केट सेगमेंट की करीब 96 प्रतिशत भारतीय कंपनियां (250 से 1,500 कर्मचारी) जनरेटिव एआई को प्राथमिकता दे रही हैं, जबकि बाकी दुनिया में यह आंकड़ा 91 प्रतिशत है. एक रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी सामने आई. 2024 में भारतीय मिड-मार्केट कंपनियों द्वारा जनरेटिव एआई को अपनाने की वजह संस्था को साइबर खतरों के खिलाफ तैयार होना और बिजनेस के संचालन को अधिक पर्यावरण अनुकूल बनाना है. एसएपी इंडिया की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में संस्थाएं अपने बिजनेस में बदलाव लाने के लिए दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले अधिक प्राथमिकता दे रही हैं. भारत उपमहाद्वीप में एसएपी के मैनेजिंग डायरेक्टर और अध्यक्ष मनीष प्रसाद ने कहा कि भारत का मिड मार्केट बिजनेस देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है. उन्होंने आगे कहा, एआई इन कंपनियों के लिए गेम-चेंजर होने वाला है. इससे इन कंपनियों को काम करने के लिए इनसाइट्स और डिजिटल अर्थव्यवस्था में आगे बढ़ने में मदद करेगा. सर्वे में भाग लेने वाली मिड-मार्केट कंपनियों में 67 प्रतिशत ने एआई को प्राथमिकता देने की वजह साइबर हमले, 65 प्रतिशत ने ऑपरेशन को पर्यावरण टिकाऊ योग्य बनाना, 55 प्रतिशत ने प्राइवेसी और सिक्योरिटी, 52 प्रतिशत ने निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना माना है.

आरबीआई गवर्नर बोले

भारत की विकास क्षमता 7.5% से अधिक होने की संभावना

एजेंसी । सिंगापुर/नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि भारत में कम से कम 7.5 फीसदी की वृद्धि की संभावना है. वह सिंगापुर में ब्रेटन वुड्स कमेटी द्वारा आयोजित 'फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024' को संबोधित कर रहे थे. दास ने कहा कि भारत का वृद्धि परिदृश्य देश के वृहद आर्थिक बुनियाद की मजबूती को बताता है. उन्होंने कहा कि इसमें निजी उपभोग और निवेश जैसे घरेलू तत्व प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं. आरबीआई गवर्नर का यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 7.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान से थोड़ा ऊपर है. हालांकि, दास ने मुद्रास्फीति में गिरावट के बावजूद फिलहाल ब्याज दर में कटौती से इनकार किया. उन्होंने ब्रेटन वुड्स कमेटी के वार्षिक फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024 को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि का वृहत आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के माहौल का समर्थन है. आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मुझे लगता है कि आज भारत की संभावित वृद्धि...लगभग साढ़े सात फीसदी से अधिक है. दास ने दुनिया को बढ़ते वैश्विक कर्ज के बारे में आगाह किया है, जो 2024 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 333 फीसदी के बराबर 315 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया है.

गवर्नर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ रही चुनौतियों के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया.

शेयर बाजार

हफ्ते का आखिरी कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए रहा शानदार

मिड-कैप इंडेक्स 60000 के ऑलटाइम हाई पर हुआ बंद

एजेंसी । मुंबई

हफ्ते का आखिरी कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद शानदार रहा है. सेंसेक्स-निफ्टी में भले ही गिरावट रही हो लेकिन शुक्रवार के सत्र में बाजार में दो नए कीर्तिमान बने. मिड-कैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स पहली बार 60,000 के आंकड़े को पार करते हुए 60189.35 के ऑलटाइम हाई पर जा पहुंचा है. स्मॉल-कैप शेयरों में भी शानदार तेजी देखने को मिली. मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में खरीदारी के चलते बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप पहली बार 469 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक हाई पर

जा पहुंचा. कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 72 अंकों की गिरावट के साथ 82,890 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 32 अंकों की गिरावट के साथ 25,356 अंकों पर बंद हुआ है. शुक्रवार के ट्रेड में बैंकिंग, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटो, मीडिया, रियल एस्टेट, मेटल्स और फार्मा सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है. जबकि एफएमसीजी, एनर्जी, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में मुनाफावसूली रही. मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में सेशन में भारी खरीदारी रही. निफ्टी का मिडकैप 100 ऑलटाइम हाई पर जा पहुंचा और 60034 पर बंद हुआ है. निफ्टी का स्मॉल कैप इंडेक्स भी 151 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ है.

बैंकिंग आईटी शेयरों में तेजी देखी गयी : मिड-कैप स्मॉल-कैप समेत बैंकिंग आईटी शेयरों में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में जोरदार उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 468.80 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जबकि पिछले सेशन में ये 467.36 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था. शुक्रवार के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 1.44 लाख करोड़ रुपये का इजाफा देखने को मिला है.

शुक्रवार के ट्रेड में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 शेयर तेजी के साथ जबकि 19 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 20 तेजी के साथ और 30 गिरकर बंद हुए. बजाज फाइनेंस 2.31 फीसदी, बजाज फिनसर्व 2.17 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.19 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.18 फीसदी, टाटा स्टील 1.09 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.80 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.61 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले शेयरों में अडानी पोर्ट्स 1.37 फीसदी, आईटीसी 1.01 फीसदी, भारती एयरटेल 0.88 फीसदी एनटीपीसी 0.78 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

आरबीआई के पास फिर से देंगे आवेदन

नयी दिल्ली । पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशन लिमिटेड के फाउंडर और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने एलान किया है कि कंपनी बैंकिंग सेक्टर के रेगुलेटर आरबीआई के पास फिर से पेमेंट एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आवेदन करेगी. वन97 कम्युनिकेशन लिमिटेड की 24वीं एजीएम बैठक को संबोधित करते हुए विजय शेखर शर्मा ने ये बातें कही है. उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में हम आरबीआई के पास पेमेंट एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आवेदन करेंगे.

न्यूज अपडेट

गाजा की स्वास्थ्य प्रणाली वेंटिलेटर पर

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया है कि 23 जुलाई तक गाजा संघर्ष में कम से कम 22,500 लोग गंभीर चोट का शिकार हुए हैं. इन जख्मों ने उन्हें जीवन भर का दर्द दिया है. विकलांगता का दंश सहने को मजबूर हुए हैं. शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि गुरुवार को प्रकाशित रिपोर्ट में गाजा की पहले से ही कमजोर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर भारी बोझ पड़ा है. उन्होंने कहा कि 13,455 से 17,550 लोग बुरी तरह जख्मी हुए हैं. इसकी वजह से लगभग 4,000 लोगों के अंग काटे गए हैं.

द. कोरिया ने हटाये चीन निर्मित कैमरे

सोल। उत्तर कोरिया की सीमा के पास स्थित सैन्य ठिकानों के अलावा सीमा से सटे विभिन्न अड्डों पर स्थापित 1,300 से अधिक चीन निर्मित निगरानी कैमरों को दक्षिण कोरियाई सेना ने हटा दिया है. योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि सेना ने सुरक्षा चिंताओं के चलते सभी संबंधित उपकरणों को हटा दिया और अब उन्हें घरेलू उपकरणों से बदल रही है. वर्तमान में उनमें से लगभग 100 को नए सिरे से लगाया गया है. इन सीसीटीवी को ऐसे डिजाइन किया गया था कि ये चीनी सर्वर तक रिकॉर्डेड फुटेज भेजने में सक्षम थे.

दक्षिण कोरिया-अमेरिका की चिंता बढ़ी

वाशिंगटन। उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपण ने दक्षिण कोरिया और उसके सहयोगी अमेरिका की चिंता बढ़ा दी हैं. दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने फोन पर बातचीत की है. पेंटागन के मुताबिक वार्ता में वॉशिंगटन-सोल गठबंधन की मजबूती पर जोर दिया गया. योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून और अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने गुरुवार को बातचीत की. यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब प्योंगयांग ने इस सप्ताह की शुरुआत में बैलिस्टिक मिसाइलों का प्रक्षेपण किया.

सांसद के रिश्तेदारों के ठिकानों पर छापे

चंडीगढ़। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को सांसद और सिख कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह के रिश्तेदारों और सहयोगियों के कई ठिकानों पर छापेमारी की. अमृतपाल आतंकवाद और गैंगस्टर नेटवर्क के सिलसिले में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं. बता दें कि यह छापेमारी 2023 की एक घटना से जुड़ी है जिसमें खालिस्तानी समर्थकों ने कनाडा के ओटावा में भारतीय उच्चायोग के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया था और लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमला किया था.

'गैर-हिंदुओं की एंट्री बैन' पर सियासत

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग में गैर-हिंदुओं और रोहिंग्या मुसलमानों व फैरी वालों के गांव में एंट्री बैन को लेकर प्रदेश की सियासत एक बार फिर गरमा गई है. विपक्ष इस मामले को लेकर सरकार को आड़े हाथों ले रहा है. पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने सरकार पर तंज कसते हुए इसे भाजपा की कायराना हरकत करार दिया है. रावत ने कहा कि यह भाजपा की कायराना हरकत थी. कायरों में स्थितियों को झेलने का साहस नहीं होता है. जैसी ही मीडिया में ये समाचार आए तो भाजपा ने पोस्टर हटा लिए.

मायावती का अखिलेश यादव को जवाब

लखनऊ। बसपा की प्रमुख मायावती ने सपा मुखिया अखिलेश यादव को गठबंधन टूटने के मुद्दे पर फिर घेरा है. उन्होंने कहा अब इतने साल बाद सफाई देना कितना उचित है. उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्ट किया. मायावती ने कहा कि लोकसभा चुनाव-2019 में यूपी में बीएसपी के 10 व एसपी के 5 सीटों पर जीत के बाद गठबंधन टूटने के बारे में मैंने सार्वजनिक तौर पर भी यही कहा कि सपा प्रमुख ने मेरे फोन का भी जवाब देना बंद कर दिया था.

तीन शातिर बदमाश धराया, दो घायल

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने चेकिंग के दौरान तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है. पुलिस जब बदमाशों को देर रात माल की बरामदगी के लिए उनके बताए ठिकाने पर ले गई, तब आरोपियों ने उन पर गोलियां चला दी. पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए. पुलिस को इनके पास से दो तमंचे, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, लूट की एक चैन, लूट व स्नेचिंग के सामान को बेचकर मिले 32,300 रुपये व घटना में इस्तेमाल चोरी की बाइक बरामद की है.

चांदीपुर में मिसाइल का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली। भारत ने वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल के एक के बाद एक सफल उड़ान परीक्षण किए हैं. 12 सितंबर को भी चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया था. शुक्रवार को एक बार फिर ओडिशा के चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन व भारतीय नौसेना ने मिसाइल का सफल परीक्षण किया.

अदालत ने हिंदू पक्ष की याचिका की खारिज

वाराणसी। अदालत ने ज्ञानवापी मामले में शुक्रवार को हिंदू पक्ष की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें यह मांग की गई थी कि व्यास जी तहखाने की छत पर मुस्लिमों के नमाज अता करने पर रोक लगाई जाए. हिंदू पक्षकारों ने कमजोर छत को अपनी मांग की वजह बताते हुए तर्क दिया था कि छत किसी भी वक्त क्षतिग्रस्त हो सकती है. व्यास जी के तहखाने में हिंदू जहां पूजा-अर्चना करते हैं, वहीं मुस्लिम उसकी छत पर नमाज अता करते हैं. ऐसे में यह जगह दोनों ही समुदायों के लिए आस्था के साथ कानूनी लड़ाई का भी अखाड़ा बन गया है.

राजधानी दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश

आगरा में भारी बारिश से चंबल उफान पर

एजेंसी। आगरा

आगरा में बारिश से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. आगरा के पिनाहट कस्बे में चंबल नदी उफान पर है, जिससे क्षेत्र में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है. बताया जा रहा है कि कोटा बैराज से छोड़े गए 3 लाख क्यूसेक पानी के कारण नदी खतरे के निशान के करीब बह रही है. चंबल नदी का पानी पास के ही तटवर्ती तीन दर्जन गांवों के संपर्क मार्गों में भर गया है, जिससे इन गांवों की स्थिति गंभीर हो गई है. प्रशासन ने तटवर्ती गांवों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है और नदी के किनारे रहने वाले ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है. राजस्व टीमों को नदी के किनारे के गांवों में तैनात किया गया है और ग्रामीणों को नदी के किनारे न जाने की हिदायत दी है.

गाजियाबाद में भारी बारिश से मकान की छत गिरी, महिला की मौत, दो बेटियां घायल

गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर में बीते गुरुवार सुबह से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है. बारिश के चलते गाजियाबाद के लोनी थाना इलाके में एक जर्जर मकान की छत गिर गई. इसके नीचे घर में सो रही महिला और उसकी दो बेटियां दब गईं. पुलिस टीम और आसपास के लोगों ने सभी को रेस्क्यू कर बाहर निकाला. इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया. महिला की मौत हो गई है और उसकी दो बेटियां घायल हैं. पुलिस के मुताबिक, दोनों लड़कियों की हालत ठीक है.

दिल्ली में भारी बारिश, नबी करीम इलाके में गिरी दीवार 1 व्यक्ति की मौत, 5 घायल

नयी दिल्ली। दिल्ली के कई इलाकों में दो दिन से बारिश हो रही है. इस बीच नबी करीम इलाके में एक मकान की दीवार गिर गई, जिसके मलबे में दबकर पांच लोग घायल हो गए और एक व्यक्ति की मौत हो गई. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. यह जानकारी दिल्ली फायर सर्विस के एक अधिकारी ने दी. स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल मौके पर मौजूद हैं. वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह अचानक बहुत तेज आवाज सुनाई दी, कुछ लोग वहां पहुंचे और देखा कि दीवार के मलबे में कुछ लोग दबे हुए हैं.

टीएमसी सांसद महुआ ने किया दावा- लोकपाल ने दर्ज कर लिया है मामला

सेबी प्रमुख के खिलाफ लोकपाल में शिकायत दर्ज, अडानी को भी घसीटा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच के खिलाफ लोकपाल में शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में उन पर भ्रष्टाचार और शेयर के हेर-फेर में शामिल होने का आरोप लगाया गया है. महुआ मोइत्रा ने लोकपाल से मामले की जांच करने की अपील की है.

देश में भ्रष्टाचार के मामलों की निगरानी करने वाली संस्था ने महुआ मोइत्रा की इलेक्ट्रॉनिक शिकायत दर्ज कर ली है और जवाब दिया है कि मामले की जांच की जा रही है.महुआ मोइत्रा ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, माधवी पुरी-बुच के खिलाफ मेरी लोकपाल में शिकायत दर्ज हो गई है. लोकपाल को 30 दिन के अंदर इसे शुरुआती जांच और फिर फुल एफआईआर जांच के लिए सीबीआई या ईडी को भेजना चाहिए. उन्होंने आगे कहा, इसमें शामिल हर शख्स को तलब किया जाना चाहिए और हर लिंक की जांच की जानी चाहिए. महुआ मोइत्रा अपनी शिकायत में कहा, माधवी बुच को अप्रैल 2017 से अक्टूबर 2021 तक सेबी का फुल टाइम सदस्य और उसके बाद मार्च 2022 में सेबी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. लगभग रोज हो रहे खुलासों को देख कर ऐसा प्रतीत होता है कि बुच एक सीरियल अपराधी हैं जिन्होंने ऐसे काम किए हैं, जो एक पब्लिक सर्वेन्ट के तौर पर पूरी तरह गलत है और यह भारत के राष्ट्रीय हितों को खतरा पहुंचाते हैं.

सेबी प्रमुख पर क्या हैं आरोप : यह शिकायत 11 सितंबर को दर्ज की गई थी. इससे पहलेअमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च ने दावा किया था कि सेबी प्रमुख और उनके पति ने ऑफशोर फंड में निवेश किया था जो अडानी समूह की कंपनियों से जुड़े हैं. यह उस दौरान हुआ जब सेबी अडानी समूह के खिलाफ शेयर के हेर-फेर की शिकायतों की जांच कर रहा था. सेबी प्रमुख पर अडानी समूह के खिलाफ शिकायतों से निपटने से खुद को अलग न करने के लिए हितों के टकराव और भ्रष्टाचार का आरोप है.

सेबी प्रमुख ने आरोपों को किया है खारिज : सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने हाल की घटनाओं पर व्यक्तिगत क्षमता में एक संयुक्त बयान जारी किया. उन्होंने शुक्रवार को महुआ मोइत्रा औ कांग्रेस द्वारा लगाए गए अनियमितता और हितों के टकराव के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि ये गलत, प्रेरित और अपमानजनक हैं. बयान में कहा गया है, माधबी ने सेबी में शामिल होने के बाद कभी भी अगोरा एडवाइजरी, अगोरा पार्टनर्स, महिंद्रा समूह, पिडिलाइट, डॉ रेड्डीज, अल्वारेज़ एंड मार्सल, सेम्बकॉर्प, विसू लीजिंग या आईसीआईसीआई बैंक से जुड़ी किसी भी फाइल पर निर्णय नहीं लिया है. जैसा कि उपरोक्त तथ्यों और कंपनियों के संचार से स्पष्ट है, आरोप पूरी तरह से झूठे, दुर्भावनापूर्ण और सम्मान को हानि पहुंचाने वाले हैं... लगाए गए सभी आरोप झूठे, गलत, दुर्भावनापूर्ण और राजनीति से प्रेरित हैं.

अडानी बंधुओं और सेबी के बोर्ड सदस्य भी जवाबदेह

भ्रष्टाचार निवारण कानून का हवाला देते हुए महुआ मोइत्रा ने कहा कि इस कानून की धारा 21 के तहत, माधवी बुच, धवल बुच (उनके पति), गौतम अडानी, विनोद अडानी, सिरिल श्रॉफ मुख्य रूप से जवाबदेह हैं. उन्होंने दावा किया कि सेबी के बोर्ड सदस्यों को भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए. उन्होंने कहा, भारतीय शेयर बाजार में अब लगभग 10 करोड़ नागरिक हैं, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष निवेशक हैं. इसके अलावा, विदेशी निवेशकों ने भी भारत के शेयर बाजारों और इसकी विश्वसनीयता पर गहरी चिंता जताई है. इसलिए यह राष्ट्रीय हित का एक गंभीर मामला है और इसलिए जांच की जानी चाहिए.

हिंडनबर्ग रिसर्च का नया खुलासा, स्विट्जरलैंड प्रशासन ने अदाणी ग्रुप के फंड्स को फ्रीज किया

अहमदाबाद। अदाणी ग्रुप ने शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के नए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा गया कि ये तर्कहीन, बेतुके और आधारहीन हैं. अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म द्वारा कहा गया था कि स्विट्जरलैंड प्रशासन द्वारा अदाणी ग्रुप के फंड्स को फ्रीज कर दिया गया है. इन आरोपों को खारिज करते हुए अदाणी ग्रुप के प्रवक्ता ने कहा कि ये बिल्कुल बेतुके और आधारहीन हैं. अदाणी ग्रुप की स्विट्जरलैंड की किसी कोर्ट कार्यवाही में भाग नहीं लिया है और हमारा कोई भी खाता किसी भी प्रशासनिक संस्था द्वारा जब्त नहीं किया गया है. प्रवक्ता ने आगे कहा कि आरोपों में जिस आदेश की बात की जा रही है उसमें कही भी अदाणी ग्रुप की कंपनियों का नाम नहीं है और किसी भी एजेंसी से हमें स्पष्टीकरण देने के लिए कोई पत्र नहीं प्राप्त हुआ है. आगे कहा कि हमारी ओवरसीज होल्डिंग पूरी पारदर्शी है और कंपनी सभी जरूरी कानूनों का पालन करती है. शॉर्टसेलर फर्म द्वारा लगाए गए सभी आरोप आधारहीन, बेतुके और तर्कहीन हैं. प्रवक्ता ने कहा कि हमें यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि यह हमारे ग्रुप की प्रतिष्ठा और बाजार मूल्य को अपरिवर्तनीय क्षति पहुंचाने के लिए एक ही समूह द्वारा एकजुट होकर किया गया एक और सुनियोजित और घृणित प्रयास है.

पुतिन ने दी रूस और नेटो के बीच जंग छिड़ने की चेतावनी

- कहा-यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियार मुहैया कराने से पश्चिमी देशों के रूस-यूक्रेन संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने का खतरा

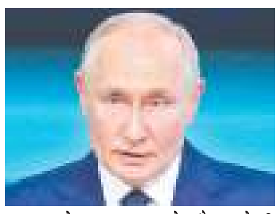

एजेंसी। मॉस्को

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियार मुहैया कराने से पश्चिमी देशों के रूस-यूक्रेन संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने का खतरा पैदा हो गया है. रूसी मीडिया के मुताबिक पुतिन ने कहा कि ऐसे हालात में रूस नए खतरों के आधार पर "उचित फैसले" लेने के लिए मजबूर होगा.

पश्चिमी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, यूक्रेन अपने पश्चिमी सहयोगियों से मिली मिसाइलों के इस्तेमाल के लिए परमिशन मांग रहा है. इनमें लंबी दूरी की मिसाइलें भी शामिल हैं, ताकि वह रूसी क्षेत्र में अंदर तक हमला कर सकें. पुतिन ने रूसी सरकारी टीवी से कहा कि केवल नाटो देशों के सैन्यकर्मी ही इन मिसाइल प्रणालियों के लिए फ्लाइट असाइनमेंट कर सकते हैं. यूक्रेनी सैन्यकर्मी ऐसा नहीं कर सकते. कहा कि इसलिए सवाल यूक्रेन को इन हथियारों के साथ रूस पर हमला करने की अनुमति देने का नहीं है, बल्कि यह है कि कि नाटो देश किसी सैन्य संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होते हैं या नहीं. पुतिन ने कहा कि यदि यह निर्णय लिया जाता है, तो इसका अर्थ कुछ और नहीं बल्कि यूक्रेन युद्ध में नाटो सदस्यों - अमेरिका और यूरोपीय देशों - की प्रत्यक्ष भागीदारी होगी. एक रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस यूक्रेन को दिए अपने हथियारों के इस्तेमाल पर लगे प्रतिबंधों को कम करने की योजना को अंतिम रूप दे रहा है. इनमें रूस के अंदर हमला करने के लिए अमेरिकी पार्ट्स वाली लंबी दूरी की ब्रिटिश मिसाइलों का उपयोग भी शामिल है.

डॉक्टरों की हड़ताल के बीच ममता का एलान

मरने वाले 29 लोगों के स्वजनों को मिलेगी 2-2 लाख़ की मदद

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बताया कि आरजी कर मामले पर चल रही जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है. इस कारण अभी तक 29 लोगों की जान जा चुकी है. राज्य सरकार ने पीड़ित परिवारों को 2-2 लाख़ रुपये की वित्तीय मदद देने की घोषणा की है. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा, "जूनियर डॉक्टर्स की बीते कई दिनों से चल रही हड़ताल का राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ा है. ये दुख की बात है कि इस कारण अभी तक 29 लोगों की मौत हो चुकी है. हम इन शोकाकुल परिवारों की मदद करना चाहते हैं.

चंडीगढ़ विस्फोट : मुख्य आरोपी पंजाब में धराया गोला व बारूद बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को चंडीगढ़ के सेक्टर 10 में हुए ग्रेनेड विस्फोट के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. यह विस्फोट एक घर में हुआ था. बुधवार को एक घर में विस्फोट हुआ था. चंडीगढ़ पुलिस ने गुरुवार को दो संदिग्धों की गिरफ्तारी की सूचना देने वाले को दो लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी.

पुलिस ने केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त अभियान में ग्रेनेड विस्फोट मामले के मुख्य अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अमृतसर ग्रामीण निवासी रोहन मसीह की गिरफ्तारी और अन्य आरोपियों की पहचान के साथ मामला सुलझ गया है. उसके पास से 9 एमएम ग्लॉक पिस्टल और गोला-बारूद बरामद किया गया है.

'सामना' के संपादकीय में शिवसेना (यूबीटी) ने कहा-पीएम मोदी ने भारतीय राजव्यवस्था के अंतिम स्तंभ को भी ध्वस्त किया, पूछा

जस्टिस चंद्रचूड़ को रिटायरमेंट के बाद कहां ले जाएंगे पीएम मोदी

एजेंसी। मुंबई

पीएम नरेंद्र मोदी और चीफ जस्टिस (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की मुलाकात का शिवसेना (यूबीटी) ने फिर हमला किया है. पार्टी ने यहां तक सवाल उठा दिए हैं कि नवंबर में रिटायर होने के बाद पीएम मोदी जस्टिस चंद्रचूड़ को कौन-सा पद देंगे. बुधवार को सीजेआई के आवास पर आयोजित गणेश पूजा में पीएम मोदी भी शामिल हुए थे. शिवसेना (यूबीटी) पहले भी इस मीटिंग पर आपत्ति जता चुकी है. पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने कहा कि पीएम मोदी ने भारतीय राजव्यवस्था के अंतिम स्तंभ को भी ध्वस्त कर दिया है. यह देश की प्रतिष्ठा का पतन है. सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ 10 नवंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हो जाएंगे. संपादकीय में मोदी की बुधवार को चंद्रचूड़ के आवास की यात्रा पर कहा गया है, प्रधानमंत्री और प्रधान न्यायाधीश के बीच निजी मुलाकात ने प्रोटोकॉल को लेकर सवाल खड़े किए हैं. मोदी की इस यात्रा को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. संपादकीय में कहा गया है कि रिटायरमेंट के बाद की सुविधा न्यायपालिका में सबसे बड़ी खतरेकी घंटी है. चंद्रचूड़ पर तंज करते हुए शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि सेवानिवृत्ति के बाद पीएम मोदी उन्हें कहां ले जाकर बिठाते हैं.

सामना के संपादकीय में दावा किया गया है कि जिन जजों ने लोकतंत्र और संविधान को कुचलने में सरकार की मदद की है, उन्हें उनकी सेवानिवृत्ति के बाद इनाम मिला है. इसमें कहा गया है कि चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ के बारे में लोगों की राय अलग थी और अब भी है. एक तो चंद्रचूड़ के घराने की न्यायदान की महान परंपरा रही है. इंदिरा जी (पूर्व पीएम) के दौर में यशवंत विष्णु चंद्रचूड़ देश के चीफ जस्टिस थे और वे मौजूदा चीफ जस्टिस के पिताश्री हैं. संपादकीय में कहा गया है कि चंद्रचूड़ महाराष्ट्र के सुपुत्र हैं, इसलिए यह निश्चित था कि वे किसी दबाव या राजनीतिक प्रलोभन में नहीं आएंगे.

ईवीएम के खिलाफ नहीं सुनी बात : ईवीएम पर संपादकीय में कहा गया है कि ईवीएम के खिलाफ देश और दिल्ली में जबरदस्त बड़े आंदोलन हुए. ईवीएम लोकतंत्र का हत्यारा है, इसके सारे सबूत देने के बावजूद ईवीएम का विरोध करनेवाली सभी याचिकाएं खारिज कर दी गईं. सरकार बिल्कुल यही चाहती थी.

संजय राउत ने दी केस से अलग होने की सलाह : इससे पह शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भी पीएम मोदी के सीजेआई के घर जाने पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि ऐसी परंपरा है कि ऐसे मामलों में अगर जज और पार्टी का कोई संबंध होता है, तो वह खुद के केस से अलग कर लेते हैं. अब मुझे लगता है कि चंद्रचूड़ साहब को खुद को इससे अलग कर लेना चाहिए. शिवसेना (यूबीटी) नेता सुनील प्रभु ने महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर के फैसले को चुनौती दी है, जो तीन साल से सुप्रीम कोर्ट में लटका है.

राष्ट्रपति चुनाव पहली बहस में हारने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने किया ऐलान

हैरिस के साथ अब और प्रेसिडेंशियल डिबेट नहीं

एजेंसी। वाशिंगटन

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ अब किसी अन्य प्रेसिडेंशियल डिबेट में हिस्सा नहीं लेंगे. एक सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने गुरुवार को दावा किया कि उन्होंने मंगलवार रात को फिलाडेल्फिया में एबीसी न्यूज द्वारा आयोजित बहस जीती है.

रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने हैरिस पर आरोप लगाया कि उन्होंने फॉक्स न्यूज, एनबीसी न्यूज और सीबीएस न्यूज की तरफ से बहस के निमंत्रण को स्वीकार नहीं किया. वहीं डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हैरिस ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि "मतदाताओं के प्रति हमारा यह दायित्व है कि हम एक और बहस करें." हैरिस की प्रचार टीम ने भी पहली बहस में जीत का दावा किया है. टीम की ओर से पहले जारी एक बयान के अनुसार, "उपराष्ट्रपति हैरिस ने अमेरिकी लोगों के लिए महत्वपूर्ण हर मुद्दे को लेकर मंच पर अपनी पकड़ बनाए रखी."

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बहस देखने वालों के सीएनएन सर्वे से पता चला है कि 63 प्रतिशत लोग इस बात से सहमत थे कि हैरिस ने फिलाडेल्फिया बहस में बेहतर प्रदर्शन किया. फॉक्स न्यूज के मुताबिक, पैनल में शामिल 12 मतदाताओं ने सोचा कि हैरिस ने बहस जीती, जबकि पांच का मानना था कि ट्रंप जीते. कई लोगों ने कहा कि ट्रंप को नहीं पता कि राष्ट्रपति पद की दौड़ में अपने नए प्रतिद्वंद्वी पर कैसे हमला किया जाए. न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख में कहा गया कि बहस के बाद, कई डेमोक्रेटिक रणनीतिकारों और अधिकारियों ने हैरिस के प्रदर्शन की तारीफ की, जबकि रिपब्लिकन समर्थकों ने मॉडरेटरों के "प्रश्नों के लहजे" के बारे में शिकायत की और डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 'हमले के अवसर' खोने को स्वीकार किया.

मिथुन को राहुल गांधी ने भेजा स्पेशल गिफ्ट

रायबरेली। रायबरेली में मिथुन (नाई) सैलून चलाते हैं. परिवार में चार भाई-तीन बहन और माता-पिता हैं. मिथुन का कहना है कि एक वक्त था, जब उनके सैलून पर सीमित कस्टमर ही आते थे, लेकिन, अब तीन गुना ज्यादा कस्टमर आते हैं. यह सब राहुल गांधी की वजह से हुआ है. दरअसल, रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे राहुल गांधी ने चुनाव के दौरान मिथुन (नाई) की सैलून में दाढ़ी और बाल कटवाए थे. अब राहुल गांधी ने मिथुन के लिए खास तोहफा भी भेजा है. इसमें एक शैंपू चेयर, दो हेयर कटिंग चेयर व एक इनवर्टर बैटरी शामिल है. राहुल की ओर से मिले इन खास गिफ्ट से मिथुन खुश हैं. मिथुन ने कहा, अब तक हम सैलून में बैठे हैं, नहीं तो पहले इस समय घर चले जाते थे.

बोइंग के कर्मचारी जाएंगे हड़ताल पर

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका की अग्रणी विमानन कंपनियों में से एक बोइंग कर्मचारी यूनियन ने शुक्रवार आधी रात से हड़ताल का एलान किया है.प्रबंधन ने कर्मचारी यूनियन को वेतन में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की पेशकश की थी, जिसे कर्मचारियों ने अस्वीकार कर दिया.

737 मैक्स और 777 जैसे विमान बनाने वाली इस कंपनी में 30,000 वर्कर काम करते हैं. कंपनी पहले ही वित्तीय मुश्किलों का सामना कर रही है और सुरक्षा को लेकर वो आलोचनाओं के घेरे में है. कंपनी की छवि को सुधारने के लिए बोइंग ने केली ओर्टबर्ग को नया चीफ़ एक्ज़ीक्युटिव बनाया था. हड़ताल उनके लिए भी एक झटका है. यूनियन और प्रबंधन के बीच वेतन बढ़ोतरी की जो सहमति बनी थी, उस पर यूनियन में वोटिंग कराई गई. इसमें 96 प्रतिशत कर्मचारियों ने हड़ताल के समर्थन में मत दिया था जबकि 95 प्रतिशत ने सहमति पर मुहर लगाई थी.

वेतन में 40 प्रतिशत बढ़ोतरी की मांग : इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ़ मशीनिस्ट एंड एयरोस्पेस वर्कर्स के अध्यक्ष जॉन होल्डेन ने कहा, "हमारे सदस्यों ने आज रात साफ़ और स्पष्ट शब्दों में अपनी राय रखी है. हम शुक्रवार की आधी रात से हड़ताल पर जा रहे हैं."बोइंग ने अपने बयान में कहा है, "जिस मोटा मोटी समझौते पर सहमति बनी थी, उसे यूनियन सदस्यों ने खारिज कर दिया है. हम नए समझौते के लिए तैयार हैं." इसी सप्ताह यूनियन प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों से प्रस्ताव को मंजूर करने की अपील की थी. प्रबंधन और यूनियन के बीच चार सालों में 25 प्रतिशत की वेतन वृद्धि पर सहमति बनी थी. यूनियन ने कर्मचारियों के पैकेज में सुधार की मांगें रखी थीं, जिसमें 40 प्रतिशत वेतन वृद्धि की मांग भी शामिल थी. कंपनी में 2008 में आठ हफ़्ते की हड़ताल हुई थी, जिसके बाद यूनियन और बोइंग के बीच समझौता हुआ था. क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडी के मुताबिक, उस हड़ताल में कंपनी को एक महीने में 1.5 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा था. 2014 में इस समझौते को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी थी जिसकी समय सीमा गुरुवार को ख़त्म हो गई.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)